2005

अमर उजाला

8 वाराणसी, शुक्रवार, 12 अगस्त, 2005

ईदगाह पर चित्रकला प्रतियोगिता 14 को

वाराणसी। हिंदी कथा सम्राट मुंशी प्रेमचंद की 125 जयंती के उपलक्ष्य में उनकी कहानी ईदगाह पर आधारित अंतरविद्यालयी चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन 14 अगस्त को वनिता पब्लिक स्कूल में किया गया है। प्रतियोगिता पूर्वाह्न 10 बजे आरंभ होगी। प्रतियोगिता का आयोजन महा पंडित राहुल सांकृत्यायन शोध एवं अध्ययन केंद्र की ओर से किया गया है। यह जानकारी संस्था की सचिव डा. संगीता श्रीवास्तव ने दी।

2005

अमर उजाला
वाराणसी
8 वाराणसी, सोमवार, 15 अगस्त, 2005

चित्रकला प्रतियोगिता में रानू व नेहा अव्वल

अमर उजाला संवाददाता

वाराणसी। [redacted] महापंडित राहुल सांस्कृत्यायन शोध एवं अध्ययन केंद्र की ओर से वनिता पब्लिक स्कूल प्रेमचंद की प्रसिद्ध कहानी ईदगाह पर बच्चों ने चित्रकला प्रतियोगिता में भाग लिया। इसमें रानू सोनकर व नेहा ने अपने अपने समूह में प्रथम स्थान प्राप्त किया। विजेता बच्चों को पुरस्कार के रूप में साहित्यकारों की किताबें भेंट की गईं।

चित्रकला प्रतियोगिता में बच्चों ने ईदगाह की कहानी को चित्रों में उकेरा। इसमें बच्चों ने अब्दुल का चिपटा बनाया, ईदगाह व दादी की तस्वीर बनाई व चूल्हा भी बनाया। इसमें एक से चार वर्ग में रानू सोनकर प्रथम, प्रणव गिरि द्वितीय, अंशु कुमारी तृतीय, सांत्वना में आंचल श्रीवास्तव, प्रियांशी व शुभम सेठ रहे। इसके अलावा कक्षा सात से नौ तक में नेहा प्रथम, पूजा गुप्ता द्वितीय, सुधा सिंह तृतीय रहीं। इसके अलावा श्रुति, फरहीन व शिप्रा सिंह को सांत्वना पुरस्कार मिला। निर्णयक बीएचयू की मृदुला सिन्हा, मदन लाल व उर्मिला श्रीवास्तव रहीं। इस मौके पर संस्था की संगीता श्रीवास्तव, बीएल प्रजापति, डा. पीपी पांडेय आदि मौजूद रहे। शहर के 12 विद्यालयों के 70 बच्चों ने भाग लिया।

जीपीएस एकेडमी चेतनानगर में आयोजित गोष्ठी में वक्ताओं ने कहा कि आज तक हमारे देश से गरीबी, भ्रष्टाचार, भुखमरी, बेरोजगारी, अशिक्षा आदि तमाम मानव दुश्मन हैं, जिसे निकाला नहीं जा सका है। प्रधानाचार्य गणेश प्रसाद सिंह ने गरीब बच्चों को नि:शुल्क किताबें, शिक्षा व ड्रेस देने की घोषणा की। गोष्ठी को डा. जीसी तिवारी, श्रीमती संगीता सिंह, धीरेंद्र प्रताप सिंह, सत्येंद्र प्रताप, संतोष विश्वकर्मा, भानु प्रताप, आशा पटेल, शिशि गुप्ता आदि ने संबोधित किया।

चित्रकला प्रतियोगिता में पुरस्कृत विजेता बच्चे। फोटो : अमर उजाला

2005

हिन्दुस्तान

वाराणसी/लखनऊ, सोमवार, 15, अगस्त, 2005 4

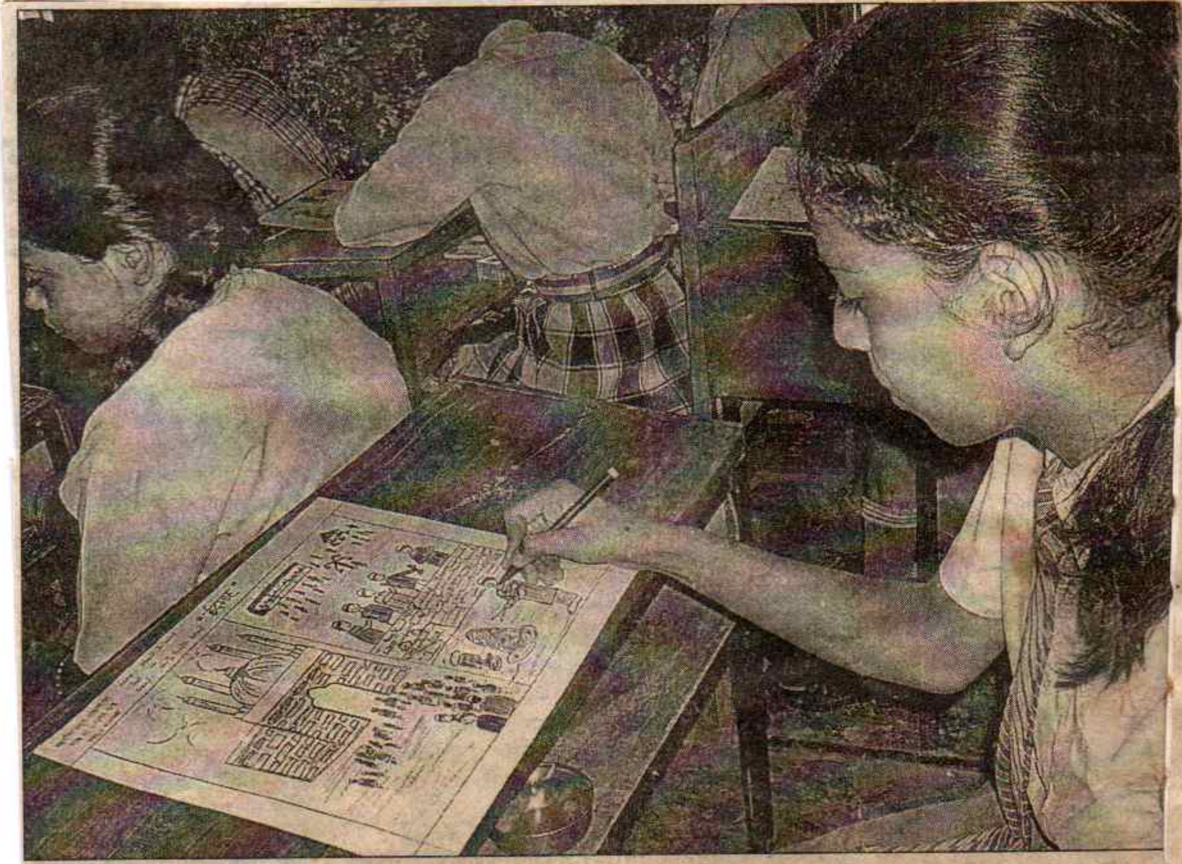

मुंशी प्रेमचंद की कहानी 'ईदगाह' पर चित्रकला प्रतियोगिता में भाग लेते बच्चे। छाया

रानू और नेहा रहीं अव्वल

वाराणसी (सं)। महापंडित राहुल सांस्कृत्यायन शोध एवं अध्ययन केन्द्र की ओर से रविवार को वनिता पब्लिक स्कूल (लहुराबीर) में प्रेमचंद की प्रसिद्ध कहानी 'ईदगाह' पर अंतर-विद्यालयी चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें कई स्कूलों के बच्चों ने भाग लिया।

किसी ने मेले के दृश्य को अपने चित्र में उकेरा था तो किसी ने हमिद के चिमटे और उसके दोस्तों के खिलौनों को चित्रित किया। हामिद की दादी का भी चित्रण हुआ। निर्णय की जानकारी देते हुए संस्था की सचिव डा.संगीता श्रीवास्तव ने बताया कि कक्षा चार से सात वाले समूह में नव रचना कान्वेंट स्कूल के रानू सोनकर प्रथम, वनिता पब्लिक स्कूल की प्रणव गिरी द्वितीय और इसी स्कूल की अंशु कुमारी तीसरे स्थान पर रहीं। वनिता पब्लिक स्कूल की आंचल श्रीवास्तव और प्रियांशी श्रीवास्तव व सेंट जोजेफ की शुभम सेठ को सांत्वना पुरस्कार हासिल हुआ। कक्षा सात से नौ के दूसरे समूह में अग्रसेन कन्या इंटर कालेज की नेहा को पहला, वनिता पब्लिक स्कूल की पूजा गुप्ता को दूसरा व सुधा सिंह को तीसरा स्थान प्राप्त हुआ। वनिता पब्लिक स्कूल की श्रुति जायसवाल व शिप्रा सिंह तथा बसंत कन्या विद्यालय की फरहीन को सांत्वना पुरस्कार मिला। कार्यक्रम की संयोजिका पूनम चौबे थीं। धन्यवाद ज्ञापन बीएल श्रीवास्तव ने किया। प्रतियोगिता की निर्णायक मंडल में मृदुला सिन्हा, उर्मिला श्रीवास्तव और मदनलाल शामिल थे।

2006

हिन्दुस्तान

वाराणसी

वाराणसी/लखनऊ, शुक्रवार, 15 सितम्बर, 2006 5

हिंदी दिवस पर

उभरी चिंता, झलका हिंदी प्रेम

राहुल सांकृत्यायन शोध एवं अध्ययन केंद्र की ओर से बाल भारती स्कूल लोहटिया में संगोष्ठी हुई। इसमें संस्था संरक्षक डा. विनोद कुमार श्रीवास्तव, प्रगतिशील लेखक संघ के महासचिव डा. जयप्रकाश धूमकेतु, बीएचयू हिंदी विभाग के पूर्व अध्यक्ष चौथीराम यादव, संजय श्रीवास्तव, प्रधानाचार्य मेंहदी वख्त, डा. राम सुधार सिंह, डा. जितेन्द्र नाथ मित्र आदि ने विचार रखे। **राजेन्द्र मेमोरियल**

2006

आज

वाराणसी, १४ सितम्बर, २००६ २

हिंदी दिवसपर संगोष्ठी आज

महापंडित राहुल सांकृत्यायन शोध एवं अध्ययन केन्द्र एवं बाल भारतीय इंटर कालेजके संयुक्त तत्वाधानमें हिंदी दिवसके अवसरपर १४ सितम्बरको अपराह्न तीन बजे नरहरपुरा स्थित बाल भारतीय स्कूलमतें हिंदीके विकासमें राहुल सांस्कृत्यायनका योगदान विषयक संगोष्ठीका आयोजन किया गया है। संगोष्ठीके मुख्य वक्ता डाक्टर जयप्रकाश धूमकेतु, चौथीराम यादव, बाल भारतीय स्कूलके प्रधानाचार्य मेंहदी बख्त होंगे।

2006

अमर उजाला
वाराणसी, सोमवार, 31 जुलाई, 2006 7
वाराणसी यूथ

प्रेमचंद के पात्रों को उकेरा

चित्रकला प्रतियोगिता में दस छात्रों को पुरस्कार

वाराणसी। जहां बच्चे रहें वहां शांति हो ऐसा हो ही नहीं सकता, लेकिन कभी-कभी ऐसे मंजर भी नजर आ ही जाता है। राजर्षि सिंह और लक्ष्मी जायसवाल की तरह लगभग सौ बच्चे एक ही जगह मौजूद थे फिर भी वहां एक दम पिन ड्राप साइलेंस था। सभी वनिता पब्लिक स्कूल में आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता बड़ी तन्मयता के साथ चित्र बना रहे थे।

महापंडित राहुल सांकृत्यायन शोध एवं अध्ययन केंद्र के तत्वावधान में अंतरविद्यालयीय चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस मौके पर कक्षा छह से नौ तक और दस से बारह तक के छात्रों की दो अलग-अलाला श्रेणियां बनायी गईं। मुंशी प्रेमचंद की 125वीं जयंती पर उनकी कृति दो बैलों की कथा को प्रतियोगिता का थीम रखा गया। शोध एवं अध्ययन केन्द्र की सचिव संगीता श्रीवास्तव ने बताया कि यह प्रतियोगिता प्रत्येक वर्ष आयोजित की जाती है। पिछले वर्ष प्रेमचंद की कहानी ईदगाह को थीम बनाया गया था। निर्णायक मंडल में कार्टूनिस्ट जगत शर्मा, उर्मिला श्रीवास्तव, दिनेश चंद्रा और अत्रेय भारद्वाज शामिल थे। इस प्रतियोगिता में दस छात्रों को पुरस्कृत किया गया। सफल छात्रों में कीर्ति, शुचि, श्रुति, राजषि, राजश्री, हर्षित, पूर्णिमा, ममता, प्रियांशु और एकता शामिल रहे।

प्रतियोगिता : कहानी 'दो बैलों की कथा' पर चित्र बनाते छात्र-छात्राएं।

2006

आज

वाराणसी, २ अगस्त, २००६ ५

चित्रकला प्रतियोगितामें शुचि, ममता प्रथम

कथा सम्राट प्रेमचन्द्रकी जयंती पर वनिता पब्लिक स्कूलमें रविवारको अन्तरविद्यालीय चित्रकला प्रतियोगिताका आयोजन किया गया। दो वर्गोंमें आयोजित प्रतियोगितामें कक्षा छः से १२ तकमें गुप्त प्रथम संजय माडल स्कूलकी शुचि श्रीवास्तव द्वितीः वनिता पब्लिक स्कूलकी श्रुति जायसवालने तृतीय, एवं सैण्ट जोसफ (दारानगर) के राजर्षि सिंहने चतुर्थ तथा राजश्रीने पांचवा स्थान प्राप्त किया। जबकि सेण्ट जोसेफके हर्षित और पूर्णिमा मेहरोत्राको सांत्वना पुरस्कार एवं ग्रुप बीके कक्षा १० से १२ बजे ममता मेहरोत्राने प्रथम, प्रियांशुने द्वितीय एवं एकता सिंहने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगितामें १०५ बच्चोंने हिस्सा लिया। प्रतियोगिताका विषय दो बैलोंकी कथा था। इस अवसरपर मुख्य अतिथि सुप्रसिद्ध कार्टूनिस्ट श्री जगत शर्माने कहा कि आज बच्चोंमें सृजन शक्तिको बढ़ानेके लिए ऐसी प्रतियोगिताका आयोजन सराहनीय है। समारोह की अध्यक्षता करते हुए जोसेफ स्कूल समूहके अध्यक्ष श्री डी. चन्द्राने कहा कि बच्चोंमें अभिव्यक्ति जगानेके लिए सशक्त माध्यमकी जरुरत होती है। पुरस्कार वितरण श्री जगत शर्माने किया। संचालन डाक्टर संगीता श्रीवास्तव एवं धन्यवाद ज्ञापन डाक्टर विनोद कुमार, श्रीवास्तव ने किया।

2006

आज

वाराणसी, २८ जुलाई २००६ ४

प्रेमचन्दकी जयन्तीपर चित्रकला प्रतियोगिता ३० को

कहानी सम्राट मुंशी प्रेमचन्दकी १२५ वीं जयन्तीपर उनकी कहानी दो बैलोंकी कथापर आधारित अन्तरविद्यालयीय चित्रकला प्रतियोगिताका आयोजन ३० जुलाईको पूर्वाह्न १० बजे लहुरावीर स्थित वनिता पब्लिक स्कूलमें किया गया है। महापण्डित राहुल सांकृत्यायन शोध एवं अध्ययन केन्द्रके तत्वावधानमें होनेवाली चित्रकला प्रतियोगिताके निर्णायक मण्डलमें जगत शर्मा, डी. चन्द्रा एवं सुश्री उर्मिला श्रीवास्तव शामिल हैं। केन्द्रकी सचिव डाक्टर संगीता श्रीवास्तव शामिल हैं। केन्द्रकी सचिव डाक्टर संगीता श्रीवास्तवने यह जानकारी देते हुए बताया कि चित्रकला प्रतियोगितामें कक्षा ६ से १२ तकके छात्र भाग ले सकते हैं।

2006

दैनिक जागरण
4 वाराणसी, 30 जुलाई, 2006

प्रणाम

■ **चित्रकला प्रतियोगिता**

मुंशी प्रेमचन्द की जयन्ती के उपलक्ष्य में चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन लहुराबीर स्थित वनिता पब्लिक स्कूल में सुबह 10 बजे।

वाराणसी/लखनऊ, गुरुवार, 27 जुलाई, 2006 4
हिन्दुस्तान

संक्षिप्त

चित्रकला प्रतियोगिता 30 को

वाराणसी। महापंडित राहुल सांकृत्यायन शोध एवं अध्ययन केन्द्र के तत्वावधान में मुंशी प्रेमचन्द की 125वीं जयंती पर 30 जुलाई को पूर्वाह्न 10 बजे लहुराबीर स्थित वनिता पब्लिक स्कूल में 'दो बैलों की कथा' पर चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गयी है। इस प्रतियोगिता में कक्षा छह से 12 तक के विद्यार्थी भाग ले सकते हैं। यह जानकारी अध्ययन केन्द्र की सचिव डा. संगीता श्रीवास्तव ने दी।

काशी समाचार
गांडीव
(वाराणसी) शुक्रवार, २८ जुलाई , २००६

प्रेमचंद जयंती पर अंतर्विद्यालयीय चित्रकला स्पर्धा

काशी। महापंडित राहुल सांकृत्यायन शोध एवं अध्ययन केंद्र की सचिव व कवयित्री डा०संगीता श्रीवास्तव ने बताया है कि प्रख्यात कथाकार मुंशी प्रेमचंद की१२५वीं जयंती पर ३०जुलाई को वनिता पब्लिक स्कूल (लहुराबीर) में प्रातः १०बजे से प्रेमचंद की कहानी 'दो बैलों की कथा' पर आधारित बच्चों की अंतर्विद्यालयीय चित्रकला स्पर्धा आयोजित है। प्रतियोगिता, कक्षा ६से ९ और १०से १२के दो वर्गों में होगी। प्रतियोगिता शुल्क मात्र १०रुपये है। कोषाध्यक्ष कृष्ण मुरारी श्रीवास्तव ने बताया कि इस अवसर पर कार्टूनिस्ट जगत शर्मा,वरिष्ठ पत्रकार गीतकार अत्रि भारद्वाज और सेंटजोजफ कान्वेंट स्कूल के चेयरमैन डी०चंद्रा उपस्थित रहेंगे।

2006

वाराणसी
हिन्दुस्तान
वाराणसी/लखनऊ, सोमवार, 31 जुलाई, 2006 4

मुंशी प्रेमचंद की 125वीं जयंती पर महापंडित राहुल सांकृत्यायन शोध एवं अध्ययन केंद्र संस्था की ओर से रविवार को वनिता पब्लिक स्कूल में आयोजित अंतर्विद्यालयीय चित्रकला प्रतियोगिता में भाग लेते बच्चे।

अंतर्विद्यालयीय चित्रकला प्रतियोगिता

कागजों पर उतरी दो बैलों की मनोव्यथा

वाराणसी (सं.)। आंखों से छलकते आंसू व्यक्त करते हीरा और मोती के मन की व्यथा। सींखचों में कैद जानवरों को टुकर-टुकुर ताकते दोनों बैल। पालथी मारकर बैठे बैलों की गलचौर। उक्त भावों को कागजों पर उकेरे विभिन्न स्कूलों के बच्चों ने। मौका था मुंशी प्रेमचंद की 125वीं जयंती पर महापंडित राहुल सांकृत्यायन शोध एवं अध्ययन केंद्र संस्था द्वारा आयोजित अंतर्विद्यालयीय चित्रकला प्रतियोगिता का। इसमें गुरुनानक खालसा स्कूल की कीर्ति गुप्ता व ममता मल्होत्रा में क्रमशः जूनि.र व सीनियर वर्गों में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

लहुराबीर क्षेत्र स्थित वनिता पब्लिक स्कूल परिसर में रविवार को इस कार्यक्रम में लगभग सौ छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया। प्रेमचंद रचित 'दो बैलों की कथा' पर आधारित इस प्रतियोगिता में बच्चों ने रंगों के माध्यम से अपनी प्रतिभा के कई रूप प्रदर्शित किये। कक्षा दस

■ महापंडित राहुल सांकृत्यायन शोध एवं अध्ययन केंद्र का आयोजन

की एकता सिंह ने बैल हीरा व मोती की दोस्ती को कृष्ण-सुदामा की मित्रता के तौर पर व्यक्त किया। कक्षा छह के निरंजन ने तो दोनों बैलों को मुस्कुराते हुए दिखाया। कक्षा दस की शिप्रा ने बैलों की बातचीत और कक्षा सात की जूही शाह ने हीरा-मोती को पालथी मारकर गलचौर करते प्रदर्शित किया। वर्तमान में एनीमेशन फिल्मों के प्रभाव का एक पक्ष पेश किया। कक्षा सात की पूजा कुमारी ने खूंटों में बंधे बैलों का दर्द बखूबी दर्शाया। हीरा-मोती की आंखों से टपकते आंसू दर्शाकर कक्षा नौ की रुपाली ने पूरी कहानी सामने रख दी। प्रतियोगिता के जूनियर ग्रुप में संजय मॉडल स्कूल की शुभि श्रीवास्तव द्वितीय, वनिता पब्लिक स्कूल की श्रुति जायसवाल तृतीय व सेंट जोसफ स्कूल दारानगर की राजश्री सिंह ने चतुर्थ स्थान हासिल किया। सेंट जोसफ स्कूल के हर्षित कुमार को सांत्वना पुरस्कार दिया गया। सीनियर ग्रुप में गुरुनानक खालसा स्कूल की प्रियांशु चौरसिया एकता सिंह ने क्रमशः दूसरा व तीसरा पुरस्कार जीता। प्रतियोगिता में वरिष्ठ कार्टूनिस्ट जगत शर्मा व डॉ. अत्रि भारद्वाज समेत उर्मिला श्रीवास्तव व डी. चंद्रा ने निर्णायक की भूमिका अदा की। प्रतियोगिता का संयोजन डॉ. संगीता श्रीवास्तव, डॉ. राजीव सिंह ने किया।

2007

वाराणसी, सोमवार, 30 जुलाई, 2007 ■ 9

अमर उजाला ■ वाराणसी यूथ

जयंती पर होगी चित्रकला प्रतियोगिता

वाराणसी। महापंडित राहुल सांकृत्यायन शोध एवं अध्ययन केंद्र की ओर से प्रेमचंद जयंती के अवसर पर उनकी कहानी बूढ़ी काकी विषय पर चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन रविवार को लोहटिया स्थित भारतीय स्कूल लहोटि में किया गया। मुख्य अतिथि कार्टूनिस्ट जगत शर्मा ने कहा कि बूढ़ी काकी संवदनशील कहानी है। इस अवसर पर डा. संगीता श्रीवास्तव मौजूद रही।

2007

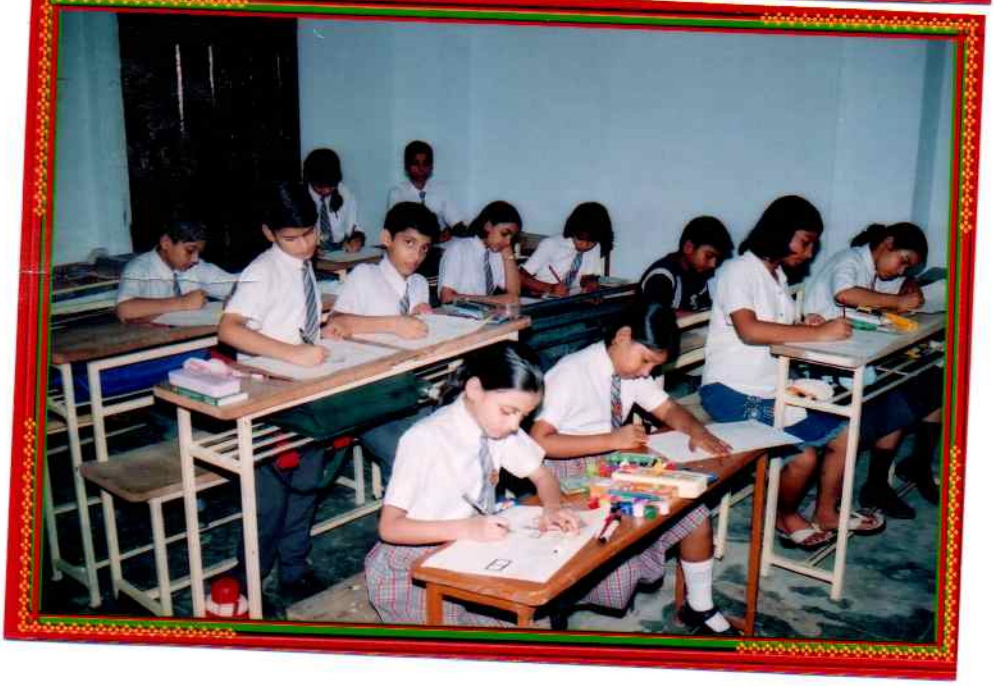

गांडीव (वाराणसी) मंगलवार, ३१ जुलाई, २००७

महापंडित राहुल सांकृत्यायन शोध एवं अध्ययन केन्द्र नवापुरा (वाराणसी) द्वारा कथाकार मुंशी प्रेमचन्द की जयंती रविवार को मनायी गयी। इस अवसर पर 'बूढ़ी काकी' को केन्द्र बनाकर बच्चों की चित्रकला प्रदर्शनी भी हुई। इस अवसर पर डा. संगीता श्रीवास्तव, जगत शर्मा व वरिष्ठ पत्रकार डा. दयानंद। यह आयोजन बाल भारतीय स्कूल (लोहटिया) पर हुआ।

विविध

हिन्दुस्तान, वाराणसी/लखनऊ, सोमवार, 30 जुलाई 2007

बच्चों ने उकेरा 'बूढ़ी काकी' का चित्र

बाल भारतीय स्कूल में अंतर विद्यालयी चित्रकला प्रतियोगिता

वाराणसी (सं)। महापंडित राहुल सांस्कृत्यायन शोध एवं अध्ययन केन्द्र ओर से मुंशी प्रेमचंद जयंती के मौके पर रविवार को बाल भारतीय स्कूल लोहटिया में अंतर विद्यालयी चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में 'बूढ़ी काकी' कहानी को विषय बना कर बच्चों ने पेंटिंग बनाई।

प्रथम वर्ग में नवरचना कान्वेंट की विजयलक्ष्मी सिंह को पहला व राघवेश कुमार को दूसरा तथा सेंट जोसेफ स्कूल की श्वेता चौबे को तीसरा स्थान मिला।

द्वितीय ग्रुप में संत अतुलानंद कांवेंट की सुरभि रानी और रोहित चौबे को पहला और दूसरा स्थान मिला। हैप्पी माडल के विशाल सिंह को तीसरा और संत अतुलानंद की श्वेता विश्वकर्मा और अभिनव विश्वकर्मा को सांत्वना पुरस्कार प्राप्त हुआ। तृतीय ग्रुप में वनिता पब्लिक स्कूल के अनमोल हरलालका और शुभम सहाय को प्रथम और द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कार्टूनिस्ट जगत शर्मा थे। वरिष्ठ पत्रकार डा.दयानंद ने कहा कि बच्चों की इस प्रतिभा को और मुखरित करने की आवश्यकता है। संस्था की सचिव डा.संगीता श्रीवास्तव ने बच्चों को मुंशी प्रेमचंद के बारे में बताया।

2007

city pioneer

14 the pioneer Monday | July 31 | 2006

Guru Nanak Dev Khalsa Girls' Inter College excels

Pioneer News Service | Varanasi

Guru Nanak Dev Khalsa Girls Inter College dominated the inter-school drawing competition in senior category when all the first three places were won by its students.

The competition was organised by Mahapandit Rahul Sankritayayan Sodh and Adhyayan Kendra at Vinita Public School here on Sunday, on the eve of birth anniversary of Munshi Premchand.

Mamta Mehrotra, Priyanshu and Ekta , all from Khalsa school, bagged the first three places. In the category of students between class X and XII. In junior category (Class VI to IX), Kiri Gupta got first place followed by Suchi Srivastava of Sanjay Model School, Shruti Srivastava of Vinita Public School, Rajashi Singh and Rajashree (both of St. Joseph (Daranagar). Harshita and Purnima , both from St. Joseph won consolation prizes.

Speaking on the occasion, noted cartoonist and chief guest Jagat Sharma said that such competitions developed constructive imagination among the children.

Chairman of St. Joseph group of Schools D Chandra, senior journalist Dr Attri Bhardwaj and many others were also present.

Dr Sangeeta Srivastava conducted the function, while Dr Vinod Kumar Srivastava proposed a vote of thanks.

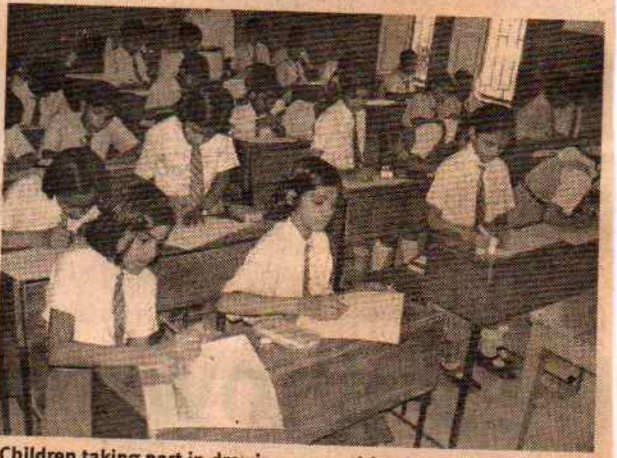

Children taking part in drawing competition held at Vanita Public School in Varanasi

Pioneer

2007

दैनिक जागरण 7

वाराणसी, 30 जुलाई, 2007

वाराणसी/अंचल

चित्रकला प्रतियोगिता में विजय लक्ष्मी अव्वल-मुंशी प्रेमचंद जयंती के अवसर पर महापंडित राहुल सांस्कृत्यायन शोध एवं अध्ययन केंद्र, नवापुरा की ओर से रविवार को बालभारती स्कूल, लोहटिया में 'बूढ़ी काकी' कहानी पर आधारित अंतरविद्यालयीय चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें प्रथम ग्रुप में विजय लक्ष्मी सिंह ने पहला स्थान, राघवेश कुमार ने दूसरा और श्वेता चौबे ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। द्वितीय ग्रुप में सुरभि.रानी को प्रथम, रोहित चौबे को द्वितीय व विशाल सिंह को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। तीसरे ग्रुप में अनमोल हरलालका को प्रथम और शुभम सहाय को दूसरा स्थान प्राप्त हुआ।

2007

महापंडित राहुल सांकृत्यायन शो
वाराणसी द्वारा आयोजि
प्रेमचंद की 126वीं जयंती के अवसर प
'बूढ़ी काकी' कहानी प
बी.एल.प्रजापति

सांकृत्यायन शोध एवं अध्ययन केंद्र
वाराणसी द्वारा आयोजित
की 126वीं जयंती के अवसर पर
काकी' कहानी पर
अंतर विद्यालयी चित्रकला प्रतियोगिता
बी.एल.प्रजापति
सहयोग

यूथ एक्सप्रेस
अमर उजाला | वाराणसी, सोमवार, 28 जुलाई, 2008 | 9

कहानी सम्राट की याद में चित्रकला प्रतियोगिता

वाराणसी। कहानी सम्राट मुंशी प्रेमचंद से भावी पीढ़ी को परिचित कराने के उद्देश्य से तकरीबन 25 विद्यालयों के छात्र-छात्राओं की चित्रकला प्रतियोगिता रविवार को दुर्गाचरण गर्ल्स इण्टर कालेज सोनारपुरा में आयोजित की गई। प्रतियोगिता महापंडित राहुल सांकृत्यायन शोध एवं अध्ययन केन्द्र की ओर से आयोजित की गई थी। विद्यार्थियों ने कहानी गुल्ली-डंडा को वर्ण और तूलिका से उकेरा। संस्था की सचिव डा. संगीता श्रीवास्तव ने बताया कि यह प्रतियोगिता चार साल से लगातार कराई जा रही है। प्रतियोगिता का परिणाम तीन ग्रुप में शाम को जारी किया गया। पहले ग्रुप में कक्षा चार से छह तक के छात्रों में प्रथम पुरस्कार दिलकश गजाला, दूसरा मोहम्मद सामी व तीसरा विजय लक्ष्मी को दिया गया। दूसरे ग्रुप में कक्षा 7 से 9 तक के विद्यार्थी शामिल थे। इसमें दीपक सिंह प्रथम, हर्षित जायसवाल द्वितीय और नीतू को तृतीय पुरस्कार मिला। ऐसे ही 10 से 12 वाले ग्रुप में पहला पुरस्कार शिवांगी, दूसरा मोनिका और तीसरा श्रुति को दिया गया। इस मौके पर बीएचयू की दृश्यकला विभागाध्यक्ष डा. मृदुला सिंहा, कार्टूनिस्ट जगत शर्मा, उर्मिला श्रीवास्तव ने पुरस्कार वितरित किया।

प्रेमचंद जयंती

वाराणसी। सामाजिक संस्था जन कल्याण परिषद की एक बैठक चौकाघाट स्थित कार्यालय पर हुई। बैठक की अध्यक्षता परिषद के प्रदेश अध्यक्ष गंगा सहाय पांडेय ने की। सभा के दौरान 31 जुलाई को लहुराबीर पार्क में स्थित मुंशी प्रेमचंद्र की प्रतिमा के समक्ष प्रेमचंद्र जयंती मनाने का निर्णय लिया गया।

स्पर्धा

दुर्गाचरण इंटर कालेज में प्रेमचंद की कृतियों पर आधारित चित्रकला प्रतियोगिता में हिस्सा लेते बच्चे।

2008

2008

4 | वाराणसी

हिन्दुस्तान सोमवार, 28 जुलाई, 2008, वाराणसी

'गुल्ली डंडा' पर बच्चों ने चित्रित किया अपना नजरिया

■ दिलकश, दीपक व शिवांगी अपने-अपने वर्गों में अव्वल

संवाददाता वाराणसी

महापंडित राहुल सांकृत्यायन शोध एवं अध्ययन केंद्र की ओर से रविवार को प्रेमचंद जयंती के मौके पर चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। 25 विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने प्रेमचंद की कहानी 'गुल्ली डंडा' को विषय बनाकर अपने विचारों को अभिव्यक्ति दी। बच्चों ने कहानी के विषय को अपने-अपने नजरिये से चित्रित कर लोगों का ध्यान खींचा। संस्था की सचिव डा.संगीता श्रीवास्तव ने प्रतियोगिता का उद्देश्य बच्चों की आंतरिक प्रतिभा उजागर करने के साथ-साथ प्रेमचंद से भावी पीढ़ी को परिचित कराना भी है। बीएचयू में ललितकला विभाग की अध्यक्ष प्रो.मृदुला सिन्हा ने छात्र-छात्राओं की अभिव्यक्ति क्षमता की तारीफ की। प्रतियोगिता तीन वर्गों में हुई। पहले वर्ग में दिलकश गजाला (जीवनदीप) को प्रथम, सामी (जीवनदीप) को द्वितीय और विजयलक्ष्मी (नवरचना) को तृतीय पुरस्कार मिला। दूसरे वर्ग में दीपक सिंह(जीवनदीप) को प्रथम, हर्षित जायसवाल (सेंट जोसेफ) को द्वितीय और नीतू साहनी (दुर्गाचरण) को तीसरा पुरस्कार हासिल हुआ। तृतीय ग्रुप में शिवांगी विश्वकर्मा (दुर्गाचरण) को पहला, मोनिका भारती (अतुलानंद) को दूसरा और श्रुति जायसवाल (सीएचएस) को तीसरा स्थान मिला। निर्णायक मंडल में प्रो.सिन्हा के अलावा विनोद श्रीवास्तव और सुनीता चौबे शामिल थीं। अंत में धन्यवाद ज्ञापन बीएल प्रजापति ने किया।

यंग

अमर उजाला कॉम्पैक्ट, वाराणसी, सोमवार, 28 जुलाई, 2008 7

अमर उजाला

नन्हे-मुन्नों ने कागज पर उकेरा 'गुल्ली डंडा'

कलाकारी... बच्चों ने प्रेमचंद्र की कहानी को रंगों से किया जीवंत।

दुर्गाचरण बालिका इंटर कालेज में चित्रकला प्रतियोगिता

वाराणसी। दुर्गाचरण बालिका इंटर कालेज में विद्यार्थियों ने महान कहानीकार प्रेमचंद की कहानी गुल्ली डंडा को अपने तूलिका से कागज पर उकेरा। इस अवसर पर बनारस के 25 विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। बचपन की यादों को जिस तरह से प्रेमचंद जी की कहानी गुल्ली डंडा में दिखाया गया था। उसी तरह शब्दों के बिना केवल रंगों का इस्तेमाल कर उन्हें दर्शाया गया था।

चित्रकला प्रतियोगिता तीन वर्गों में सम्पन्न हुई। यह प्रतियोगिता महापंडित राहुल सांकृत्यायन शोध एवं अध्ययन केन्द्र के तत्वावधान में आयोजित की गई थी। रविवार को आयोजित प्रतियोगिता में विषय पर बच्चों ने अपने विचारों की अभिव्यक्ति चित्रकला के माध्यम से की। सभी की अभिव्यक्ति सराहनीय थी। संस्था की सचिव डा. संगीता श्रीवास्तव ने कहा कि विगत वर्षों प्रेमचंद जी की ही कहानियों ईदगाह, दो बैलों की कथा, बूढ़ी काकी पर चित्र कला प्रतियोगिता आयोजित की जा चुकी है। इसके माध्यम से बच्चों में मुंशी प्रेमचंद के विषय में जागरूकता लाने का प्रयास किया जा रहा है। कक्षा 6 का दिलकश गजाला प्रथम स्थान पर रहा। दूसरे स्थान पर मो. समी कक्षा 4, कक्षा 3 विजयलक्ष्मी को तीसरा स्थान मिला। दूसरे वर्ग में कक्षा 7 से 9 तक के विद्यार्थियों को रखा गया था जिसमें दीपक सिंह, हर्षित जायसवाल, नीतू सहानी को क्रमशः पहले, दूसरे और तीसरे स्थान पर रहा। कक्षा 10 से 12 तक के बच्चों को तीसरे वर्ग में रखा गया था।

इसमें दुर्गाचरण की शिवांगी विश्वकर्मा प्रथम, दूसरे स्थान पर संत अतुलानंद की मोनिका भारती और तीसरे स्थान पर सीएचएस की कक्षा 11 की श्रुति जायसवाल रही। निर्णायक मंडल में बीएचयू की विभागाध्यक्ष डा. मृदुला सिंह, कार्टूनिस्ट जगत शर्मा और उर्मीला रहीं।

2006

Pg 4 i next Varanasi, 28 July, 2008 city

दिलकश, दीपक व शिवांगी का 'गुल्ली-डंडा' फर्स्ट

रविवार को कॉम्पिटिशन में पार्टिसिपेट करतीं स्टूडेंट्स

मुंशी प्रेमचंद जयंती पर इंटर स्कूल ड्राइंग कॉम्पिटिशन

VARANASI (27 July, i next): महापंडित राहुल सांकृत्यायन शोध एवं अध्ययन केंद्र की ओर से रविवार को एक इंटर स्कूल ड्राइंग कॉम्पिटिशन दुर्गाचरण गर्ल्स इंटर कॉलेज में संपन्न हुआ. यह कॉम्पिटिशन मुंशी प्रेमचंद की जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया था. बच्चों को प्रेमचंद की कहानी 'गुल्ली-डंडा' पर ड्राइंग बनानी थी. तीन ग्रुप में हुए इस कॉम्पिटिशन में जीवन दीप पब्लिक स्कूल की दिलकश गजाला, इसी स्कूल के दीपक सिंह और दुर्गाचरण गर्ल्स इंटर कॉलेज की शिवांगी विश्वकर्मा की पेंटिंग्स को इनके ग्रुप में फर्स्ट प्राइज के लिए चुना गया.

सेकेण्ड और थर्ड प्राइज भी

क्लास 4-6 ग्रुप में जीवन दीप के मो. शमी को सेकेण्ड व नवरचना कान्वेंट स्कूल की विजय लक्ष्मी को थर्ड चुना गया. क्लास 7-9 ग्रुप में सेंट जोसेफ दारानगर के हर्षित जायसवाल सेकेण्ड व दुर्गाचरण की नीतू साहनी थर्ड रहीं. क्लास 10-12 ग्रुप में संत अतुलानंद कान्वेंट स्कूल की मोनिका को सेकेण्ड व सीएचएस गर्ल्स स्कूल की श्रुति जायसवाल को थर्ड प्राइज दिया गया.

दो दर्जन से ज्यादा स्कूल

कॉम्पिटिशन में दो दर्जन से ज्यादा स्कूलों के 100 से ज्यादा बच्चों ने भाग लिया. जज पैनल में बीएचयू फाइनल आर्ट डिपार्टमेंट की हेड डॉ मृदुला सिन्हा, विनोद श्रीवास्तव व सुनीता चौबे शामिल रहीं. कोऑर्डिनेशन और संचालन अध्ययन केंद्र की सेक्रेटरी डॉ संगीता श्रीवास्तव ने किया.

हिन्दुस्तान सोमवार, 15 सितम्बर, 2008, वाराणसी
6 वाराणसी-आसपास
www.hindustandainik.com
2008

सत्तारूढ़ लोगों के कारण नहीं मिल पा रहा हिंदी को यथोचित दर्जा

■ हिंदी दिवस पर शहर में हुए विविध आयोजन

संवाददाता वाराणसी

हिंदी दिवस पर रविवार को विभिन्न शिक्षण संस्थानों और संगठनों तथा विभागों में कार्यक्रम आयोजित किये गये। बीएचयू में राष्ट्रीय सेवा योजना की ओर से हिन्दी पखवाड़ा का उद्घाटन किया गया। यूपी कालेज के पुस्तकालय में 'भूमंडलीकरण और हिन्दी' विषय पर संगोष्ठी आयोजित की गई। वहीं नववर्ष चेतना समिति काशी की ओर से विश्व संवाद केन्द्र में हिन्दी स्वाभिमान दिवस एवं कला सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जबकि मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय में हिंदी पखवाड़े का आयोजन किया गया।

नागरी प्रचारिणी सभा में हिंदी दिवस : नागरी प्रचारिणी सभा द्वारा आयोजित हिंदी दिवस समारोह की अध्यक्षता कर रहे डा. राजेन्द्र ने कहा कि जो लोग ऊंचे और दायित्वपूर्ण पदों पर हैं वह हिंदी का ठीक ढंग से उपयोग नहीं करते। प्रो. महेन्द्र नाथ राय ने कहा कि हिंदी हमारी अस्मिता की प्रतीक है। डा. सुमन जैन ने कहा कि हिंदी में ऐसी गुरुत्वाकर्षण शक्ति है जो सबको आकर्षित करती है। डा. राम अवतार पाण्डेय ने कहा कि आज हिंदी के लिए वह इच्छाशक्ति नहीं है जो आजादी की लड़ाई के समय थी। पं धर्मशील चतुर्वेदी ने कहा कि हिंदी वालों की सहिष्णुता और उदासीनता के कारण राष्ट्र भाषा का प्रश्न उपेक्षित पड़ा है। इस दौरान काव्य गोष्ठी का भी आयोजन किया गया। इसमें प. हरिराम द्विवेदी, राम प्रवेश तिवारी, प. श्रीकृष्ण तिवारी, विनय कपूर, परमानंद आनंद आदि ने काव्य पाठ किया। संचालन डा. जितेन्द्र मिश्र ने किया।

बीएचयू में हिंदी पखवाड़ा शुरू: बीएचयू में राष्ट्रीय सेवा योजना की ओर से हिन्दी पखवाड़े के उद्घाटन के अवसर पर मुख्य अतिथि डा. मुक्ता ने कहा कि आज बहुत सी चुनौतियों के बावजूद हिन्दी प्रगतिशील है। हिन्दी भाषा हमारी संवेदना और स्वाभिमान की संवाहक है। प्रमुख वक्ता डा. राकुमार ने हिन्दी को ज्ञान की भाषा बनाने कई वकालत करते हुए कहा कि ज्ञान किसी भी भाषा में हो, उसे स्वीकार करना चाहिए। अध्यक्षता प्रो. यूएस राय ने तथा संचालन राहुल कुमार ने किया।

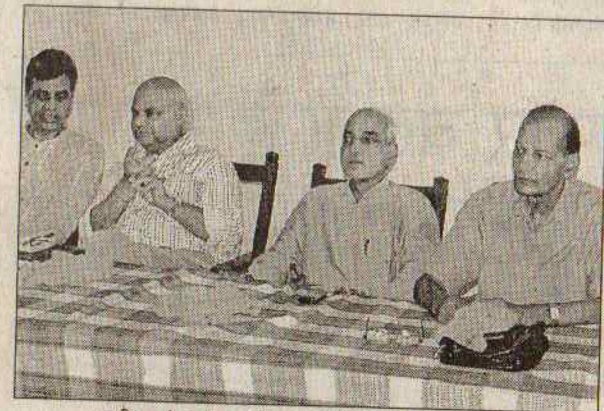

यूपी कालेज मे आयोजित संगोष्ठी में उपस्थित अतिथि

यूपी कालेज में 'भूमंडलीकरण और हिंदी' गोष्ठी : हिन्दी दिवस पर यूपी कालेज के पुस्तकालय में 'भूमंडलीकरण और हिन्दी' विषय पर संगोष्ठी हुई। मुख्य वक्ता साहित्यकार विश्वनाथ प्रसाद ने कहा कि हिन्दी को राष्ट्रभाषा के रूप में जनता ने मान्यता दे दी है। संकट राजभाषा के रूप में मान्यता का है। सत्ता में काबिज लोगों की संकल्पहीनता से हिन्दी को राजभाषा का यथोचित दर्जा नहीं मिल पा रहा है। अध्यक्षता करते हुए कवि श्रीकृष्ण तिवारी ने कहा कि हिन्दी का विरोध सिर्फ राजनीतिक और संकीर्ण नजरिए से हो रहा है। प्रो. सुरेंद्र प्रताप ने कहा कि वैश्वीकरण के इस युग में हिन्दी का प्रचार-प्रसार भी तेजी से हो रहा है। दुनिया के 50-60 विश्वविद्यालयों में हिन्दी पढ़ाई जा रही है। प्रो. श्रद्धानंद ने कहा कि भाषा को लेकर कोई हीनता नहीं होनी चाहिए। जय प्रकाश धूमकेतु ने कहा कि हिन्दी का अहित हिन्दी वाले ही कर रहे हैं। विषय प्रवर्तन डा. रामसुधार सिंह ने किया। प्राचार्य डा. ओपी सिंह ने स्वागत किया। धन्यवाद डा. संगीता श्रीवास्तव ने दिया। मौके पर जयनारायन तिवारी और डा. सदानंद सिंह ने भी विचार रखे। बाद में हुई काव्यगोष्ठी में श्रीकृष्ण तिवारी, डा. ओपी सिंह, डा. अशोक सिंह और डा. उदय प्रताप सिंह आदि ने रचनाएं पढ़ीं। राजेंद्र मेमोरियल आदर्श विद्यालय में हिन्दी की दशा-दिशा विषय पर दिनेश प्रताप सिंह, मंजरी सिंह, डा.रमेश क्षत्रिया, श्रीनारायन, मीनाक्षी सिंह, अभिलाषा तिवारी आदि ने विचार व्यक्त किए।

नववर्ष चेतना समिति ने मनाया स्वाभिमान दिवस: नववर्ष चेतना समिति काशी की ओर से विश्व संवाद केन्द्र में हिन्दी स्वाभिमान दिवस एवं कला सम्मान समाहरोह का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश के वाणिज्य कर अधिकारी संघ के अध्यक्ष डा. श्याम तिवारी ने कहा कि सरकारी व व्यावसायिक अधिकारी अंग्रेजियत की मानसिकता वाले हैं। विशिष्ट अतिथि प्रो. राधेश्याम दुबे ने कहा हिन्दी मातृभाषा है और इसके प्रति प्रेम जरूरी है। कार्यक्रम अध्यक्ष जगदीश नारायण राय ने भी विचार रखे। इस अवसर पर हिन्दी स्वाभिमान सेवियों व कलाकारों को सम्मानित किया गया। स्वागत ओंकार सिंह ने, संचालन रामअवध यादव ने तथा धन्यवाद ज्ञापन संतोष कुमार पाठक ने किया।

मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय में हिंदी पखवाड़ा शुरू : मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय में हिंदी पखवाड़े का शुभारम्भ करते हुए मंडल रेल प्रबंधक दयानंद झा ने कहा कि अपनी भाषा की प्रगति के बिना प्रगति का कोई अर्थ नहीं है। तकनीकी ज्ञान से सम्पन्न लोगों को अपनी भाषा में पुस्तक लेखन करना चाहिए। इस मौके पर आयोजित 'तकनीकी क्षेत्र में हिंदी का प्रयोग' विषयक विचार गोष्ठी में रेलवे कैंसर संस्थान के निदेशक डा. टीपी श्रीवास्तव ने चिकित्सा के क्षेत्र में हिंदी के बढ़ते प्रयोग की जानकारी दी। वरिष्ठ मंडल इंजीनियर (समन्वय) वीके शुक्ल ने कहा कि इंजीनियरिंग के क्षेत्र में हिंदी के प्रयोग से संप्रेषणीयता बढ़ी है। वरिष्ठ यांत्रिक इंजीनियर दिनेश शुक्ल ने कहा कि हिंदी सभी भाषाओं को आत्मसात कर सकती है। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक रवि पी. चतुर्वेदी का मानना था कि हिंदी को विश्वभाषा बनाने के लिए हमें संकल्पित होना होगा। डा. पीके मिश्र, गोविंद, भूषण त्यागी ने विचार व्यक्त किए। स्वागत वीरेंद्र व संचालन संजय सिंह ने किया।

2008

बृहस्पतिवार, 17 जुलाई 2008 ⑤

स्वतंत्र भारत

संक्षिप्त समाचार

मुंशी प्रेमचंद की जयंती पर चित्रकला प्रतियोगिता

वाराणसी (ब्यूरो)।

महापंडित राहुल सांकृत्यायन शोध एवं अध्ययन केन्द्र के तत्वावधान में कहानी सम्राट मुंशी प्रेमचंद की १२७ जयंती के अवसर पर रविवार, २७ जुलाई को संस्था ने प्रेमचंद की कहानी गुल्लीडंडा को विषय बनाकर अंतर विद्यालयी चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन दुर्गा चरण गर्ल्स इण्टर कालेज सोनारपुरा में प्रातः १० बजे किया है। संस्था की सचिव डा. संगीता श्रीवास्तव ने एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि यह प्रतियोगिता तीन समूहों में सम्पन्न होगी। प्रथम कक्षा ४ से ६, द्वितीय कक्षा ७ से ९ तथा तृतीय कक्षा १० से १२ तक। इच्छुक प्रतिभागी प्रतियोगिता में सीधे भाग ले सकते हैं।

गांडीव

(वाराणसी) रविवार , २७ जुलाई, २००८

मुंशी प्रेमचंद जयंती पर चित्रकला स्पर्धा कल

काशी, २६ जुलाई। महापंडित राहुल सांकृत्यायन शोध एवं अध्ययन केंद्र के तत्वावधान में कहानी सम्राट मुंशी प्रेमचंद की १२७वी जयंती के अवसर पर २७ जुलाई को प्रेमचंद की कहानी 'गुल्ली डंडा' विषयक अंतर विद्यालयीय चित्रकला स्पर्धा का आयोजन दुर्गाचरण इंटर कालेज, सोनारपुरा में प्रातः १०बजे से आयोजित है।प्रथम वर्ग में कक्षा४ से ६तक, द्वितीय वर्ग में कक्षा ७से ९तक और तृतीय वर्ग में कक्षा१०से १२तक के विद्यार्थी भाग लेंगे।संस्था की सचिव व कवयित्री डा० संगीता श्रीवास्तव 'संगीत' ने बताया कि निर्णायक मंडल में बीएचयू की मृदुला सिनहा, वरिष्ठ चित्रकार जगत शर्मा व उर्मिला श्रीवास्तव शामिल हैं।

आज

१६ जुलाई, २००८ ३

कथा सम्राट मुंशी प्रेमचन्द्र की जयंती पर चित्रकला प्रतियोगिता ३१को

महापण्डित राहुल सास्कृत्यायन शोध एवं मध्ययन केन्द्रके तत्वावधान में ३१ जुलाई को कथा सम्राट मुंशी प्रेमचंद्रकी १२७वीं जयंती मनायी जायेगी। संस्था के सचिव संगीता श्रीवास्तव ने बताया कि इस अवसर पर मुंशी प्रेमचंद्रकी कहानी गुल्ल-डण्डा को विषय बनाकर अन्तर विद्यालयी चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन पूर्वान्हन दस बजे से सोनारपुरा में किया गया है। प्रतियोगिता में कक्षा चार से१२ तक के छात्र-छात्राएं प्रतिभाग कर सकते है।

2008

city

14 the pioneer

Varanasi

Wednesday | July 16 | 2008

Inter-school painting contest

Under the auspices of Mahapandit Rahul Sankrityayan Sodh Avam Adhyyan Kendra, an inter-school painting contest on would be held on the occasion of 127th Jayanti of novel icon Munshi Premchand.

The contest would be based on the story of Munshi Premchand 'Gullidanda'.

The venue would be Durga Charan Girl Inter College, Sonarpura, here and it will begin at 10 am. The contest would be in three categories from class IV to VI, from class VII to IX and from class X to XII, informed its secretary Dr Sageeta Srivastava.

14 the pioneer

Wednesday | July 30 | 2008

Inter-school painting contest held

Pioneer News Service | Varanasi

The students of 25 local schools showed their imaginary powers when they tried to draw the events inspired them a lot from the famous story of Munshi Premchand 'Gulli-Danda' through their brushes.

Dilkash Gajala, Dipak Singh and Shivangi Vishwakarma were the winners of this inter-school painting contest in different categories.

The contest was organised under the auspices of Mahapandit Rahul Sankritayayan Sodh Avan Addhyan Kendra at Durga Charan Girls Inter College, Sonarpura here.

Secretary of the Kendra, Dr Sangeeta Srivastava said that for the last four years the organisation has been organising such contests on this occasion and during last three years the students drew paintings which were based on stories of Idgah, Do Bello Ki Katha and Budi Kaki all written by Munshi Premchand.

She said that next year the contest will be held on a new story.

The chief guest was head of department of Fine Art, Banaras Ahindu University, Dr Mridula Sinha, while members of jury were Vinod Srivastava and Sunita Choubey.

The programme was conducted by Dr Sangeeta Srivastava, while vote of thanks was proposed by BL Prajapati.

Dilkash Gajala of Jeevandeep Public School won the contest of Group I (for students of class IV-VI), followed by his schoolmate Mohd. Sami and Vijaylaxmi of Navrachana Convent School.

The second category (class VII-IX) Dipak Singh of Jeevandeep was declared winner, while Harshit Jaiswal of St. Joseph School (Daranagar) and Nitu Sahani of Durga Charan finished second and third respectively. In Group-III (for Class X-XII students), Shivangi Vishwakarma of Durga Charan stood first followed by Monica Bharti of Sant Atulalanand School and Shruti Jaiswal of Central Hindu Girls School.

2008

दैनिक कालभैरव

4 वाराणसी बुधवार २३ जुलाई, २००८

मुंशी प्रेमचन्द की १८७वीं जयन्ती पर अर्न्तविद्यालयीय चित्रकला प्रतियोगिता २७ को

वाराणसी २२ जुलाई। महापण्डित राहुल शाकृत्यांयन शोध एवं अध्ययन केन्द्र के तत्वावधान में कहानी सम्राट मुंशी प्रेमचन्द की १२७वीं जयन्ती के अवसर पर आगामी २७ जुलाई को प्रेमचन्द की कहानी गुल्ली डण्डा को विषय बनाकर अन्तरविद्यालयीय चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन दुर्गाचरण गर्ल्स इण्टर कालेज सोनारपुरा में किया गया है। यह प्रतियोगिता तीन समूहों में सम्पन्न होगी जिसमें प्रथम समूह कक्षा ४ से ६, द्वितीय में ७ से ९ व तृतीय में कक्षा १० से १२ तक की छात्रायें भाग ले सकती हैं। उपरोक्त जानकारी संस्था के सचिव डॉ० संगीता श्रीवास्तव ने दी।

2008

आज

वाराणसी, २८ जुलाई, २००८ २

प्रतियोगिताओंके माध्यमसे बच्चोंकी आंतरिक प्रतिभा होती है उजागर

अंतर विद्यालयी चित्रकला प्रतियोगिता सम्पन्न

कहानी सम्राट मुंशी प्रेमचंद्रकी जयंती पर महापंडित राहुल सांकृत्यायन शोध एवं अध्ययन केंद्रके तत्वावधानमें रविवारको दुर्गाचरण गर्ल्स इण्टर कालेजमें आयोजित अंतर विद्यालयी चित्रकला प्रतियोगिता तीन वर्गमें सम्पन्न हुई। पहले ग्रुपमें दिलकश गजाला प्रथम, सकी द्वितीय एवं विजय लक्ष्मीने तृतीय स्थान प्राप्त किया। द्वितीय ग्रुपमें दीपक सिंह प्रथम, हर्षित जायसवाल द्वितीय ग्रुपमें दीपक सिंह प्रथम, हर्षित जायसवाल द्वितीय एवं नीतू साहनी तृतीय स्थान पर बाजी मारी। तृतीया ग्रुपमं शिवांगी विश्वकर्मा प्रथम,मोनिका भारती द्वितीय एवं श्रुति जायसवाल तृतीय स्थान पर विजय प्राप्तकी। इस अवसर पर केंद्र की सचिव डाक्टर संगीता श्रीवास्तवने कहा कि ऐसी प्रतियोगिताका आयोजन कराना बच्चोंकी आंतरिक प्रतिभाको उजागर करना संस्थाका एक मात्र उद्देश्य है। काशीमें प्रतिभावान लोगोंकी कमी नहीं है। मुंशी प्रेमचंद्र जैसा कोई कहानीकार नहीं हुआ। उनकी कहानियोंसे बहुत कुछ सीखनेको मिलता है। इस अवसर पर निर्णायक मण्डल सदस्य क ाशी हिन्दू विश्वविद्यालयके ललितकला विभाग के विभागध्यक्ष डाक्टर मृदुला सिंहा, विनोद श्रीवास्तव, सुनीता चौबे, सी. एल. प्रजापति आदि लोग उपस्थित रहे।

दुर्गाचरण गर्ल्स इण्टर कालेजमें आयोजित अन्तर विद्यालयीय प्रतियोगितामें शामिल प्रतिभागी।

दैनिक जागरण

6 वाराणसी, 28 जुलाई, 2008

मार्मिक चित्रों को देख भावविह्वल हुए लोग

वाराणसी : राहुल सांकृत्यायन शोध एवं अध्ययन केंद्र की ओर से दुर्गाचरण बालिका इंटर कालेज, सोनारपुरा में रविवार को अंतरविद्यालयीय चित्रकला प्रतियोगिता हुई। इसमें छात्र-छात्राओं ने मुंशी प्रेमचंद लिखित कहानी 'गुल्ली डंडा' के पात्र व परिस्थितियों पर आधारित चित्र बनाए। मार्मिक चित्रों को देख लोग भावविह्वल हुए। तीन वर्गों में हुई प्रतियोगिता में दिलकश गजाला, दीपक सिंह, शिवांगी प्रथम, मो. शमी, हर्षित जायसवाल, मोनिका भारती द्वितीय व विजय लक्ष्मी, नीतू साहनी, श्रुति जायसवाल ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। 25 विद्यालयों के विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। काशी हिंदू विश्वविद्यालय में ललितकला विभागाध्यक्ष डॉ. मृदुला सिन्हा, विनोद श्रीवास्तव व सुनीत चौबे निर्णायक मंडल में थे। संचालन संस्था की सचिव डॉ. संगीता श्रीवास्तव व धन्यवाद डॉ. बीएल प्रजापति ने किया।

2009

वाराणसी

हिन्दुस्तान वाराणसी, सोमवार, 27 जुलाई, 2009

बच्चों ने खूब भरे रंग

वनिता पब्लिक स्कूल में 'ठाकुर का कुआं' विषयक चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन

www.hindustandainik.com 3

आजके कार्यक्रम

आज

• महापंडित राहुल सांकृत्यायन शोध एवं अध्ययन केन्द्र के तत्वावधान में साहित्यकार मुंशी प्रेमचन्द्र की जयंती पर उनकी कहानी ठाकुर का कुआ विषय पर २६ जुलाई को पूर्वाह्न १० बजे लहुराबीर स्थित बनिता पब्लिक स्कूल में अन्तर विद्यालयीय चित्रकला प्रतियोगिता एवं प्रदर्शनी का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रसिद्ध साहित्यकार डाक्टर मुक्ता तथा विशिष्ट अतिथि राजकीय क्वींस कालेज के प्रधानाचार्य डाक्टर नरेन्द्र देव होंगे। यह सूचना केन्द्र की सचिव डाक्टर संगीता श्रीवास्तव ने दी है।

चित्रकला प्रतियोगिता : राहुल सांकृत्यायन शोध एवं अध्ययन केन्द्र की ओर से वनिता पब्लिक स्कूल में पूर्वाह्न 10 बजे।

नगर में आज

वाराणसी

हिन्दुस्तान वाराणसी, रविवार, 26 जुलाई, 2009,

दैनिक जागरण 7

एक नजर

वाराणसी, 27 जुलाई 2009

खुशबू व कृति प्रथम

वाराणसी : महापंडित राहुल सांकृत्यायन शोध एवं अध्ययन केंद्र की ओर से रविवार को वनिता पब्लिक स्कूल (लहुराबीर) में बच्चों के लिए चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई। कक्षा 6 से 9 व 10 से 12 के दो समूह में बच्चों ने मुंशी प्रेमचंद लिखित कहानी ठाकुर का कुंआ की थीम पर चित्र बनाए। खुशबू सिंह-कृति गुप्ता प्रथम, नेहा शाहा-अंकित गुप्ता द्वितीय, स्वाति साहनी-अभिनव विश्वकर्मा व मोनिका तीसरे स्थान पर रहीं। पांच सांत्वना पुरस्कार भी दिए गए। संयोजन सुनीता चौबे, संचालन संगीता श्रीवास्तव ने किया।

2009

3 the pioneer
Varanasi
Monday | July 27 | 2009

Painting competition held

Pioneer News Service ■ Varanasi

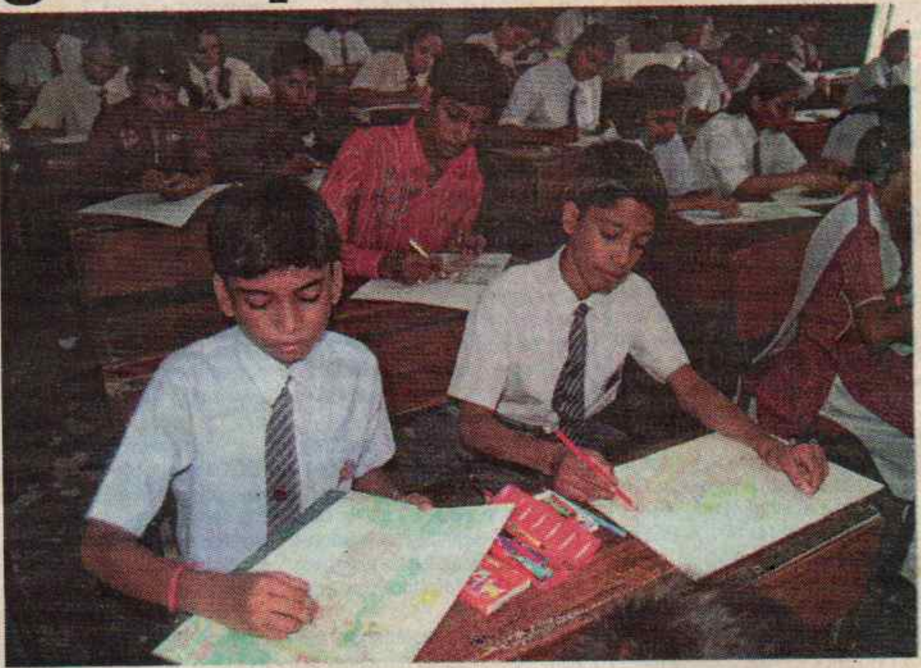

School children taking part in painting competition held at Vanita Polytechnic by a social organisation Mahapandit Rahul Sanskrityayan Sodh Avam Adhyyan Kendra on Sunday Pioneer

To mark the birth anniversary of Munshi Premchand, a social organisation Mahapandit Rahul Sanskrityayan Sodh Avam Adhyyan Kendra organised an inter-school painting competition and exhibition based on the famous story of Hindi novel icon 'Thakur ka kuwan' on Sunday at Vanita Public School in Lahurabir, here. The birth anniversary of Munshi Premchand falls on July 31.

In the first category from class 6 to 9, Khushabu Singh of Raj English School bagged first prize and Neha Saha of Durgacharan Girls School and Swati Sahani of Vanita Public School got second and third prize respectively, while Chandan Singh of Raj English School, Priyanka Kumari of Vanita Public School and Ritu Gupta of Raj English School had to satisfy with consolation prize.

Similarly in the second category from class 10 to 12, Preeti Gupta of Basant Kanya Inter College in Kamachha secured first prize and Ankit Gupta of Sunbeam School, Ramkatora bagged second prize. Abhinav Tushar Vishwakarma of St Atulanand Convent School and Monika of Sunbeam School, Ramkatora got third prize jointly while Prabhat Sahani and Anuradha Sahani of Durgacharan Girls School have to satisfy with consolation prize. The organisation also gave away a special prize to a class three student in Bal Madhyamik Vishwavidyalaya, Machhodari Jai Shree Gupta.

Earlier, while speaking on the occasion the chief guest and noted poetess Dr Mukta praised the programme and encouraged the schoolchildren to take part in such competition further.

The guest of honour and principal of Queen's Government Inter College Narendra Dev said that the stories of Premchand are soul of society and we should follow the message what these stories of great Hindi novelist convey.

The judges were Dr Prem Chandra Vishwakarma, Dr Brijbala and Urmila Srivastava. Sunita Chaubey coordinated the programme. In the beginning, Dr Sangeeta Srivastava welcomed the guests. BL Prajapati offered a vote of thanks at last.

2009

अमर उजाला | वाराणसी, सोमवार, 27 जुलाई, 2009

प्रतिभा

वनिता पब्लिक स्कूल में मुंशी प्रेमचंद की कहानी पर आयोजित अंतर विद्यालयीय चित्रकला प्रतियोगिता में भाग लेते विद्यार्थी।

खुशबू और कृति गुप्ता ने मारी बाजी

वाराणसी। महान साहित्यकार मुंशी प्रेमचंद की जयंती के उपलक्ष्य में उनकी कहानी 'ठाकुर का कुआं' पर आधारित अंतर विद्यालयीय चित्रकला प्रतियोगिता में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने रुचि ली। वनिता पब्लिक स्कूल में महापंडित राहुल सांकृत्यायन शोध एवं अध्ययन केंद्र के तत्वावधान में आयोजित प्रतियोगिता में जिले के 30 विद्यालयों के करीब डेढ़ सौ विद्यार्थियों ने भाग लिया। बाल विद्यालय माध्यमिक (मच्छोदरी) की तीसरी कक्षा की छात्रा जयश्रिका तिवारी को विशेष पुरस्कार मिला। कक्षा छह से नौ तक के पहले वर्ग में राज इंग्लिश स्कूल की खुशबू सिंह और कक्षा 10 से 12 तक के दूसरे वर्ग में वीकेएम की छात्रा कृति गुप्ता अव्वल रहीं।

■ ठाकुर का कुआं कहानी पर आधारित अंतर विद्यालयीय चित्रकला प्रतियोगिता

पहले वर्ग में नेहा साहा (दुर्गा चरण गर्ल्स इंटर कालेज) दूसरे और स्वाती साहनी (वनिता पब्लिक स्कूल) तीसरे स्थान पर रहीं जबकि चंदन सिंह (राज स्कूल), प्रियंका (वनिता स्कूल) और ऋतु गुप्ता (राज स्कूल) को सांत्वना पुरस्कार मिला। दूसरे वर्ग में अंकित गुप्ता (सनबीम रामकटोरा) दूसरे और अभिनव (संत अतुलानंद) और मोनिका (सनबीम रामकटोरा) संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर रहे जबकि दुर्गाचरण इंटर कालेज की प्रगति और अनुराधा संयुक्त रूप से सांत्वना पुरस्कार के लिए चयनित हुईं। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ ललित कला विभाग के अध्यक्ष डा. प्रेमचंद विश्वकर्मा, आर्य महिला डिग्री कालेज के डा. बृजबाला सिंह और सेंट जोसफ स्कूल की सह प्रधानःचार्या उर्मिला श्रीवास्तव शामिल थे। सभी विजेताओं को मुख्य अतिथि डा. मुक्ता, विशिष्ट अतिथि डा. नरेंद्र देव और मुरारीदास अग्रवाल ने पुरस्कृत किया। संचालन केंद्र की सचिव डा. संगीता श्रीवास्तव ने और संयोजन सुनीता चौबे ने किया। इस दौरान डा. सुरेंद्र प्रताप, डा. राम सुधार सिंह, केके श्रीवास्तव, डा. विजय उपाध्याय, दुर्गा श्रीवास्तव, डा. सदानंद साही, डा. रेणुका नागर, सुलक्षणा चतुर्वेदी, नवनीत चतुर्वेदी, विजय लक्ष्मी, रोहित सिंह, विनोद, प्रमोद पाठक, भानुप्रकाश चौबे, सैयद, सौरभ, शुभम गुप्ता और श्वेता आदि मौजूद थे।

2009

आज

२७ जुलाई, २००९ ३

'ठाकुर का कुआं' चित्रकला प्रतियोगिता में खुशबू और कृति ने मारी बाजी

महापंडित राहुल सांकृत्यायन शोध एवं अध्ययन केन्द्र के तत्वावधान में रविवार को लहुराबीर स्थित वनिता पब्लिक स्कूल में साहित्यकार मुंशी प्रेमचन्द की कहानी 'ठाकुर का कुआं' विषय पर अंतर विद्यालयी चित्रकला प्रतियोगिता के जूनियर वर्गमें खुशबू सिंह प्रथम, नेहा साह द्वितीय, तथा स्वाती साहनी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

चंदन सिंह, प्रियंका, रितु गुप्ता को सांत्वना पुरस्कार दिया गया। सीनियर वर्ग में कृति गुप्ता प्रथम, अंकित गुप्ता द्वितीय, अभिनव तथा मोनिका न संयुक्त रूप से तृतीय स्थान पर बाजी मारी। प्रगति साहनी तथा अनुराधा साहनी को सांत्वना पुरस्कार मिला। इसके अलावा जयश्रिका तिवारी को विशेष पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इसके पूर्व कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए प्रसिद्ध साहित्यकार एवं कवियत्री

मुंशी प्रेमचन्द की कहानियों से देश और समाज को मिलती है दिशा-डाक्टर मुक्ता

डाक्टर मुक्ता ने कहा कि मुंशी प्रेमचन्द की कहानियां अदभुत है। उनकी कहानियां देश और समाज को दिशा देती है। मुंशी प्रेमचन्द की रचनाओं से हमें सीख लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं हमेशा होती रहनी चाहिए। इसे दो फायदे होते है पहला बच्चों की प्रतिभाओं का पता चलता हैं। दूसरा ऐसे महान लोगों के बारे में समझने का अवसर मिलता है। राजकीय क्वींस कालेज के प्रधानाचार्य डाक्टर नरेन्द्र देव ने कहा कि मुंशी प्रेमचन्द की कहानियां हमारे समाज का आइना हैं। उनकी कई रचनाएं आज भी हमारे दिलों दिमाग में छायी हुई हैं। उनकी लिखने की शैली और सोच सबसे अलग थी। केन्द्र की सचिव डाक्टर संगीता श्रीवास्तव ने आये हुए अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि इस कार्यक्रम की उतररोत्तर उन्नति इस बात का प्रमाण है कि संस्था अपने उद्देश्य को प्राप्त करने में सफल हो रही है। इस आयोजन से जहां छात्र-छात्राओं में प्रेमचन्द की कहानियों के प्रति रूचि बढ़ी हैं, वहीं उनकी अभिव्यक्ति की क्षमता में भी दिन प्रति दिन निखार आया है। इस मौके पर निर्णायक मण्डल काशी विद्यापीठ के ललित कला विभागाध्यक्ष डाक्टर प्रेमचन्द विश्वकर्मा, आर्यमहिला डिग्री कालेज के हिन्दी विभाग की रीडर डाक्टर बृजबाला सिंह तथा सेंट जोजफ स्कूल की सह प्रधानाचार्या उर्मिला श्रीवास्तव द्वारा घोषित विजेताओं को मुख्य अतिथि डाक्टर मुक्ता ने पुरस्कृत भी किया। इस

वनिता पब्लिक स्कूलमें चित्रकला प्रतियोगितामें शामिल प्रतिभागी। छाया : आज

2009

अमर उजाला कॉम्पैक्ट, वाराणसी, शनिवार, 25 जुलाई 2009

प्रेमचंद के जीवन से परिचित होंगे छात्र

➢ महोत्सव में आयोजित होंगी प्रतियोगिताएं

वाराणसी। प्रेमचंद स्मारक भवन एवं विकासीय योजना समिति लमही की ओर से प्रेमचंद महोत्सव लमही-09 का आयोजन किया गया है। इसके अंतर्गत उनके व्यक्तित्व और कृतित्व से छात्र-छात्राओं को परिचित कराने के लिए जिलाधिकारी अजय कुमार उपाध्याय ने माध्यमिक विद्यालयों में प्रेमचंद बाल कहानी प्रतियोगिता कराने का निर्देश दिया है। प्रतियोगिता जिले के सभी विद्यालयों में 25 जुलाई को आयोजित की जाएगी। जूनियर वर्ग में कक्षा छह से आठ और सीनियर वर्ग में 9-12 के छात्र-छात्रा प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे। छात्रों द्वारा लिखी गई कहानी का मूल्यांकन 26 जुलाई को संबंधित विद्यालयों द्वारा किया जाएगा। 27 जुलाई को राजकीय क्वींस कालेज में तीन-तीन कहानियों को निर्णायक समिति के समक्ष रखा जाएगा। इसमें छात्रों का चयन किया जाएगा और 29 जुलाई को इसकी सूचना विद्यालयों को दे दी जाएगी।

छात्र-छात्रा कापी पर अपना नाम दूरभाष और कक्षा अवश्य लिखें। कार्यक्रम का सह संयोजन राजकीय क्वींस कालेज के प्रधानाचार्य नरेंद्र देव, राहुल सांकृत्यायन शोध एवं अध्ययन केंद्र की सचिव संगीता श्रीवास्तव को बनाया गया है।

2009

3 the pioneer
Varanasi
Monday | July 27 | 2009

Painting competition held

Pioneer News Service ■ Varanasi

To mark the birth anniversary of Munshi Premchand, a social organisation Mahapandit Rahul Sanskrityayan Sodh Avam Adhyyan Kendra organised an inter-school painting competition and exhibition based on the famous story of Hindi novel icon 'Thakur ka kuwan' on Sunday at Vanita Public School in Lahurabir, here. The birth anniversary of Munshi Premchand falls on July 31.

In the first category from class 6 to 9, Khushabu Singh of Raj English School bagged first prize and Neha Saha of Durgacharan Girls School and Swati Sahani of Vanita Public School got second and third prize respectively, while Chandan Singh of Raj English School, Priyanka Kumari of Vanita Public School and Ritu Gupta of Raj English School had to satisfy with consolation prize.

Similarly in the second category from class 10 to 12, Preeti Gupta of Basant Kanya Inter College in Kamachha secured first prize and Ankit Gupta of Sunbeam School, Ramkatora bagged second prize. Abhinav Tushar Vishwakarma of St Atulanand Convent School and Monika of Sunbeam School, Ramkatora got third prize jointly while Prabhat Sahani and Anuradha Sahani of Durgacharan Girls School have to satisfy with consolation prize. The organisation also gave away a special prize to a class three student in Bal Madhyamik Vishwavidyalaya, Machhodari Jai Shree Gupta.

Earlier, while speaking on the occasion the chief guest and noted poetess Dr Mukta praised the programme and encouraged the schoolchildren to take part in such competition further.

The guest of honour and principal of Queen's Government Inter College Narendra Dev said that the stories of Premchand are soul of society and we should follow the message what these stories of great Hindi novelist convey.

The judges were Dr Prem Chandra Vishwakarma, Dr Brijbala and Urmila Srivastava. Sunita Chaubey coordinated the programme. In the beginning, Dr Sangeeta Srivastava welcomed the guests. BL Prajapati offered a vote of thanks at last.

School children taking part in painting competition held at Vanita Polytechnic by a social organisation Mahapandit Rahul Sanskrityayan Sodh Avam Adhyyan Kendra on Sunday Pioneer

काशी चिल्ड्रेन टाइम्स

स्वतंत्रता दिवस

15 अगस्त से 14 सितंबर 2010

चित्रों में उकेरा गया
नमक का दरोगा

वाराणसी। पंडित राहुल सांस्कृत्यायन शोध एवं अध्ययन केन्द्र और आर्य महिला पीजी कालेज की ओर से 25 जुलाई को मुंशी प्रेमचंद की 130वीं जयंती के मौके पर अंतर विद्यालयी कला प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। विषय था मुंशी प्रेमचंद की कहानी 'नमक का दारोगा।' प्रथम वर्ग में सनबीम एकेडमी के दिव्यांशु प्रताप सिंह को पहला, नवरचना कॉन्वेंट स्कूल की दीपिका को दूसरा, सनबीम एकेडमी के दिव्यांदू घोष को तीसरा स्थान मिला। दूसरे ग्रुप में सनातन धर्म इंटर कालेज के रक्षितशंकर को पहला, संत अतुलानंद कान्वेंट के सरन को दूसरा और दुर्गा चरण गर्ल्स कालेज की नेहा साहा को तीसरा स्थान मिला। तीसरे ग्रुप में सनातन धर्म के प्रतीक को पहला, गुरुनानक बालिका इंटर कालेज की पूर्णिमा को दूसरा और दुर्गाचरण गर्ल्स इंटर कालेज की विद्या पटेल को तीसरा स्थान मिला।

उद्घाटन आर्य महिला पीजी कालेज की प्राचार्या डॉ. रचना दुबे और विशिष्ट अतिथि डॉ. शशिकांत दीक्षित ने किया। निर्णायक मंडल में डा. मुक्ता और डा. जितेन्द्रनाथ मिश्र शामिल थे। कार्यक्रम का संयोजन बीएल प्रजापति, डा. संगीता, सुनीता चौबे ने किया। धन्यवाद ज्ञापन डा. बृजबाला सिंह ने दिया।

2010

हिन्दुस्तान
रविवार
25 जुलाई 2010
वाराणसी
4

नगर में आज

■ **बैठक** : उ.प्र माध्यमिक शिक्षेतर संघ की कानीमुखरी बालिका विद्यालय में 11 बजे। केन्द्रीय सतर्कता समिति की जिला सायफल क्लब सभागार में अपराह्न 2.30 बजे।

■ **चित्रकला प्रतियोगिता** : आर्य महिला पीजी कालेज चेतगंज में पूर्वाह्न 10 बजे।

॥ प्रणाम ॥

रविवार, आषाढ़ शुक्ल पूर्णिमा, 2067

आज शहर में

वाराणसी, 25 जुलाई 2010 | 3
www.jagran.com

प्रतियोगिता : राहुल सांकृत्यायन शोध केंद्र की ओर से प्रेमचंद की कथा पर आधारित चित्र प्रतियोगिता आर्य महिला पीजी कालेज में पूर्वाह्न 10 बजे।

अमर उजाला कॉम्पैक्ट
वाराणसी, रविवार, 25 जुलाई 2010

नगर में आज

- 'नमक का दारोगा' विषय पर अंतर विद्यालय चित्रकला प्रतियोगिता एवं प्रदर्शनी, आर्य महिला पीजी कालेज चेतगंज में, सुबह 10 बजे से।

2010

i next
Varanasi, 26 July 2010
Pg 5

कागजों पर सजीव हुआ 'नमक का दारोगा'

INEXT

VARANASI (25 July, inext): मुंशी प्रेमचन्द की 130 वीं जयंती के अवसर पर आर्य महिला पीजी कॉलेज में संडे को कहानी 'नमक का दारोगा' पर इंटर स्कूल ड्राइंग कॉम्पिटीशन का आयोजन हुआ. राहुल सांस्कृत्यायन रिसर्च एंड स्टडी सेंटर व आर्य महिला के हिंदी डिपार्टमेंट की ओर से आयोजित कॉम्पिटीशन में चीफ गेस्ट डॉ. रचना दुबे और स्पेशल गेस्ट डॉ. शशिकांत दीक्षित रहे. पार्टिसिपेंट्स ने कहानी नमक के दारोगा के कैरेक्टर्स को कागजों पर सजीव रूप से उकेरने की भरपूर कोशिश की. कार्यक्रम में फर्स्ट, सेकेण्ड और थर्ड आने वाले स्टूडेंट्स को पुरस्कृत किया गया. संयोजक बीएल प्रजापति और सुनीता चौबे रहे. संचालन डॉ. संगीता श्रीवास्तव ने तथा थैंक्स डॉ. बृजबाला सिंह ने दिया.

कॉम्पटीशन में ड्राइंग बनाते बच्चे.

अमर उजाला
कॉम्पैक्ट
वाराणसी, सोमवार, 26 जुलाई 2010
यंगिस्तान 8

नन्हे हाथों ने उकेरा 'नमक का दारोगा'

वाराणसी। नन्हे हाथों ने कागज पर महान साहित्यकार मुंशी प्रेमचंद की कहानी 'नमक का दारोगा' को उकेरने का प्रयास किया। मौका था मुंशी प्रेमचंद की 130वीं जयंती पर आयोजित अंतर विद्यालयी चित्रकला प्रतियोगिता का। पहले ग्रुप में दिव्यांश प्रताप सिंह, दूसरे ग्रुप में रचित शंकर, तीसरे ग्रुप में प्रतीक शंकर ने प्रथम स्थान हासिल किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि प्रधानाचार्य डा. रचना दूबे, विशिष्ट अतिथि डा. शशिकांत दीक्षित, डा. मुक्ता और डा. जितेंद्र नाथ मिश्र ने किया।

2010

आज

वाराणसी, २६ जुलाई, २०१० ४

आर्य महिला पीजी कालेज में आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता में शामिल प्रतिभागी बच्चे।

चित्रकला प्रतियोगितामें दिव्यांशु, रचित और प्रतीकशंकर प्रथम

कथा सम्राट मुंशी प्रेमचन्दकी जयन्तीपर आर्यमहिला पी.जी. कालेजमें बच्चोंने लगायी प्रदर्शनी

कथा सम्राट मुंशी प्रेमचन्दकी जयन्तीके अवसरपर महापंडित राहुल सांकृत्यायन शोध एवं अध्ययन केन्द्र एवं आर्य महिला पी.जी. कालेज हिन्दी विभागके संयुक्त तत्वावधानमें रविवारको विद्यालय परिसरमें अन्तर्विद्यालयीय 'नमकका दरोगा' विषयक चित्र प्रतियोगिता एवं प्रदर्शनीका कार्यक्रम आयोजित किया गया।

प्रतियोगिता तीन वर्गोंमें आयोजित किये गये। इसमें प्रथम वर्गमें कक्षा चार और छः से दिव्यांशु प्रताप सिंह प्रथम, दीपिका-द्वितीय एवं दिपेनु घोष तृतीय स्थान प्राप्त किये। वहीं द्वितीय वर्गमें कक्षा सात एवं नौ से रचितशंकर प्रथम, शरन जायसवाल द्वितीय तथा नेहा साह तृतीय पर रहीं जबकि तृतीय वर्गमें प्रतीक शंकर प्रथम, पूर्णिमा द्वितीय तथा विद्या पटेलने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

इस अवसरपर कालेजकी प्राचार्य डाक्टर रचना दुबेने सभी विजयी प्रतिभागियोंको पुरस्कृत किया। इसके अलावा दो प्रतिभागीको सांत्वना पुरस्कार दिया गया।

इस अवसरपर डाक्टर दूबेने कहा कि कला मनुष्यके जीवनमें बहार लाता है। हर आदमीको कलामें रुचि रखनी चाहिये।

इसके पूर्व प्रारम्भमें डाक्टर रचना दूबे एवं डाक्टर शशिकान्त दीक्षितने कथा सम्राटके चित्रपर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित किया।

कार्यक्रमका संयोजन श्री बी.एल. प्रजापति एवं श्रीमती सुनीता चौबेने किया।

इस अवसरपर डाक्टर जितेन्द्रनाथ मिश्र और अनेक साहित्यकार उपस्थित रहे। कार्यक्रमका संचालन संस्थाकी सचिव डाक्टर संगीता श्रीवास्तव एवं धन्यवाद ज्ञापन डाक्टर बृजलाल सिंहने किया।

2010

अमर उजाला
वाराणसी | सोमवार | 26 जुलाई 2010

युवा वाराणसी

अंतरविद्यालयीय चित्रकला प्रतियोगिता में बच्चों ने दिखाया हुनर

जीवंत हुए 'कथा सम्राट' के पात्र

अमर उजाला ब्यूरो

वाराणसी। कथा सम्राट मुंशी प्रेमचंद की जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता में उनकी कहानी 'नमक का दरोगा' और उसके पात्र जीवंत हो उठे। विभिन्न स्कूलों के बच्चों ने अपनी तूलिका एवं कला से कहानी के हर अंश को अपने-अपने अंदाज में कागज पर उकेरा।

> मुंशी प्रेमचंद की कहानी 'नमक के दरोगा' के हर अंश को तूलिका से उकेरा

महापंडित राहुल सांकृत्यायन शोध एवं अध्ययन केंद्र और आर्य महिला पीजी कालेज के हिंदी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में कालेज में अन्तरविद्यालयीय चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रेमचंद की 130वीं जयंती के अवसर पर उनकी चर्चित कहानी 'नमक का दरोगा' को ही प्रतियोगिता का विषय बनाया गया। इसमें एक दर्जन विद्यालयों के कक्षा 6-12 तक के 127 बच्चों ने भाग लिया।

आरंभ में बतौर मुख्य अतिथि आर्य महिला पीजी कालेज की प्राचार्या डा. रचना दूबे, विशिष्ट अतिथि डा. शशिकांत दीक्षित और निर्णायक डा. मुक्ता एवं डा. जितेंद्र नाथ मिश्र ने दीप प्रज्ज्वलित कर मुंशी जी के चित्र पर माल्यार्पण किया। निर्णायक मंडल द्वारा बेहतरीन कलाकृतियों का चयन किया गया। समूह एक में दिव्यांशु प्रताप सिंह प्रथम, दीपिका राय द्वितीय एवं दिव्येन्दु घोष को तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। समूह दो में रक्षिता सरकार प्रथम, सरन जायसवाल द्वितीय और नेहा शाह ने तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया। समूह तीन में प्रतीक शंकर प्रथम, पूर्णिमा मेहरोत्रा द्वितीय और विद्या पटेल को तृतीय पुरस्कार मिला। कार्यक्रम का संयोजन कोएल प्रजापति और सुनीता चौबे ने किया। संचालन संस्था की सचिव डा. संगीता श्रीवास्तव एवं धन्यवाद ज्ञापन डा. बृजबाला सिंह ने किया।

अमर उजाला

प्रेमचंद की कहानी 'नमक का दरोगा' पर लगी चित्र प्रदर्शनी देखते लोग।

2010

2 the pioneer

city

Varanasi
Monday | July 26 | 2010

Painting competition held

Pioneer News Service ■ Varanasi

Under the joint auspices of Mahapandit Rahul Sanskrityayan Sodh Avam Adhyyan Kendra, Navapura and Hindi Department of Arya Mahila PG College, an inter-school painting competition based on Munshi Premchand's novel 'Namak ka daroga' was held on the occasion of 130th jayanti of icon of Hindi novel on Sunday at premises of college here.

The chief guest was the Principal Dr Rachana Dubey and guest of honour was Dr Shashikant Dixit. Judges were Dr Mukta and Dr Jitendra Nath Mishra.

The competition was in three groups from class IV to VI, from class VII to IX and from class X to XII. Divyanshu Pratap Singh won first prize in group I from class IV to VI and Deepika Rai stood second, while Dibyendu Ghosh got third prize. Shreya Srivastava and Aditya Pratap Singh have to satisfy with consolation prize.

In the second group from class VII to IX, Rachit Shankar won first prize and Sharan Jaiswal & Neha Saha got second and third prize respectively, while Ritu Biswas & Abhineet have to satisfy with consolation prize. Subsequently, Prateek Shankar won the first prize in third group from class X to XII and Purnima Mehrotra stood second, while Vidya Patel has to satisfy with third prize.

Secretary of Kendra, Dr Sangeeta Srivastava conducted the proceedings and Dr Brijbala Singh proposed vote of thanks.

Many were present including BL Prajapati and Sunita Chaubey.

2010

2010

सोमवार, 26 जुलाई, 2010 वाराणसी हिन्दुस्तान 3

चित्रों में उकेरा गया 'नमक का दरोगा'

चित्रकला प्रतियोगिता में अपनी कल्पनाओं को पन्ने पर उकेरते प्रतिभागी। • हिन्दुस्तान

वाराणसी। पंडित राहुल सांस्कृत्यायन शोध एवं अध्ययन केंद्र और आर्य महिला पीजी कालेज की ओर से रविवार को मुंशी प्रेमचंद की 130वीं जयंती के मौके पर अंतर विद्यालयी कला प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। विषय था मुंशी प्रेमचंद की कहानी नमक का दरोगा। प्रथम वर्ग में सनबीम एकेडमी के दिव्यांशु प्रताप सिंह को पहला, नवरचना कॉन्वेंट स्कूल की दीपिका को दूसरा, सनबीम एकेडमी के दिव्यांदू घोष को तीसरा स्थान मिला। दूसरे ग्रुप में सनातन धर्म इंटर कालेज के रक्षितशंकर को पहला, संत अतुलानंद कान्वेंट के सरन को दूसरा और दुर्गा चरण गर्ल्स कालेज की नेहा साहा को तीसरा स्थान मिला। तीसरे ग्रुप में सनातम धर्म के प्रतीक को पहला, गुरुनानक बालिका इंटर कालेज की पूर्णिमा को दूसरा और दुर्गाचरण गर्ल्स इंटर कालेज की विद्या पटेल को तीसरा स्थान मिला।

उद्घाटन आर्य महिला पीजी कालेज की प्राचार्य डॉ. रचना दुबे और विशिष्ट अतिथि डॉ.शशिकांत दीक्षित ने किया। निर्णायक मंडल में डा.मुक्ता और डा.जितेंद्रनाथ मिश्र शामिल थे। कार्यक्रम का संयोजन बीएल प्रजापति, डॉ. संगीता सुनीता चौबे ने किया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ.बृजबाला सिंह ने दिया।

2011

हिन्दुस्तान • वाराणसी • सोमवार • 08 अगस्त 2011 04

रेखाओं से जीवंत किए प्रेमचंद के पात्र

वाराणसी | वरिष्ठ संवाददाता

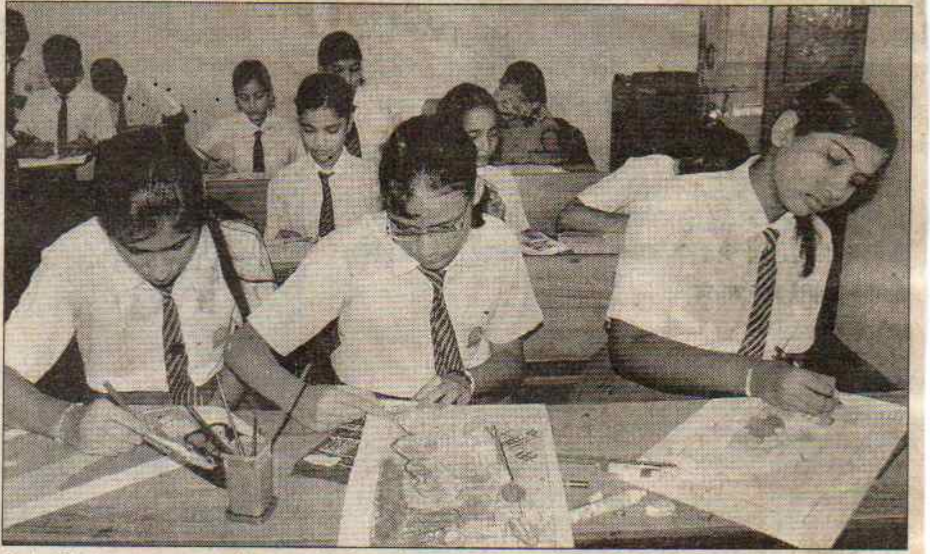

चेतगंज स्थित नागरमल मुरारका मॉडल स्कूल में रविवार को आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता में शामिल प्रतिभागी • हिन्दुस्तान

छात्र-छात्राओं ने प्रेमचन्द्र को समर्पित चित्रकला प्रतियोगिता में ड्राइंगशीट पर मुंशीजी के कलम के पात्रों को चित्रों में उकेरा। प्रेमचंद की चर्चित कहानी 'पंच परमेश्वर' और 'मंदिर' के प्रसंग ड्राइंगशीट पर उभरे।

महापंडित राहुल सांकृत्यायन शोध एवं अध्ययन केन्द्र की ओर से नागरमल मुरारका मॉडल स्कूल में अंतर विद्यालयीय एवं विश्वविद्यालयी प्रतियोगिता का आयोजन रविवार को किया गया। चार वर्ग में आयोजित प्रतियोगिता में करीब 200 प्रतिभागियों ने शिरकत किया।

संस्था की सचिव डॉ. संगीता श्रीवास्तव के संचालन और बीएल प्रजापति, कीर्ति प्रकाश, सुनीता चौबे व दिव्या शर्मा के संयोजन में प्रतियोगिता हुई। उद्घाटन प्रो. राधेश्याम दुबे ने प्रेमचंद के चित्र पर माल्यार्पण कर किया। निर्णायक मण्डल में डॉ. मुक्ता, प्रो. मृदुला सिन्हा और डॉ. सदानंद शाही थे। कक्षा 4 से 6 वर्ग में नैन्सी मिश्र प्रथम, विनिता सिंह द्वितीय और नम्रता सिंह तृतीय रहीं। कक्षा 7 से 9 वर्ग में साई जानकी प्रथम, मीना मिश्र द्वितीय व ज्योति शर्मा तृतीय रहीं। कक्षा 10 से 12 वर्ग में आयुष प्रथम, शालिनी सिंह द्वितीय व नेहा शाहा तृतीय स्थान पर रहीं।

बीए और फाइन आर्ट्स वर्ग में नीरज सिंह प्रथम, विवेक द्वितीय व महावीर महतो तृतीय स्थान प्राप्त किये। विजेताओं को मंजुला चतुर्वेदी, डॉ. सुरेन्द्र प्रताप सिंह, मुरारी जी, मुकुट बिहारी रस्तोगी, रत्नेश अग्रवाल ने पुरस्कृत किया।

2011

वाराणसी, 8 अगस्त 2011 दैनिक जागरण | 7

'पंच परमेश्वर' कहानी पर उकेरा भाव

वाराणसी : साहित्यकार प्रेमचंद की जयंती के अवसर पर नागरमल मुरारका मॉडल स्कूल, चेतगंज में अंतर विद्यालय व विश्वविद्यालयीय चित्रकला प्रतियोगिता व प्रदर्शनी का आयोजन हुआ। विषय था प्रेमचंद की चर्चित प्रसिद्ध कहानी 'पंच परमेश्वर एवं मंदिर'। प्रतियोगिता में कक्षा चार से छह वर्ग में नैन्सी मिश्रा व सात से नौ में साईं जान्हवी (संत अतुलानंद), 10 से 12 में आयुष (सीएचएस), बीए व फाइन आर्ट्स में नीरज सिंह (बीएचयू) अव्वल रहे। महापंडित राहुल सांकृत्यायन शोध व अध्ययन केंद्र, नवापुरा एवं नागरमल मुरारका मॉडल स्कूल हिंदी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में विभिन्न विद्यालयों के दो से अधिक बच्चों ने भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन संस्था सचिव डॉ. संगीता श्रीवास्तव ने किया।

2011

वाराणसी । सोमवार • 8 अगस्त • 2011

चित्रकला में दिखी मुंशी प्रेमचंद की कहानियों की झलक

वाराणसी (एसएनबी)। महापंडित राहुल सांकृत्यायन शोध व नागरमल मुरारका माडल स्कूल के हिन्दी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को चेतगंज स्थित आर्यमहिला हितकारिणी परिषद परिसर मे चित्रकला प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस मौके पर साहित्यकार मुंशी प्रेमचंद की 131वीं जयंती के अवसर पर पंच परमेश्वर एवं मंदिर को विषय बनाकर अंतरविद्यालयीय एवं विवि चित्रकला प्रतियोगिता एवं प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

प्रतियोगिता में विभिन्न स्कूलों 200 बच्चों ने भाग लिया। मुख्य अतिथि राधेश्याम दूबे एवं विशिष्ट अतिथि मुरारी व रत्नेश अग्रवाल, डा. सुरेन्द्र प्रताप व मंजुला चतुर्वेदी ने प्रेमचंद के चित्र पर माल्यार्पण करके दीप प्रज्ज्वलित कर प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। मुख्य अतिथि ने कहा कि प्रेमचंद की कहानियां ज्ञानवर्धक और आज के युग के लिए अत्यधिक प्रासंगिक हैं।

4 | दैनिक जागरण वाराणसी, 1 अगस्त 2012

महापंडित राहुल सांस्कृत्यायन शोध एवं अध्ययन केंद्र, नवापुरा की ओर से गणेश बाग में चित्रकला प्रतियोगिता की गई। कक्षा 12 तक के विद्यार्थियों ने सवा सेर गेहूं व स्नातक स्तर के विद्यार्थियों ने पूस की रात विषय पर चित्र बनाए। लगभग दो सौ विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। मुख्य अतिथि डॉ. सत्येंद्र बोउनी रहीं। निर्णायकों में डॉ. मंजुला चतुर्वेदी, डॉ. शरद बंसल आदि थे। संचालन कीर्ति प्रकाश पांडे, संयोजन बीएल प्रजापति, पी पांडे व धन्यवाद ज्ञापन डॉ. संगीता श्रीवास्तव ने किया। डॉ. अमिता आदि ने विचार-व्यक्त किया। कमलापति

हिन्दुस्तान 02
वाराणसी • बुधवार • 01 अगस्त 2012

संस्थाओं ने भी मुंशीजी को किया याद

वाराणसी | वरिष्ठ संवाददाता

विविध कार्यक्रम

- अन्तरविद्यालयीय चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन
- केन्द्रीय तिब्बती अध्ययन विश्वविद्यालय में हुई संगोष्ठी

नवापुरा स्थित राहुल सांकृत्यायन शोध व अध्ययन केन्द्र की ओर से कबीर रोड-गणेश बाग में चित्रकला प्रतियोगिता एवं प्रदर्शनी आयोजित हुई। कार्यक्रम का डॉ. सत्येन्द्र बाउनी, डॉ. अमिता दुबे, निर्णायक डॉ. मंजुला चतुर्वेदी, डा. शरद बंसल ने प्रदर्शनी का शुभारंभ किया। प्रतियोगिता में संस्कृति मौर्य, श्रेयस, नीशु, ऐश्वर्य, श्रेया, रौनिक, सत्यम, साक्षी, रजत, ज्योति, नेहा, प्रीति लारा, ऋषिका चौधरी आदि पुरस्कार किए गए।

वाराणसी

अमर उजाला

वाराणसी | बुधवार | 1 अगस्त 2012

कहानियों के अंशों को कैनवास पर चित्रित किया

गई। वहीं महापंडित राहुल सांकृत्यायन शोध एवं अध्ययन केंद्र, नवापुरा और आईएसएमएस कंप्यूटर डिवीजन द्वारा गणेश बाग में चित्रकला प्रतियोगिता और प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। छात्र-छात्राओं ने सवा सेर गेहूं और पूस की रात जैसी कहानियों के अंशों को कैनवास पर जीवंत किया। इसके पूर्व डा. सत्येंद्र बाउनी और विशिष्ट अतिथि उप्र राज्य हिंदी संस्थान की सह संपादक डा. अमिता दुबे, काशी विद्यापीठ के प्रो. मंजुला चतुर्वेदी एवं डा. शरद बंसल ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया।

2012

अमर उजाला कॉम्पैक्ट वाराणसी, बुधवार, 1 अगस्त 2012

उपन्यास सम्राट के पात्रों को पोस्टर पर उकेरा : महान कथाकार व उपन्यास सम्राट मुंशी प्रेमचन्द की कृतियों के पात्रों को नन्हें-मुन्ने हाथों से पोस्टरों व पेंटिंग में उकेरा। मौका था साहित्यकार मुंशी प्रेमचन्द की 132वीं जयंती पर आयोजित अंतर विद्यालयीय व विश्वविद्यालयीय चित्रकला प्रतियोगिता एवं प्रदर्शनी का। प्रतियोगिता में कक्षा तीन से 12 तक के छात्र-छात्राओं ने सवा सेर गेहूं तथा फाइन आर्ट्स के छात्रों ने पूस की रात के पात्रों को अपनी कूचियों से उकेरा।

2013

चित्रकला में दिखे मुंशी जी के पात्र

चित्रकला प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते बच्चे। जागरण

वाराणसी : आर्य महिला कालेज स्थित नागरमल मुरारका मॉडल स्कूल में रविवार को चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। प्रेमचंद्र की 133वी जयंती के अवसर पर प्रतियोगिताओं में विभिन्न वर्ग के विद्यार्थियों ने अपनी पेंटिंग मुंशी जी पात्रों को उकेरा था।

महापंडित राहुल सांस्कृत्यान शोध एवं अध्ययन केंद्र के तत्वावधान में प्रतियोगिताएं तीन वर्गों की हुई। प्रेमचंद्र की कहानी 'मेरी मातृ भूमि', 'सुजान भगत' व 'गोदान' विषयक प्रतियोगिता में कक्षा सात से लेकर स्नातक तक के करीब 150 विद्यार्थियों प्रतिभाग किया। मुख्य अतिथि ललित कला, राजघाट के सुरेश नायर, विशिष्ट अतिथि डा. बाउनी व मुरारी थे।

रूपाली, नेहा व आशीष अव्वल : द्वितीय वर्ग की प्रतियोगिता में संत अतुलानंद कांवेंट स्कूल की रूपाली सिंह सिंह अव्वल रही। इस प्रतियोगिता में स्वामी हरसेवानंद पब्लिक स्कूल के मानवेंद्र दुबे दूसरे स्थान पर रहे। जबकि तृतीय वर्ग (कक्षा दस से 12 तक) की प्रतियोगिता में प्रथम दुर्गा चरण बालिका इंटर कालेज की नेहा शाहा व द्वितीय स्थान सीएचएस के आदर्श रॉव को मिला। वहीं चतुर्थ वर्ग (बीएफए व बीए) की प्रतियोगिता में पहला स्थान बीएचयू के आशीष कुमार गुप्त व दूसरा स्थान वसंत महिला महाविद्यालय (राजघाट) की श्रद्धा द्विवेदी को प्राप्त हुआ।

निर्णायक मंडल में काशी विद्यापीठ के प्रो. श्रद्धानंद, डा. जितेंद्र नाथ मिश्र, संगीता अग्रवाल थी। स्वागत संस्था की सचिव डा. संगीता श्रीवास्तव, संचालन कीर्ति प्रकाश पांडे व धन्यवाद ज्ञापन बीएल प्रजापति ने किया।

2013

अमर उजाला
वाराणसी | सोमवार | 5 अगस्त 2013

कैनवास पर उकेरे प्रेमचंद के पात्र

अमर उजाला ब्यूरो

जयंती के उपलक्ष्य में हुई चित्रकला प्रतियोगिता

चित्रकला प्रतियोगिता में मुंशी जी के पात्रों को उकेरते विद्यार्थी।

वाराणसी। होरी, धनिया, सुजान भगत, गोबर और गाय। प्रेमचंद के इन पात्रों को विद्यार्थियों ने कैनवास पर उकेरा। महापंडित राहुल सांस्कृत्यायन शोध एवं अध्ययन केंद्र की ओर से नागरमल मुरारका माडल स्कूल चेतगंज में प्रेमचंद की जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता में इन कथा पात्रों का चित्रण किया गया।

प्रतियोगिता में स्नातक स्तर के विद्यार्थियों को गोदान पर आधारित चित्र बनाने थे, जबकि इंटरमीडिएट स्तर के विद्यार्थियों को चित्रण के लिए मेरी मातृभूमि एवं सुजान भगत कहानियां दी गई थीं। बेहतर चित्र बनाने वाली रूपाली सिंह, मानवेंद्र दूबे, आशीष गुप्ता, श्रद्धा तिवारी, राहुल मौर्य, रोनित राज, नेहा साहा, आदर्श राय, आशीष कुशवाहा, आशीष गुप्ता, मेघना राय कुशवाहा, प्रीति यादव को पुरस्कृत किया गया। चित्रकार सुरेश नायर, डा. बाउनी, मुरारी जी, रत्नेश अग्रवाल, डा. सुरेंद्र प्रताप, डा. संजय श्रीवास्तव ने प्रदर्शनी का उद्घाटन किया।

महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के हिंदी विभाग के अध्यक्ष प्रो. श्रद्धानंद ने कहा कि प्रेमचंद की कहानियां ज्ञानवर्धक और प्रासंगिक हैं। डा. जितेंद्र नाथ मिश्र ने विजेताओं के नामों की घोषणा की। संचालन डा. संगीता श्रीवास्तव ने किया।

2013

हिन्दुस्तान वाराणसी • सोमवार • 05 अगस्त 2013 06

चित्रों में दिखी युवा चितेरों की प्रतिभा

वाराणसी। महापंडित राहुल सांकृत्यायन शोध केन्द्र की ओर से प्रेमचंद की 133वीं जयंती पर चित्रकला प्रतियोगिता हुई। प्रेमचंद की कहानी पर आधारित अंतर विद्यालयीय प्रतियोगिता लहुराबीर स्थित नागरमल मुरारका मॉडल स्कूल में हुई। मुख्य अतिथि बीएचयू दृश्यकला संकाय के शिक्षक सुरेश के नायर और वसंत कॉलेज राजघाट की डॉ. बावनी थी।

कक्षा 7 से 9 तक वर्ग में प्रेमचंद की रचना पर आधारित चित्र बनाने थे। इसमें प्रथम स्थान संत अतुलानंद की रूपाली, दूसरा स्थान स्वामी हरसेवानंद के मान्वेन्द्र व तीसरा स्थान पर सीएचएस ब्वायज के आशीष गुप्ता को मिला। कक्षा 10 से 12 वर्ग में दुर्गाचरण इंटर कॉलेज की नेहा प्रथम, सीएचएस ब्वॉयज के आदर्श राय द्वितीय और बाल विद्यालय माध्यमिक के आशीष कुशवाहा को तीसरा स्थान मिला।

विश्वविद्यालय वर्ग में बीएचयू के आशीष प्रथम, वीकेएम कमच्छा की मेघना राज कुशवाहा द्वितीय व काशी विद्यापीठ की प्रीति यादव तीसरे स्थान पर रहीं। निर्णायक मंडल में डॉ. श्रद्धानंद, डॉ. जितेन्द्रनाथ मिश्र व डॉ. संगीता अग्रवाल थी। स्वागत डॉ. संगीता श्रीवास्तव व संचालन कीर्ति प्रकाश ने किया। संचालन वीएल प्रजापति ने किया। **वसं**

2014

अमर उजाला कॉम्पैक्ट वाराणसी, मंगलवार, 18 फरवरी 2014

प्रतियोगिता में अव्वल प्रतिभागी पुरस्कृत

वाराणसी। नवापुरा स्थित राहुल सांकृत्यायन शोध एवं अध्ययन केंद्र में सोमवार को हिंदी सुलेख प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। तीन वर्गों में आयोजित इस प्रतियोगिता में कुल 350 छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया था। हिंदी के उत्थान के लिए हुई सुलेख प्रतियोगिता के कनिष्ठ वर्ग में प्रथम रहे अंकित यादव के अलावा द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाली सृष्टि और तृतीय स्थान पर श्रुति सेठ को पुरस्कृत किया गया। 6वीं से 9वीं कक्षा के प्रतिभागियों में प्रथम स्थान पर रजनी श्रीवास्तव, द्वितीय-शिवांगी और तृतीय स्थान पाने वाले श्रेयश को पुरस्कृत किया गया। 10वीं-12वीं के छात्रों में विकास मिश्र प्रथम, अभिषेक-द्वितीय और प्रियांशु तृतीय स्थान पर थे। मुख्य अतिथि कथाकार डॉ. मुक्ता ने प्रतिभागियों को सराहा। इससे पहले अतिथियों का स्वागत अध्ययन केंद्र की सचिव संगीता श्रीवास्तव ने किया। इस मौके पर कीर्ति प्रकाश पांडेय, रचना, सुषमा ,सुनीतासमेत तमाम लोग उपस्थित थे।

राष्ट्रीय सहारा
4 www.samaylive.com
वाराणसी
वाराणसी। मंगलवार • 18 फरवरी • 2014

सुलेख प्रतियोगिता के विजेता पुरस्कृत

वाराणसी (एसएनबी)। राहुल सांकृत्यायन शोध एवं अध्ययन केन्द्र की ओर से गत दिनों आयोजित हिंदी सुलेख प्रतियोगिता के विजेताओं को सोमवार को पुरस्कृत किया गया। हरसेवानंद पब्लिक स्कूल की जगतगंज शाखा में आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि कथाकार डा. मुक्ता, विशिष्ट अतिथि डा. अमरनाथ चौबे पूर्व प्रधानाचार्य आदर्श इंटर कालेज एवं रतनचंद वर्मा ने छात्रों को पुरस्कृत किया। प्रतियोगिता में विभिन्न विद्यालयों के प्राइमरी एवं इंटर के 350 छात्रों ने भाग लिया था। छात्रों को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि ने कहा कि हिन्दी हमारी राष्ट्र भाषा है, हमे इसका सम्मान करना चाहिए। रतनचंद वर्मा ने संस्था के इस प्रयास की सराहना की। अतिथियों का स्वागत संस्था की सचिव डा. संगीता श्रीवास्तव व संचालन कीर्ति प्रकाश पांडे तथा धन्यवाद उपाध्यक्ष बीएल प्रजापति ने किया। इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्य रचना अग्रवाल, सुषमा श्रीवास्तव, सुनीता चौबे व अन्य उपस्थित थे।

2014

अमर उजाला
वाराणसी | मंगलवार | 18 फरवरी 2014

सुलेख प्रतियोगिता के विजेता पुरस्कृत

वाराणसी। नवापुरा स्थित राहुल सांकृत्यायन शोध-एवं अध्ययन केंद्र में सोमवार को हिंदी सुलेख प्रतियोगिता के विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। हिंदी के उत्थान के लिए तीन वर्गों में हुई इस प्रतियोगिता में कुल 350 छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया था। कनिष्ठ वर्ग में प्रथम अंकित यादव, द्वितीय सृष्टि और तृतीय स्थान पर रही श्रुति सेठ को पुरस्कृत किया गया। 6वीं से 9वीं कक्षा के प्रतिभागियों में प्रथम स्थान पर रजनी श्रीवास्तव, द्वितीय-शिवांगी और तृतीय स्थान पाने वाले श्रेयश को पुरस्कृत किया गया। 10वीं-12वीं के छात्रों में विकास मिश्र प्रथम, अभिषेक-द्वितीय और प्रियांशु तृतीय स्थान पर थे। मुख्य अतिथि कथाकार डॉ. मुक्ता थीं। इससे पहले अतिथियों का स्वागत अध्ययन केंद्र की सचिव संगीता श्रीवास्तव ने किया। इस मौके पर कीर्ति प्रकाश पांडेय, रचना अग्रवाल, सुषमा श्रीवास्तव,सुनीता चौबे समेत तमाम लोग उपस्थित थे।

4 | **दैनिक जागरण** वाराणसी, 18 फरवरी 2014

सुलेख प्रतियोगिता के विजेता पुरस्कृत। जागरण

अंकित, रजनी और विकास रहे अव्वल

वाराणसी : महापंडित राहुल सांकृत्यायन शोध व अध्ययन केंद्र नवापुरा के तत्वावधान में सोमवार को हिंदी सुलेख प्रतियोगिता के विजेताओं के सम्मान के लिए समारोह आयोजित किया गया। तीन वर्गों में आयोजित इस प्रतियोगिती में कक्षा तीन से पांच तक के ग्रुप में अंकित यादव, कक्षा छह से नौ में रजनी श्रीवास्तव व कक्षा दस से 12वीं ग्रुप में विकास मिश्र अव्वल रहे।

प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को मुख्य अतिथि कथाकार डा. मुक्ता, विशिष्ट अतिथि डा. अमरनाथ चौबे व रतनचंद्र वर्मा ने प्रमाण पत्र देकर पुरस्कृत किया। प्रतियोगिता हिंदी दिवस पर हुई थी और इसमें प्राइमरी से लगायत इंटर तक के विद्यालयों के छात्रों ने भाग लिया था। स्वागत संस्था की सचिव डा. संगीता श्रीवास्तव ने, संचालन कीर्ति प्रकाश पांडेय, धन्यवाद बीएल प्रजापति ने किया। प्रधानाचार्य रचना अग्रवाल ने स्वागत किया।

जनवार्ता

2 वाराणसी, रविवार, 21 दिसम्बर 2014

हिन्दी सुलेख प्रतियोगिता में अव्वल छात्र पुरस्कृत

वाराणसी। महापंडित राहुल सांकृत्यायन शोध अध्ययन केन्द्र, नवापुरा के तत्वावधान में हिंदी दिवस के अवसर पर संस्था ने विभिन्न प्राइमरी से इंटर तक के छात्रा-छात्राओं के हिंदी के उत्थान के लिए हिंदी सुलेख प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। शुक्रवार को पराडकर स्मृति भवन गोलघर में पुरस्कार वितरण समारोह में सर्व प्रथम दीप प्रज्जवल और महापंडित राहुल सांस्कृत्यायन के चित्र पर माल्यापण कर मुख्य अतिथि ओम प्रकाश चौबे ए.डी. पोटोकाल व पर्यटन, विशिष्ट अतिथि श्रीमती कनक तिवारी असि कमिश्नर सेल्स टेक्स, प्रो. मंजुला चतुर्वेदी विभागाध्यक्ष ललित कला विभाग काशी विद्यापीठ, डा. राम सुधार सिंह पूर्व हिंदी विभागाध्यक्ष यूपी कॉलेज ने कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। कार्यक्रम में हिंदी सुलेख प्रतियोगिता में पुरस्कृत छात्र छात्राओं को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। इस प्रतियोगिता में 9 विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। अतिथियों का स्वागत करते हुए संस्था की सचिव डा. संगीता श्रीवास्तव ने संस्था और राहुल जी का साहित्य में योगदान विषय में छात्र-छात्राओं को बताया। संचालन डा. रचना शर्मा तथा धन्यवाद कीर्ति प्रकाश पांडेय तथा कार्यक्रम का संयोजन एल प्रजापति ने किया।

वाराणसी | शनिवार | 20 दिसंबर 2014

प्रतियोगिता के विजेताओं का सम्मान

वाराणसी। महापंडित राहुल सांकृत्यायन शोध एवं अध्ययन केंद्र की ओर से पिछले दिनों हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित हिंदी सुलेख प्रतियोगिता में स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को शुक्रवार को पराड़कर भवन में प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इसमें बेसिक एवं माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया था। मुख्य अतिथि एडीएम प्रोटोकाल एवं पर्यटन ओम प्रकाश चौबे ने प्रमाण पत्र देकर पुरस्कृत किया। इस अवसर पर असिस्टेंट कमिश्नर सेल्स टैक्स कनक तिवारी, काशी विद्यापीठ की प्रो. मंजुला चतुर्वेदी, डॉ. राम सुधार सिंह आदि उपस्थित थे। स्वागत डॉ. संगीता श्रीवास्तव ने किया।

लखनऊ और नयी दिल्ली से प्रकाशित

पायनियर

RNI NO. UPHIN/2010/36547
वर्ष 4 अंक 277
लखनऊ, सोमवार, 28 जुलाई, 2014
पृष्ठ 16। मूल्य ₹ 3
वाराणसी नगर संस्करण

से शामिल रहे। महापंडित राहुल सांकृत्यायन शोध एवं अध्ययन केन्द्र की ओर से 28 जुलाई को अंतर विद्यालय चित्रकला प्रतियोगिता प्रदर्शनी का आयोजन नागरमल मुरारका माडल स्कूल चेतगंज में प्रात: 10 बजे से आयोजित किया गया है।

दैनिक जागरण
वर्ष 43 अंक 255
पृष्ठ 20
वाराणसी, सोमवार
28 जुलाई 2014
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 3.00

॥ प्रणाम ॥

सोमवार, श्रावण शुक्ल द्वितीया, 2071

प्रदर्शनी : राहुल सांकृत्यायन शोध संस्थान नवापुरा द्वारा प्रेमचंद जयंती पर मुरारका माडल स्कूल चेतगंज में चित्रकला प्रदर्शनी व प्रतियोगिता सुबह 10 बजे।

आज

वाराणसी, २९ जुलाई, २०१४ ३

छात्रों ने प्रेमचन्द की कहानियोंपर उकेरा चित्र

मुंशी प्रेमचन्द की १३४वीं जयंती पर महापंडित राहुल सांकृत्यायन शोध एवं अध्ययन केन्द्र की ओर से सोमवार को अन्त विंधाकालीय चित्रकला प्रतियोगिता एक प्रदर्शनी का चेतगंज स्थित नागरमल मुरारका माडल स्कूल में आयोजन किया गया। कार्यक्रम में लगभग दो सौ बच्चों ने भाग लिया। इस अवसर पर काशी विद्या पीठ के डाक्टर श्रद्धानन्द, डाक्टर अवधेश सिंह, डाक्टर सुधीर केशरवानी, संगीता अग्रवाल, डाक्टर सुरेन्द्र प्रताप ने प्रेमचन्द के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलन कर उद्घाटन किया। प्रतियोगिता प्रत्येक वर्ग में से प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं दो सांत्वना पुरस्कारों की घोषणा की गयी। मुख्य अतिथि ने छात्रों को पुरस्कार वितरित कर उनके बनाये चित्रों की सराहना की। संचालन कीर्ति प्रकाश पाण्डेय एवं धन्यवाद डाक्टर सुरेन्द्र प्रताप ने दिया।

8 | दैनिक जागरण वाराणसी, 29 जुलाई 2014

चित्रों में दिखा प्रेमचंद का कथा संसार

वाराणसी : कथा सम्राट मुंशी प्रेमचंद को सिर्फ साहित्यिक समाज ही नहीं बल्कि बालमन भी नमन करता है। इसका प्रमाण सोमवार को चेतगंज स्थित एक विद्यालय में मुंशी जी की कहानी व उपन्यास पर आधारित चित्र प्रदर्शनी आयोजित की गई।

इसमें दो सौ बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। चित्र प्रदर्शनी का विषय मुंशी जी की कहानी सद्गति, कफन व बेटी का धन था। प्रतिभागियों की नन्ही उंगलियों ने तूलिका का जादू बिखेरा। महापंडित राहुल सांकृत्यायन शोध एवं अध्ययन केंद्र की ओर से चित्र प्रदर्शनी में बच्चों की कला रचनाओं को दर्शकों ने खूब सराहा।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डा. मुक्ता व प्रो. श्रद्धानंद ने उम्दा 'कलाकारों' को सम्मानित भी किया। साथ ही मुंशी प्रेमचंद के कथा संसार की सैर अपने व्याख्यानों से कराई। कार्यक्रम में प्रो. अवधेश सिंह, डा. सुधीर केशरवानी, संगीता अग्रवाल, डा. अमरनाथ चौबे, डा. संगीता श्रीवास्तव आदि ने विचार व्यक्त किए। स्वागत कोमल प्रजापति, संचालन कीर्ति प्रकाश पांडेय व धन्यवाद ज्ञापन डा. सुरेंद्र प्रताप ने किया।

www.samaylive.com

राष्ट्रीय सहारा

सच कहने की हिम्मत

राष्ट्रीयता • कर्त्तव्य • समर्पण

आमंत्रण मूल्य ₹ 2.50

कानपुर • देहरादून से प्रकाशित

वाराणसी। मंगलवार • 29 जुलाई • 2014

कहानियां व उपन्यास पर चित्रकला प्रतियोगिता

वाराणसी। साहित्यविद् मुंशी प्रेमचंद की 134 वीं जयंती के उपलक्ष्य में अंतरविद्यालयीय व विश्वविद्यालयीय चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजिन सोमवार को किया गया। इसमें कहानी प्रेरणा, सद्गति व बेटी का धन एवं उपन्यास कफन के विषय को आधार बनाकर कर कला कृतियां बनायी गयी। महापंडित राहुल सांस्कृत्यायन शोध एवं अध्ययन केन्द्र की ओर से हुई इस प्रतियोगिता में कक्षा चार से 6 वर्ग में सोनी चौहान प्रथम, आदित्य कुमार द्वितीय, 7 से 9 वर्ग के वर्ग में मनीष कुमार प्रथम, रोनित राज द्वितीय, कक्षा 10 से 12 वर्ग में आदर्श कुमार राव (प्रथम), राहुल सिंह (द्वितीय), बीएफए व बीए वर्ग में राम विनय चौहान व अंकित सिंह को क्रमशः प्रथम व द्वितीय स्थान मिला।

चेतगंज स्थित नागरमल मुरारका मॉडल स्कूल में आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता में प्रतिभागी छात्राएं।

हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया
www.livehindustan.com
मंगलवार, 29 जुलाई 2014, वाराणसी, पांच प्रदेश, 18 संस्करण, नगर

प्रेमचंद उत्सव के दूसरे दिन सेतु सांस्कृतिक केंद्र की ओर से नाट्य प्रस्तुतियां

'बूढ़ी काकी' को जीवंत कर छाये कलाकार

दिखाई प्रतिभा

- सशक्त अभिनय से सजा सनबीम लहरतारा का मंच
- प्रचेता त्रिपाठी को मिला सर्वश्रेष्ठ कलाकार का पुरस्कार

वाराणसी | वरिष्ठ संवाददाता

सनबीम लहरतारा में सोमवार को चार दिवसीय प्रेमचंद उत्सव के दूसरे दिन अंतर्विद्यालयीय नाट्य प्रतियोगिता में विद्यालय की प्रस्तुति 'बूढ़ी काकी' को सर्वश्रेष्ठ नाटक का पुरस्कार मिला। मुख्य कलाकार प्रचेता त्रिपाठी को सर्वश्रेष्ठ कलाकार का पुरस्कार हासिल हुआ। आयोजन सांस्कृतिक संस्था सेतु सांस्कृतिक केन्द्र की ओर से किया गया था।

मुंशी प्रेमचंद की कहानियों पर आधारित इस प्रतियोगिता में सनबीम लहरतारा, द लिटिल मून स्कूल, सरस्वती शिशु मंदिर और नवरचना कॉन्वेंट स्कूल के छात्रों ने हिस्सा लिया। 'बूढ़ी काकी' में जहां एक बुजुर्ग महिला के एकाकीपन और भोजन के प्रति उसकी लालसा का चित्रण था, वहीं परिवारीजनों द्वारा उपेक्षा और संवेदनहीनता को भी बाल कलाकारों ने सशक्त अभिनय से उभार कर दर्शकों को झकझोरने में पूरी तरह सफल रहे। लिटिल मून स्कूल के नाटक 'पंच परमेश्वर' को द्वितीय और सरस्वती शिशु मंदिर (बसही) के नाटक 'बूढ़ी काकी' को तीसरा पुरस्कार मिला। लिटिल मून स्कूल के दीपक को अभिनय में द्वितीय और सनबीम लहरतारा की अंशिका तिवारी को अभिनय में तीसरा स्थान मिला। आरंभ में दूसरे दिन की नाट्य प्रतियोगिता का उद्घाटन सनबीम स्कूल के चेयरमैन दीपक मधोक, निदेशक भारती मधोक, प्रधानाचार्य सुधा सिंह, वरिष्ठ रंगकर्मी नीलकमल चटर्जी, वीणा सहाय और सलीम राजा ने संयुक्त रूप से किया। इस मौके पर दीपक मधोक ने कहा कि थियेटर के विकास और प्रोत्साहन के लिए सनबीम समूह सदैव तत्पर रहेगा। नाटक के निर्देशक मनोज विश्वकर्मा और राजेश्वर त्रिपाठी आदि ने भी विचार व्यक्त किये। संयोजक सलीम राजा ने कार्यक्रम के उद्देश्य के बारे में बताया। संचालन प्रतिमा सिन्हा ने किया।

चित्रों में उकेरे कथा सम्राट के पात्र

वाराणसी। महापंडित राहुल सांस्कृत्यायन शोध एवं अध्ययन केन्द्र की ओर से सोमवार को मुंशी प्रेमचंद की 134वीं जयंती के मौके पर उनकी प्रसिद्ध कहानी सद्गति, प्रेरणा व बेटी का धन और उपन्यास कफन पर चित्रकला प्रतियोगिता और प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। नागरमल मुरारका मॉडल स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न विद्यालयों और कॉलेजों के 200 विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रथम वर्ग में नवरचना कान्वेंट की सोनी चौहान, दूसरे वर्ग में सीएचएस के मनीष कुमार, तृतीय वर्ग में सीएचएस के आदर्श राय और चतुर्थ वर्ग में इंस्टीट्यूट ऑफ फाइन आर्ट्स के रामविनय चौहान को प्रथम पुरस्कार मिला। कार्यक्रम में मौजूद अतिथियों में डॉ. मुक्ता, प्रो. श्रद्धानन्द, डॉ. अवधेश सिंह, डॉ. सुधीर केशरवानी, डॉ. सुरेन्द्र प्रताप थे। स्वागत सचिव डॉ. संगीता श्रीवास्तव और उपाध्यक्ष बीएल प्रजापति ने किया। संचालन कीर्तिप्रकाश पांडेय ने किया।

2015

जनवार्ता वाराणसी-वार्ता
3 वाराणसी, रविवार, 20 दिसम्बर, 2015

पांच हिन्दी सेवियों का सम्मान, छात्र भी पुरस्कृत

वाराणसी। महापंडित राहुल सांकृत्यायन शोध एवं अध्ययन केन्द्र, संस्था नवापुरा के तत्वावधान में हिंदी दिवस 14 सितंबर 2015 के अवसर पर संस्था ने विभिन्न विद्यालयों में हिंदी भाषा के उत्थान के लिए हिंदी सुलेख प्रतियोगिता के पुरस्कार वितरण एवं हिंदी सेवा हेतु राष्ट्रभाषा हिंदी सेवा सम्मान 19 दिसम्बर को पराडकर स्मृति भवन गोलघर में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि अमरेंद्र कुमार सेंगर, आईजी, एवं विशिष्ट अतिथि डा. मुक्ता ने दीप प्रज्जवल और महापंडित राहुल सांकृत्यायन के चित्र पर माल्यार्पण द्वारा कार्यक्रम का आरंभ किया। संस्था सचिव ने अतिथियों का स्वागत माल्यार्पण तथा स्मृति चिंह प्रदान कर संस्था का परिचय दिया। विभिन्न विद्यालय के विद्यार्थियों ने महापंडित राहुल सांकृत्यायन का हिन्दी में योगदान विचार व्यक्त किये। मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि ने पांच हिन्दी सेवियों डा. महालक्ष्मी केसरी, संत अतुलानंद कान्वेंट स्कूल, श्रीमती वरूण पंडया, आर्य महिला नागरमल मुरारका, श्रीमती गीता पांडेय, बल्लभ विद्यापीठ, श्रीमती दीपा जोशी, स्वामी हरसेवानंद पब्लिक स्कूल, श्रीमती सुदेश सिंह, नवरचना कॉवेंट स्कूल को राष्ट्रभाषा हिंदी सेवा सम्मान से सम्मानित किया तथा हिंदी सुलेख प्रतियोगिता के तीनों वर्गों में प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं सांत्वना पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया।

09 हिन्दुस्तान • वाराणसी • रविवार • 20 दिसम्बर 2015

हिन्दी के विकास के लिए सार्थक मुहिम की जरूरत

वाराणसी। महापंडित राहुल सांस्कृत्यायन ने अपनी रचनाओं में 22वीं सदी के भारत की जो कल्पना की थी उसे साकार करने का प्रयास होना चाहिए। उन्होंने हिंदी के विकास के लिए जो प्रयास किये थे उसे सार्थक बनाने की मुहिम चलनी चाहिए। यह बातें कहानीकार डॉ. मुक्ता शुक्ला ने शनिवार को पराड़कर भवन में आयोजित राष्ट्रभाषा हिंदी सेवा सम्मान समारोह में बतौर मुख्य अतिथि कही। राहुल सांस्कृत्यायन शोध एवं अध्ययन केन्द्र की ओर से कार्यक्रम का आयोजन हुआ। अध्यक्षता डॉ. राम सुधार सिंह ने और संचालन संस्था की सचिव डॉ. संगीता श्रीवास्तव ने किया।

2015

वाराणसी, 20 दिसंबर 2015 दैनिक जागरण | 7

पुरस्कृत किए गए प्रतिभागी

वाराणसी : राष्ट्रभाषा हिंदी सेवा सम्मान पुरस्कार का आयोजन शनिवार को पराड़कर स्मृति भवन में आयोजित किया गया। महापंडित राहुल सांकृत्यायन शोध एवं अध्ययन केंद्र के तत्वावधान में पिछले दिनों हिंदी दिवस पर आयोजित सुलेख प्रतियोगिता में अव्वल आए प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया।

उद्घाटन मुख्य अतिथि आईजी जोन अमरेंद्र कुमार सेंगर व विशिष्ट अतिथि डा. मुक्ता ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। विभिन्न स्कूलों से तीन वर्गों में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पाने वाले छात्रों को पुरस्कार दिया गया। कार्यक्रम में प्रो. मंजुला चतुर्वेदी, डा. रामसुधार सिंह, डा. सुरेंद्र प्रताप सिंह के साथ अन्य लोग मौजूद रहे।

सहारा 25 रजत जयंती वर्ष 1991-2015

राष्ट्रीय सहारा 7

वाराणसी। रविवार ● 20 दिसम्बर ● 2015

पांच हिन्दी सेवियों को किया गया सम्मानित

वाराणसी (एसएनबी)। महापंडित राहुल सांकृत्यायन शोध एवं अध्ययन केन्द्र, संस्था नवापुरा के तत्वावधान में राष्ट्रभाषा हिन्दी सेवा सम्मानका आयोजन शनिवार को पराड़कर स्मृति भवन में किया गया। इस अवसर पर पांच हिन्दी सेवियों डा. महालक्ष्मी केसरी, श्रीमती वरुण पंडया, श्रीमती गीता पांडेय, श्रीमती दीपा जोशी व श्रीमती सुदेश सिंह को राष्ट्रभाषा हिन्दी सेवा सम्मान से सम्मानित किया गया। हिन्दी सुलेख प्रतियोगिता के तीनों वर्गों में प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया। कार्यक्रम का संचालन डा. रचना शर्मा तथा धन्यवाद डा. सुरेन्द्र प्रताप तथा कार्यक्रम का संयोजन बीएल प्रजापति ने किया।

2015

काशीवार्ता 8
21 दिसम्बर 2015

5 हिन्दी सेवी सम्मानित

वाराणसी। महापंडित राहुल सांकृत्यायन शोध एवं अध्ययन केन्द्र नवापुरा के तत्वावधान में हिन्दी दिवस राष्ट्रीय भाषा सम्मान समारोह रविवार को पराड़कर स्मृति भवन में मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि आईजी अमरेंद्र कुमार सेंगर एवं विशिष्ट अतिथि साहित्यकार डा. मुक्ता ने दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। समारोह में 5 हिन्दी सेवी डा. महालक्ष्मी केसरी,श्रीमती वरूण पंड्या, श्रीमती गीता पाण्डेय, श्रीमती दीपा जोशी, श्रीमती सुदेश सिंह को राष्ट्रभाषा हिन्दी सेवा सम्मान से सम्मानित किया गया। साथ ही सुलेख प्रतियोगिता के प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया।

3
भारत एकता टाइम्स
वाराणसी, 21 दिसम्बर, 2015

पांच विशिष्ट विभूतियों का सम्मान

वाराणसी (बीईटी संवाददाता)। राहुल सांकृत्यापन शोध एवं अध्ययन केन्द्र, संस्था, नवापुरा के तत्वावधान में हिंदी दिवस 14 सितम्बर के अवसर पर संस्था ने वाराणसी के विभिन्न विद्यालयों में हिंदी भाषा के उत्थान के लिए हिंदी सुलेख प्रतियोगिता के पुरस्कार वितरण एवं हिंदी सेवा हेतु 'राष्ट्रभाषा हिंदी सेवा सम्मान' शनिवार को पराड़कर स्मृति भवन गोलघर में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि अमरेंद्र कुमार सेंगर, आईजी जोन एवं विशिष्ट अतिथि डा. मुक्ता ने दीप प्रज्जवलन और महापंडित राहुल सांकृत्यापन के चित्र पर मार्ल्यापण द्वारा कार्यक्रम का आरंभ किया। संस्था संचिव ने अतिथियों का स्वागत माल्यार्पण तथा स्मृति चिन्ह प्रदान कर संस्था का परिचय दिया। विभिन्न विद्यालय के विद्यार्थियों ने 'महापंडित राहुल सांकृत्यायन का हिंदी में योगदान' विषय पर आशुभाषण प्रस्तुत किया। मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि ने पांच हिंदी सेवियों डा.

महालक्ष्मी केसरी, संत अतुलानंद कार्वेंट स्कूल, वरूण पंडया, आर्य महिला नागरमल मुरारका, गीता पांडेय, बल्लभ विद्यापीठ, दीप जोशी, स्वामी हरसेवानंद पब्लिक स्कूल, सुदेश सिंह, नवरचना कॉवेंट स्कूल को 'राष्ट्रभाषा हिंदी सेवा सम्मान' से सम्मानित किया तथा हिंदी सुलेख प्रतियोगिता के तीनों वर्गों में प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं सात्वना पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर प्रो. मंजुला चतुर्वेदी, डा. रामसुधार सिंह, डा. सुरेन्द्र प्रताप, डा. श्रद्धानंद, विद्वजतन तथा विद्यार्थी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन डा. रचना शर्मा तथा धन्यवाद डा. सुरेंद्र प्रताप तथा कार्यक्रम का संयोजन बीएल प्रजापति ने किया।

2015

5
जनसंदेश टाइम्स
सोमवार, 27 जुलाई 2015

प्रेमचंद जयंती पर चित्रकला प्रतियोगिता

वाराणसी। महापंडित राहुल सांकृत्यायन शोध व अध्ययन केन्द्र की ओर से कथा सम्राट मुंशी प्रेमचंद की जयंती पर आर्य महिला नागरमल मुरारका मॉडल स्कूल चेतगंज में अंतर्विद्यालीय व विश्वविद्यालीय चित्रकला प्रतियोगिता व प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इसमें विभिन्न विद्यालयों के लगभग 200 बच्चों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल में डा. अशोक सिंह, डा. सुरेन्द्र प्रताप, डा. अवधेश सिंह, सत्येन्द्र बाउनी, सुश्री संगीता अग्रवाल रहीं। डा. सुरेन्द्र प्रताप सिंह ने प्रेमचंद के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन के बाद चित्रकला प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। हर वर्ग से प्रथम, द्वितीय व तृतीय व दो सांत्वना पुरस्कार दिये गये। संस्था की सचिव डा. संगीता श्रीवास्तव उपाध्यक्ष बीएल प्रजापति ने अतिथियों का स्वागत किया। संचालन कीर्ति प्रकाश पांडेय व धन्यवाद ज्ञापन बीएल प्रजापति ने दिया।

जनवार्ता
3 वाराणसी, सोमवार, 27 जुलाई, 2015

मुंशी प्रेमचंद की कहानियों पर चित्रकला प्रदर्शनी को लोगों ने सराहा

वाराणसी। महापंडित राहुल सांकृत्यायन शोध एवं अध्ययन केंद्र, नवापुरा द्वारा को साहित्यकार मुंशी कहानी माता का हृदय, नैराश्य, व अलग्योझा एवं प्रसिद्ध उपन्या वरदान को विषय बनाकर अंतर विद्यालयीय एवं विश्वविद्यालीय चित्रकला प्रतियोगिता एवं प्रदर्शनी का आयोजन आर्य महिला नागरमल मुरार का मॉडल स्कूल चेतगंज में प्रातः दस बजे से किया गया। कार्यक्रम में विभिंन्न विद्यालयों तथा विश्व विद्यालय के बीएफए व एमएफए के लगभग 200 छात्र छात्राओं ने भाग लिया। प्रतियोगिता में निर्णायक डॉ अशोक सिंह, डॉ सुरेंद्र प्रताप, डा. अवधेश सिंह , एवं डॉ सत्येंद्र बाउनी, तथा सुश्री संगीता अग्रवाल रहीं। संस्था संरक्षक डा. सुरेंद्र प्रताप ने प्रेमचंद जी के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्जवलन के पश्चात चित्रकाला प्रदर्शनी का उद्घाटन व अवलोकन किया। प्रो. मंजुला चतुर्वेदी और डॉ श्रद्धानंद अमरनाथ चौबे, डा रचना शर्मा, डा मंज-री पांडे ने भी प्रदर्शनी का अवलोकन किया और विद्यार्थियों द्वारा बनाए चित्रों की सराहना की। डा. अशोक सिंह ने छात्र छात्राओं को पुरस्कार वितरित करते हुए उनके बनाए चित्रों की सराहना करते हुए कहा कि प्रेमचंद की कहानियां ज्ञानवर्धक और आज के युग के लिए अत्यधिक प्रासंगिक है। संचालन संयोजक कीर्ति प्रकाश पांडे ने तथा धन्यवाद बीएल प्रजापति ने दिया।

2015

वाराणसी, २७ जुलाई, २०१५ २

आज

ज्ञानवर्धक और प्रासंगिक है मुंशी प्रेमचंद की कहानियां

जयंती के अवसर पर आयोजित चित्रकला प्रदर्शनी में प्रथम वर्ग में श्रेजल, द्वितीय में आस्था, तृतीय में राहुल एवं चतुर्थ वर्ग में साक्षी रही प्रथम

महापंडित राहुल सांकृत्यायन शोध एवं अध्ययन केन्द्र के तत्वावधान में साहित्यकार एवं कथा सम्राट मुंशी प्रेमचंद की १३५वीं जयंती के अवसर पर रविवार को आर्य महिला नागरमल मुरारका मॉडल स्कूल में उनके उपन्यास को विषय बनाकर अंतर विद्यालयीय, विद्यालयीय एवं विश्वविद्यालयीय चित्रकला प्रतियोगिता एवं प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में स्थानीय विद्यालयों तथा विश्वविद्यालय के बी.एफ.ए. एवं एम.एफ.ए. के लगभग दो सौ बच्चों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता में प्रथम वर्ग के कक्षा चार से छः तक के छात्रों में संत अतुलानंद कान्वेंट स्कूल के श्रेजल सिंह तथा द्वितीय वर्ग में संत अतुलानन्द के कक्षा सात से नौ तक के छात्रों में आस्था तिवारी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया जबकि तृतीय वर्ग के सी.एच.एस. ब्वायज के कक्षा-१० से १२ तक के छात्रों में राहुल कुमार सिंह तथा चतुर्थ वर्ग में बी.एफ.ए. तथा बी.ए. के विद्यार्थियों में वसंता कालेज साक्षी सिंह प्रथम स्थान पर रहीं। इस प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में डाक्टर अशोक सिंह, डाक्टर सुरेन्द्र प्रताप सिंह, डाक्टर अवधेश सिंह एवं डाक्टर सत्येन्द्र बावनी और सुश्री संगीता अग्रवाल रहीं। संस्था के संरक्षक डाक्टर सुरेन्द्र प्रताप ने मुंशी प्रेमचंद के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर चित्रकला प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। इस अवसर पर प्रोफेसर मंजुला चतुर्वेदी, डाक्टर श्रद्धानंद, अमरनाथ चौबे, डाक्टर रचना शर्मा एवं डाक्टर मंजरी पाण्डेय ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया। छात्रों को पुरस्कृत करते हुए डाक्टर अशोक सिंह उनके द्वारा बनाये गये चित्रों की सराहना करते हुए कहा कि मुंशी प्रेमचंद की कहानियां ज्ञानवर्धक और प्रासंगिक है। उन्होंने कहा कि बच्चों को मुंशी प्रेमचंद की कहानियों को अवश्य पढ़नी चाहिए। कार्यक्रम का संचालन श्री कीर्ति प्रकाश पाण्डेय एवं धन्यवाद ज्ञापन श्री बी.एल. प्रजापति ने किया।

आर्य महिला नागरमल मुरारका मॉडल स्कूल में आयोजित चित्रकला प्रतियोगितामें शामिल बच्चे।

2015

वाराणसी
राष्ट्रीय
सहारा 4
www.samaylive.com
वाराणसी | सोमवार • 27 जुलाई • 2015

प्रेमचंद की जयंती पर लगी चित्रकला प्रदर्शनी

वाराणसी (एसएनबी)। मुंशी प्रेमचंद की 135वीं जयंती के अवसर पर उनकी अति प्रसिद्ध कहानी माता का ह्रदय, नैराश्य व अलग्योझा एवं प्रसिद्ध उपन्यास वरदान को विषय बनाकर अंतर विद्यालयीय एवं विश्वविद्यालयीय चित्रकला प्रतियोगिता एवं प्रदर्शनी का आयोजन आर्यमहिला नागरमल मुरारका माडल स्कूल चेतगंज में किया गया। महापंडित राहुल सांकृत्यायन शोध एवं अध्ययन केन्द्र द्वारा आयोजित कार्यक्रम शहर के विभिन्न विद्यालयों तथा विश्व विद्यालय के बीएफए व एमएफए के लगभग 200 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

प्रतियोगिता में निर्णायक डॉ. अशोक सिंह, डॉ. सुरेन्द्र प्रताप, डॉ. अवधेश सिंह एवं डॉ. सत्येन्द्र बाउनी तथा संगीता अग्रवाल रहीं। संस्था संरक्षक डॉ. सुरेन्द्र प्रताप ने प्रेमंचद जी के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलन के पश्चात चित्रकला प्रदर्शनी का उद्घाटन व अवलोकन किया। प्रो. मंजुला चतुर्वेदी और डॉ. श्रद्धानंद, अमरनाथ चौबे, डॉ. रचना शर्मा, डॉ. मंजरी पांडेय ने भी प्रदर्शनी का अवलोकन किया और विद्यार्थियों द्वारा बनाये चित्रों की सराहना की। चार वर्गों में आयोजित प्रतियोगिता के प्रत्येक वर्ग में से प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं दो सांत्वना पुरस्कार दिये गये। डॉ अशोक सिंह ने छात्र छात्राओं को पुरस्कार वितरित करते हुए उनके बनाये चित्रों की सराहना करते हुए कहा कि प्रेमचंद कलम के सिपाही थे उनकी कहानियां अपना अविराम प्रभाव पाठकों पर छोड़ जाती हैं। कार्यक्रम में संस्था सचिव डॉ. संगीता श्रीवास्तव एवं उपाध्यक्ष बीएल प्रजापति ने अतिथियोंका माल्यार्पण कर स्वागत किया। इस अवसर पर समाज के अनेक प्रतिष्ठित एवं विद्वतजन उपस्थित हुए। कार्यक्रम का संचालन संयोजक कीर्ति प्रकाश पांडेय ने तथा धन्यवाद बीएल प्रजापति ने किया।

चित्रकला प्रतियोगिता के प्रतिभागी छात्र-छात्राएं। फोटो : एसएनबी

2015

काशीवार्ता
28 जुलाई 2015
8

कलम के सिपाही थे मुंशी प्रेमचन्द

वाराणसी। महापंडित राहुल सांकृत्यायनशोध एवं अध्ययन केन्द्र द्वारा रविवार को साहित्यकार मुंशी पेमचन्द की 135वीं जयंती के अवसर पर अंतर विद्यालयीय एवं विश्व विद्यालयीय चित्रकला प्रतियोगिता एवं प्रदर्शनी का आयोजन आर्य महिला नागरमल मुरार का मॉडल स्कूल में किया गया। प्रतियोगिता में विभिन्न विद्यालयों व विश्वविद्यालय के 200 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। निर्णायक डा. अशोक सिंह, डा.सुरेन्द्र प्रताप, डा.अवधेश सिंह, डा.सत्येन्द्र बाडनी तथा संगीता अग्रवाल रही। संस्था के संरक्षक डा. सुरेन्द्र प्रताप ने प्रेमचन्द के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलन कर कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर निर्णायक डा. अशोक सिंह ने कहा कि प्रेमचन्द की कहानियां ज्ञानवर्धक और आज के युग के लिए अत्यधिक प्रासंगिक है। डा. अमरनाथ चौबे ने कहा कि प्रेमचन्द कलम के सिपाही थे। उनकी कहानियां अपना अविराम प्रभाव पाठकों पर छोड़ जाती है। प्रारम्भ में संस्था की सचिव संगीता श्रीवास्तव एवं उपाध्यक्ष बी. एल. प्रजापति ने अतिथियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया। संचालन कीर्ति प्रकाश पाण्डेय व धन्यवाद प्रकाश बी.एल.प्रजापति ने किया।प्रो.मंजूलता चतुर्वेदी, डा. श्रद्धानंद, अमर नाथ चौबे, डा.रचना शर्मा व डा. मंजरी पाण्डेय ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

2016

हिन्दुस्तान 04
• वाराणसी • मंगलवार • 02 अगस्त 2016

कहानी के पात्रों को उकेरा

सरस्वती विद्या मंदिर, हुकुलगंज में छात्राओं ने प्रेमचंद की कहानियों पर आधारित चित्र बनाए।

वाराणसी। सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज (हुकुलगंज) में सोमवार को जुटे बच्चों ने प्रेमचंद की कहानियों पर आधारित चित्र बनाकर उनके पात्रों को सजीव कर दिया। प्रतियोगिता का आयोजन पंडित राहुल सांकृत्यायन शोध एवं अध्ययन केंद्र ने किया गया था।

प्रेमचंद की प्रसिद्ध कहानी अंधेर, अपनी करनी, घमंड का पुतला और प्रसिद्ध उपन्यास निर्मला को विषय बनाकर चित्र बनाए। प्रतियोगिता में बच्चों के अलावा विश्वविद्यालय और कॉलेजों के छात्रों ने भी भाग लिया। प्रतियोगिता में निर्णायक के तौर पर लेखिका डॉ. मुक्ता, प्रो. सुरेंद्र प्रताप, डॉ. बृजबाला सिंह, डॉ. सत्येंद्र बाउनी और प्रो. श्रद्धानंद शामिल थे। इस अवसर पर सांस्कृतिक केंद्र के प्रमुख रत्नेश वर्मा, डॉ. सुभाष यादव, डॉ. मंजरी पांडेय, अत्रि भारद्वाज, डॉ. धनंजय सहाय, विद्यालय के प्रबंधक छोटेलाल पटेल, डॉ. अवधेश सिंह, डॉ. अशोक सिंह, डॉ. महालक्ष्मी केशरी, डॉ. मधु सिसौदिया आदि मौजूद थीं। कार्यक्रम का संयोजन संस्था के उपाध्यक्ष बीएल प्रजापति ने और धन्यवाद ज्ञापन सचिव संगीता श्रीवास्तव ने किया।

काशीवार्ता
वाराणसी, 3 अगस्त 2016

कहानी के पात्रों को उकेरा

वाराणसी। सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज (हुकुलगंज) में सोमवार को जुटे बच्चों ने प्रेमचंद की कहानियों पर आधारित चित्र बनाकर उनके पात्रों को सजीव कर दिया। प्रतियोगिता का आयोजन पंडित राहुल सांकृत्यायन शोध एवं अध्ययन केंद्र ने किया गया था। प्रेमचंद की प्रसिद्ध कहानी अंधेर, अपनी करनी, घमंड का पुतला और प्रसिद्ध उपन्यास निर्मला को विषय बनाकर चित्र बनाए। प्रतियोगिता में बच्चों के अलावा विश्वविद्यालय और कॉलेजों के छात्रों ने भी भाग लिया। प्रतियोगिता में निर्णायक के तौर पर लेखिका डॉ. मुक्ता, प्रो. सुरेंद्र प्रताप, डॉ. बृजबाला सिंह, डॉ. सत्येंद्र बाउनी और प्रो. श्रद्धानंद शामिल थे। इस अवसर पर सांस्कृतिक केंद्र के प्रमुख रत्नेश वर्मा, डॉ. सुभाष यादव, डॉ. मंजरी पांडेय, अत्रि भारद्वाज, डॉ. धनंजय सहाय, विद्यालय के प्रबंधक छोटेलाल पटेल, डॉ. अवधेश सिंह, डॉ. अशोक सिंह, डॉ. महालक्ष्मी केशरी, डॉ. मधु सिसौदिया आदि मौजूद थीं। कार्यक्रम का संयोजन संस्था के उपाध्यक्ष बीएल प्रजापति ने और धन्यवाद ज्ञापन सचिव संगीता श्रीवास्तव ने किया।

2016

जनवार्ता वाराणसी-वार्ता
3 वाराणसी, मंगलवार, 2 अगस्त, 2016

मुंशी प्रेमचन्द की कहानियों पर चित्रकला प्रदर्शनी में छात्र-छात्राओं ने दिखायी प्रतिभा

सांस्कृतिक संकुल में प्रेमचन्द जयन्ती पर प्रस्तुति देतीं छात्राएं।

वाराणसी। महापंडित राहुल सांकृत्यायन शोध एवं अध्ययन केन्द्र नदपुरा एवं क्षेत्रीय सांस्कृतिक केन्द्र संस्कृति विभाग के संयुक्त तत्वाधान में 1 अगस्त को साहित्यकार मुंशी प्रेमचन्द की 136वीं जयंती के अवसर पर उनकी अति प्रसिद्ध कहानी अंधेर, अपनी करनी, घमंडी का पुतला एवं प्रसिद्ध उपन्यास निर्मला को विषय बनाकर अंतर विद्यालयीय एवं विश्वविद्यालयीय चित्रकला प्रतियोगिता एवं प्रदर्शनी का आयोजन सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कालेज हुकुलगंज' में प्रातः 10 बजे से किया गया। कार्यक्रम में बनारस के विभिन्न विद्यालयों तथा विश्व विद्यालय के बीएफए व एमएफए के लगभग 200 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। प्रतियोगिता में निर्णायक डा. मुक्ता, डा. सुरेन्द्र प्रताप, डा. बृजबाला सिंह, डॉ. सत्येन्द्र बाउनी तथा डॉ. श्रद्धानंद रहे। ईस अवसर पर केन्द्र प्रमुख रत्नेश वर्मा, डा. सुभाष यादव, डॉ. मंजरी पाण्डेय, अत्रि भरद्वाज, विद्यालय के प्रबंधक छोटे लाल पटेल, डा. अवधेश सिंह, डा. अशोक सिंह, डा. महालक्ष्मी केसरी, डॉ. मधु सिसोदिया आदि विद्वतजनों ने छात्रों के कलात्मक व सजीव चित्रों का अवलोकन किया और भूरि भूरि प्रशंसा की। कार्यक्रम का संयोजन संस्था के उपाध्यक्ष बीएल प्रजापति धन्यवाद ज्ञापन संस्था सचिव डॉ. संगीता श्रीवास्तव ने किया।

अमर उजाला

वाराणसी | बुधवार | 8 अगस्त 2018 3

वाराणसी CITY

कैनवास पर उकेरी कथा सम्राट की कहानियां

अंतर विद्यालयीय और विश्वविद्यालयीय प्रतियोगिता में 160 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया

वाराणसी। कथा सम्राट मुंशी प्रेमचंद की 138वीं जयंती के उपलक्ष्य में मंगलवार को राहुल सांकृत्यायन शोध एवं अध्ययन केंद्र की ओर से चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। वनिता पब्लिक स्कूल लहराबीर में आयोजित अंतर विद्यालयीय और विश्वविद्यालयीय प्रतियोगिता में 160 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। मुंशी प्रेमचंद की कहानी मैकू, आत्माराम, बड़े घर की बहू और निर्मला को प्रतिभागियों ने रंगों के जरिये कैनवास पर उतारा। चार समूहों में हुई प्रतियोगिता में अलग-अलग समूहों को चार कहानियां दी गई हैं। बतौर मुख्य अतिथि साहित्यकार डॉ. मुक्ता रहीं। उन्होंने कहा कि प्रेमचंद आधुनिक हिंदी कहानी के पितामह और जनक हैं। जाति प्रथा, भेदभाव, सांप्रदायिकता, गरीबी और भ्रष्टाचार जैसे सामाजिक ताने-बाने को कहानी का हिस्सा बनाया। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में डॉ. अवधेश कुमार, डॉ. बृजबाला सिंह, डॉ. अनिल विश्वकर्मा और डॉ. अनिल सिंह रहे। संस्था सचिव डॉ. संगीता श्रीवास्तव ने सभी का स्वागत किया। संचालन बीएल प्रजापति ने किया।

वाराणसी

वाराणसी | बुधवार • 2 अगस्त • 2017

राष्ट्रीय सहारा

विजेताओं को मिला पुरस्कार

वाराणसी। मुंशी प्रेमचंद की कहानियों को अपने चित्रों में साकार करने वाले प्रतिभागियों को मंगलवार को पुरस्कृत किया गया। बता दें कि 30 जुलाई को लहुराबीर स्थित एक विद्यालय में लमही महोत्सव के अंतर्गत महापंडित राहुल सांकृत्यायन शोध एवं अध्ययन केंद्र व क्षेत्रीय सांस्कृतिक केन्द्र,संस्कृति विभाग, उ प्र ,के संयुक्त तत्वावधान में मुंशी प्रेमचंद की 137वी जयंती के अवसर पर मुंशी प्रेमचंद की कहानियों पर अधारित चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। इसमें प्रतिभागियों ने नादान दोस्त, अनाथ लड़की, मंदिर-मस्जिद व उपन्यास सेवा सदन को अपने चित्रों में प्रस्तुत किया। प्रतियोगिता के विजेताओं को मंगलवार को लमही में प्रमाण पत्र व प्रेमचंद के कहानी संग्रह मानसरोवर दे कर पुरस्कृत किया गया। इसी अवसर पर संस्था सचिव डा. संगीता श्रीवास्तव को भी प्रेमचंद स्मृति सम्मान प्रदान किया गया।

2016

आज
वाराणसी, २ अगस्त, २०१६

पेंटिंग प्रतियोगितामें छात्रोंने दिखायी प्रतिभा

महापंडित राहुल सांस्कृत्यायन शोध एवं अध्ययन केन्द्र तथा क्षेत्रीय सांस्कृतिक केन्द्र, सांस्कृति विभागके संयुक्त तत्वावधानमें सोमवारको मुंसी प्रेमचन्दकी जयंतीपर हुकुलगंज स्थित सरस्वती विद्या इण्टर कालेजमें उपन्यास निर्मला एवं कहानी घमण्डका पुतला, अपनी करनी आदिपर चित्रकला प्रतियोगिता एवं प्रदर्शनीका आयोजन किया गया। कार्यक्रममें विभिन्न विषयों एवं विश्वविद्यालयके लगभग दो सौ छात्रोंने भाग लिया। इस अवसरपर केन्द्र प्रमुख रत्नेश वर्मा, डाक्टर सुभाष यादव, डाक्टर मंजरी पाण्डेय, अत्रि भारद्वाज, डाक्टर अवधेश सिंह, डाक्टर अशोक सिंह, डाक्टर महालक्ष्मी, केशरी, डाक्टर मधु सिसोदिया आदिने छात्रोंके कलात्मक एवं सजीव चित्रोंका अवलोकन किया और प्रशंसा की। प्रतियोगिताके निर्णायक मण्डलमें डाक्टर मुक्ता, डाक्टर सुरेन्द्र प्रताप, डाक्टर ब्रजबालन सिंह, डाक्टर सत्येन्द्र बावनी तथा डाक्टर श्रद्धानन्द शामिल रहे। संयोजन संस्थाके उपाध्यक्ष बी.एल. प्रजापति एवं धन्यवाद ज्ञापन सचिव डाक्टर संगीता श्रीवास्तवने किया।

राष्ट्रीय सहारा
2 अगस्त • 2016
वाराणसी । मंगलवार •

मुंशी प्रेमचंद जयंती पर चित्रकला प्रतियोगिता

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

वाराणसी।

महापंडित राहुल सांकृत्यायन शोध एवं अध्ययन केन्द्र नवापुरा एवं क्षेत्रीय सांस्कृतिक केन्द्र संस्कृति विभाग के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार को मुंशी प्रेमचंद की जयंती पर अंतर विद्यालयीय व विश्वविद्यालयीय चित्रकला प्रतियोगिता एवं प्रदर्शनी का आयोजन सरस्वती विद्या मंदिर हुकुलगंज में आयोजित की गयी। जिसमें दो सौ विद्यार्थियों ने भाग लिया।

चार वर्गों में हुई प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय व तृतीय के अतिरिक्त सांत्वना पुरस्कार भी दिये गये। प्रथम वर्ग में कक्षा 4 से 6, द्वितीय में कक्षा 7 से 9, तृतीय वर्ग में कक्षा 10 से 12 तथा चतुर्थ वर्ग में बीएफएम व एमएफए के विद्यार्थियों ने शिरकत की। प्रतियोगिता के निर्णायकों में डॉ. मुक्ता, डॉ. सुरेन्द्र प्रताप, डॉ. बृजबाला सिंह, डॉ. सत्येन्द्र बाउनी तथा डॉ. श्रद्धानंद रहे।

वाराणसी, 2 अगस्त 2016
दैनिक जागरण | 5

चित्रकला प्रतियोगिता में दिखी छात्र-छात्राओं की प्रतिभा

वाराणसी : मुंशी प्रेमचंद की जयंती पर एक अगस्त को अंतर विद्यालयी व विश्वविद्यालयी चित्रकला प्रतियोगिता तथा प्रदर्शनी का आयोजन हुकुलगंज स्थित सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कालेज में किया गया। इसमें बनारस के विभिन्न विद्यालयों तथा विश्वविद्यालय के बीएफए व एमएफए के लगभग दो सौ छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। महापंडित राहुल सांकृत्यायन शोध एवं अध्ययन केंद्र व क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में मुंशी प्रेमचंद की प्रसिद्ध कहानी अंधेर, अपनी करनी, घमंड का पुतला व प्रसिद्ध उपन्यास निर्मला को विषय बनाकर इस चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। निर्णायक डा. मुक्ता, डा. सुरेंद्र प्रताप, डा. बृजबाला सिंह, डा. सत्येंद्र ब्राउनी तथा डा. श्रद्धानंद रहे। इस मौके पर केंद्र प्रमुख रत्नेश वर्मा, डा. सुभाष यादव, डा. मंजरी पांडेय, अत्रि भारद्वाज, डा. धनंजय सहाय समेत अन्य लोगों ने प्रतिभागियों के सजीव चित्रों का अवलोकन कर उनकी सराहना की। प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। संयोजन संस्था के उपाध्यक्ष बीएल प्रजापति ने किया। सेतु सांस्कृतिक केंद्र द्वारा लहुराबीर स्थित मुंशी प्रेमचंद की प्रतिमा पर दीपदान कर श्रद्धासुमन अर्पित किया।

2017

वाराणसी, 30 जनवरी 2017 दैनिक जागरण | 9

प्रतियोगिता | दुनिया को अंधेरे व कुरूपता से बचाने का खूबसूरत तरीका है उसमें सुंदरता का सृजन

पुरस्कार पाकर खिले प्रतिभागियों के चेहरे

वाराणसी : गोलघर स्थित पराड़कर स्मृति भवन में रविवार को महापंडित राहुल सांकृत्यायन शोध एवं अध्ययन केंद्र की ओर से पुरस्कार वितरण समारोह व गोष्ठी आयोजित हुई। तीन वर्गों में आयोजित सुलेख प्रतियोगिता के सभी वर्ग में पहले तीन स्थान हासिल करने वालों के साथ ही अन्य को भी पुरस्कृत किया गया। वहीं इस दौरान 'राहुल सांकृत्यायन का जीवनी साहित्य में योगदान' विषयक गोष्ठी में वक्ताओं ने विचार व्यक्त किए। मुख्य अतिथि डा मंजुला चतुर्वेदी ने कहा कि कला प्रतियोगिता व हिंदी सुलेख प्रतियोगिता से व्यक्तित्व निर्माण वर्तमान समय की जरूरत है। अध्यक्षता करते हुए डा अशोक कुमार सिंह ने कहा कि दुनिया को अंधेरे व कुरूपता से बचाने का सबसे खूबसूरत तरीका है उसमें सुंदरता का सृजन किया जाए। कार्यक्रम में डा मंजरी पांडेय, डा दयानंद, संस्था सचिव डा संगीता श्रीवास्तव आदि ने विचार व्यक्त किए। संयोजन व संचालन संस्था के उपाध्यक्ष बीएल प्रजापति ने किया। इस अवसर पर कीर्ति प्रकाश पांडेय, शशिबाला, गीता, डा मधु सिसोदिया, डा सुशील उपाध्याय, डा रामसुधार सिंह आदि उपस्थित थे।

महापंडित राहुल संकृत्यायन शोध एवं अध्ययन केंद्र द्वारा पुरस्कृत बच्चे • जागरण

अमर उजाला

वाराणसी
सोमवार, 30 जनवरी 2017 | 7

हिंदी सुलेख प्रतियोगिता के विजेता पुरस्कृत

वाराणसी (ब्यूरो)। महापंडित राहुल सांकृत्यायन शोध एवं अध्ययन केंद्र की ओर से हिंदी दिवस पर आयोजित हिंदी सुलेख प्रतियोगिता के विजेताओं को रविवार को पुरस्कृत किया गया। पराड़कर भवन में मुख्य अतिथि प्रो. मंजुला चतुर्वेदी ने राहुल सांस्कृत्यायन के साहित्य में योगदान की चर्चा की। विशिष्ट अतिथि नवगीतकार डॉ. अशोक सिंह, डॉ. सुरेंद्र प्रताप, डॉ. दयानंद, संस्था सचिव डॉ. संगीता श्रीवास्तव ने भी विचार रखे। प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान पाने वालों के साथ ही संस्था में उत्कृष्ट योगदान करने वाले यशप्रकाश, अश्वनी कुमार, विशाल, अमन, अमित केसरी आदि को पुरस्कृत किया गया।

2017

वाराणसी । सोमवार • 30 जनवरी • 2017 राष्ट्रीय सहारा

सुलेख प्रतियोगिता के विजेता हुए पुरस्कृत

वाराणसी। 'राहुल सांकृत्यायन का जीवन साहित्य में योगदान' विषय पर आशुभाषण आज पराड़कर स्मृति भवन के गर्दे सभागार में हुई। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ. मंजुला चतुर्वेदी और विशिष्ट अतिथि कवि डॉ. अशोक सिंह, डॉ. सुरेन्द्र प्रताप सिंह, डा. दयानंद व संस्था की सचिव डॉ. संगीता श्रीवास्तव ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस दौरान संस्था द्वारा हिन्दी दिवस पर आयोजित सुलेख प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार वितरित किया गया। कार्यक्रम में कीर्ति प्रकाश पांडेय, शशिबाला, गीता, डॉ. मधु सिसोदिया, डॉ. सुशील उपाध्याय, डॉ. रामसुधार सिंह सहित विभिन्न विद्यालयों के अध्यापकगण तथा छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। संचालन एल प्रजापति ने किया।

हिन्दुस्तान 04
• वाराणसी • सोमवार • 30 जनवरी 2017

न्यूज कॉर्नर

महापंडित राहुल सांकृत्यायन शोध एवं अध्ययन केंद्र की ओर से आयोजित सुलेख प्रतियोगिता के विजेताओं को रविवार को पुरस्कृत किया गया। • हिन्दुस्तान

सुलेख प्रतियोगिता के विजेता पुरस्कृत

वाराणसी। राहुल सांकृत्यायन शोध एवं अध्ययन केंद्र की ओर से रविवार को पराड़कर भवन में पुरस्कार वितरण कार्यक्रम हुआ। 14 सितंबर 2016 को हुई हिन्दी सुलेख प्रतियोगिता के विजेता पुरस्कृत हुए। शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ. मंजुला चतुर्वेदी, गीतकार डॉ. अशोक सिंह, डॉ. सुरेंद्र प्रताप, डॉ. दयानंद और संस्था सचिव डॉ. संगीता श्रीवास्तव ने दीप जलाकर किया। तीन वर्गों में हुई प्रतियोगिता के प्रतिभागियों को पुरस्कार बांटे गए। वक्ताओं ने महापंडित राहुल सांकृत्यायन की जीवनी और उनके साहित्य में योगदान पर प्रकाश डाला। इस दौरान यश प्रकाश, अश्वनी कुमार, विशाल विश्वकर्मा आदि रहे।

2017

वाराणसी, 31 जुलाई 2017 दैनिक जागरण | 7

स्कूल-कालेजों में याद किए गए कथा सम्राट

जासं, वाराणसी : मुंशी प्रेम चंद की 137वीं जयंती की पूर्व संध्या पर नगर के स्कूल-कालेजों में विविध आयोजन किए गए। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के हिंदी [illegible] आधुनिक भारतीय भाषा विभाग में '[illegible]मचंद और आज का समाज' विषयक संगोष्ठी हुई।

मुख्य अतिथि डा. मुक्ता ने कहा कि प्रेमचंद हिंदी के पाठकों को तिलस्मी और जासूसी उपन्यासों से निकालकर सामाजिक समस्याओं से जोड़ा। प्रो. शिवकुमार ने विकास की भेंट चढ़ते गांवों की दशा पर चिंता व्यक्त की। वहीं डा. सदानंद ने कहा कि प्रेमचंद की रचनाओं में चरित्र निर्माण की शिक्षा निहित है। गोष्ठी में डा. अत्रि भारद्वाज, डा. विजय रंजन, डा. रामसुधार सिंह, डा. गंगाधर राय आदि ने भी विचार व्यक्त किए।

अध्यक्षता प्रो. सुरेंद्र प्रताप ने किया। संचालन प्रो. श्रद्धानंद व धन्यवाद ज्ञापन संस्कृति अधिकारी डा. रत्नेश वर्मा ने किया। दूसरी ओर दीक्षा सिंह के संयोजन में हरिश्चंद्र पीजी कालेज के छात्र-छात्राओं ने लहुराबीर स्थित मुंशी प्रेमचंद की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। लहुराबीर सि[illegible]ता पब्लिक स्कूल में महापंडित राहु[illegible]त्यायन शोध एवं अध्ययन केंद्र की ओर से मुंशी प्रेमचंद की कहानियों को आधार बनाकर चित्रकला प्रतियोगिता व प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विभिन्न स्कूल-कालेजों के कुल 200 छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया।

दैदीप्यमान नक्षत्र की तरह चमक रहे मुंशीजी

लमही स्थित मुंशी प्रेमचंद स्मारक शोध एवं अध्ययन केंद्र में आयोजित संगोष्ठी में अपने विचार रखते जिलाधिकारी योगेश्वर राम मिश्र

लमही महोत्सव के अवसर पर विकास प्राधिकरण के सहयोग से मुंशी प्रेमचंद जी के आवास पर प्रदर्शनी का फीता काटकर शुभारंभ करते मंडलायुक्त

जासं, वाराणसी : विश्व साहित्य में मुंशीजी दैदीप्यमान नक्षत्र की तरह चमक रहे हैं। उनके लेखन के केंद्र में सत्य, अहिंसा व अपरिग्रह का भाव था और वह महात्मा गांधी के सिद्धांत से प्रभावित थे। ये बातें यूपी कालेज के हिंदी विभागाध्यक्ष डा. रामसुधार सिंह ने कही।

वह लमही स्थित मुंशी प्रेमचंद स्मारक शोध एवं अध्ययन केंद्र में रविवार को सुबह 'मुंशी प्रेमचंद और आज का समय' विषय पर संगोष्ठी में बोल रहे थे। अध्यक्षता करते हुए डीएम योगेश्वर राम मिश्र ने प्रेमचंद को जनवादी चिंतक और लोक कल्याण के कथाकार के रूप में प्रस्तुत किया। इंदीवर पांडेय ने कहा कि प्रेमचंद के विचारों में साहित्य मनोरंजन की वस्तु नहीं वरन जीवन प्रगति की गाथा है। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के अवकाश प्राप्त प्रोफेसर श्रद्धानंद ने कहा कि वह नारी पराधीनता की मुक्ति चाहते थे। डा. सुरेंद्र प्रताप, डा. मुक्ता, श्रीप्रकाश शुक्ल, सर्वेश सिंह, शिवकुमार यादव, अनिल पांडेय व जगन्नाथ दुबे ने भी मुंशीजी के विचारों पर प्रकाश डाला। वीडीए उपाध्यक्ष पुलकित खरे, क्षेत्रीय पुरातत्व अधिकारी डा. सुभाष चंद्र यादव, डा. हरेंद्र नारायण सिंह, अतुल सिंह, मनोज श्रीवास्तव, सुरेश चंद्र दुबे व रामानंद तिवारी आदि भी मौजूद थे। संयोजन क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्र के प्रमुख डा. रत्नेश वर्मा ने किया।

तब पांच किलोमीटर दौड़ती थी चिट्ठी

भौतिकता के वर्तमान युग में संदेश मोबाइल के जरिए सेकेंड में देश-विदेश में पहुंचाए जा रहे हैं, लेकिन मुंशीजी के दौर में मात्र पांच किलोमीटर में ही पत्र लिखे जाते थे। उस चिट्ठी को पहुंचने में लंबा इंतजार करना पड़ता था। ऐसी ही मुंशी प्रेमचंद के हाथों से लिखी चिट्ठी प्रदर्शनी के दौरान लगाई गई थीं। वैसे वह रहते थे लमही में, लेकिन उन्होंने उस समय एक चिट्ठी भेलूपुर थाने के पास देउरिया बीर में अपने अभिन्न मित्र विनोद शंकर व्यास को लिखी थी। ऐसे कई अन्य पत्र और मुंशीजी के जीवन से जुड़ी यादें महोत्सव में दिखाई पड़ रही हैं।

पुरस्कृत होंगे विजयी प्रतिभागी

वाराणसी : राहुल सांकृत्यायन शोध अध्ययन केंद्र की ओर से मुंशी जी की जयंती के उपलक्ष्य में चित्रकला प्रतियोगिता एवं प्रदर्शनी का आयोजन वनिता पब्लिक स्कूल में हुआ। संस्था की सचिव डा. संगीता श्रीवास्तव व उपाध्यक्ष बीएल प्रजापति ने अवलोकन किया। विजयी विद्यार्थियों को लमही में पुरस्कृत किया जाएगा। निर्णायक मंडल में डा. सत्येंद्र बाउनी, डा. अशोक सिंह, अनिल सिंह, संगीता अग्रवाल आदि थीं।

amarujala.com
अमर उजाला
वाराणसी
सोमवार, 31 जुलाई 2017
5

लमही में सज गया खुशियों का मेला

जीवन और सामाजिक ताने-बाने को कथाओं में ढालने वाले मुंशी प्रेमचंद की जयंती आज

वनिता पब्लिक स्कूल में आयोजित प्रतियोगिता में पेंटिंग बनातीं और प्रदर्शनी देखतीं छात्राएं।

वनिता पब्लिक स्कूल में आयोजित प्रतियोगिता में पेंटिंग बनातीं और प्रदर्शनी देखतीं छात्राएं।

बच्चों ने चित्रों के माध्यम से किया नमन

वाराणसी। प्रेमचंद की जयंती की पूर्व संध्या पर रविवार को शहर में विविध संगठनों की ओर से आयोजन हुए। इसमें छात्र संगठन, सामाजिक संगठनों की ओर मुंशी जी को नमन किया। बच्चों ने चित्रों के माध्यम से कथासम्राट को श्रद्धांजलि अर्पित की।

हरिश्चंद्र कॉलेज की छात्रनेता दीक्षा सिंह ने लहुराबीर स्थित मुंशी प्रेमचंद की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलन किया। मनीष श्रीवास्तव, रोहित, अंकित दूबे, विनय शुक्ला, पूजा, सोमा, सलोनी, ज्ञानु, राकेश, मयंक, रामेंद्र, मनीष, भावेश, विवेक, प्रांजल उपस्थित रहे। वनिता पब्लिक स्कूल में महापंडित राहुल सांस्कृत्यायन शोध व अध्ययन केंद्र एवं क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्र की ओर से चित्रकला प्रदर्शनी आयोजित हुई। प्रथम वर्ग में वनिता की प्रिया प्रथम, गुरू नानक की रीफत इस्लाम द्वितीय, संत अतुलानंद के आर्यन को तृतीय स्थान मिला। द्वितीय वर्ग में वनिता की [illegible] को प्रथम, स्मिथ स्कूल की सानिया को द्वितीय, अतुलानंद के इशान को तृतीय स्थान मिला। तृतीय वर्ग में अतुलानंद की आस्था को प्रथम, स्मिथ मेमोरियल की फिरदौस को द्वितीय, गुरु नानक की अदिति को तीसरा जबकि चौथे ग्रुप में बीएचयू के आनंद को प्रथम, बसंता की ट्विंकल को द्वितीय, बीएचयू की जागृति को तृतीय स्थान मिला। ब्यूरो

2017

आज
वाराणसी, ३१ जुलाई, २०१७

मुंशी प्रेमचन्द की कहानियों पर आधारित चित्र प्रदर्शनी लगी

प्रदर्शनी

जयंती पर प्रतिमा पर विद्यार्थियों ने किया माल्यार्पण

कथा सम्राट एवं उपन्यासकार मुंशी प्रेमचंद की १३७वीं जयंती के उपलक्ष्य में रविवार को विभिन्न संस्थाओं की ओर से कार्यक्रम आयोजित कर उनके जीवन चरित्र पर प्रकाश डाला। मुंशी प्रेमचंद की जयंती पर महापंडित राहुल सांकृत्यायन शोध एवं अध्ययन केन्द्र एवं क्षेत्रीय सांस्कृतिक केन्द्र, संस्कृति विभाग के संयुक्त तत्वावधान में लहुराबीर स्थित वनिता पब्लिक स्कूल में कथा सम्राट पर आधारित अन्तरविद्यालयीय चित्रकला प्रतियोगिता एवं प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। चित्रकला प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए डाक्टर सत्येन्द्र बाउनी, डाक्टर अशोक सिंह, नवगीतकार अनिल सिंह ने कहा कि मुंशी प्रेमचंद की कहानियां आज के वैज्ञानिक युग में भी प्रासंगिक है जिसे पढ़कर हम लाभान्वित हो सकते हैं। इन लोगों ने छात्र-छात्राओं के बनाये

चित्रों की भूरि-भूरि प्रशंसा की। डाक्टर अशोक सिंह ने कहा कि साहित्य से चित्रकला को जोड़ने का यह माध्यम अत्यन्त सराहनीय है। इस अवसर पर अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। अंत में संस्था के सचिव डाक्टर संगीता श्रीवास्तव ने आभार व्यक्त किया। इसक्रम में विभिन्न वर्गों में आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता के प्रथम वर्ग में कुमारी प्रिया, द्वितीय में इप्शिता गुप्त, तृतीय वर्ग में आस्था तिवारी तथा चतुर्थ वर्ग में आनन्द वर्मा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। सभी विजयी प्रतिभागियों को संस्था की ओर से पुरस्कृत किया गया। इसक्रम में बीएचयू एवं हरिशचन्द्र पीजी कालेज के विद्यार्थियों ने लहुराबीर स्थित पार्क में मुंशी प्रेमचंद की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से दीक्षा सिंह, मनीष श्रीवास्तव, राहुल दुबे, अंकित दुबे, विनय शुक्ल, सुमित चौरसिया, राहुल श्रीवास्तव, सलोनी, ज्ञानू, संदीप सिंह, राकेश सोनकर, सूरज कौल, मयंक सिंह, मावेष, मनीष आदि उपस्थित रहे।

धरती पर जब-जब अधर्म बढ़ता है तब-तब जन्म लेते हैं राम जैसे महापुरुष

विकासखंड सेवापुरी के कालिकाधाम में स्थित मां कालिका देवी के दरबार में दस दिवसीय राम कथा के दूसरे दिन कथा वाचक सुधा पांडेय ने कहा कि सत्संग ही जीवन का सबसे बडा लाभ है। इसलिए भगवान राम की काफी बडी महिमा है। जिस कथा को शिवजी सुनाते है और माता पार्वती सुनती है। जो निरंकार ब्रह्म है। वही सगुण साकार रूप अधर्म को मिटाकर के धर्म की स्थापना करने के लिए भगवान धरती पर आते है।

हिरण्यकश्यप जैसे राक्षस का बध करने के लिए भगवान बाराह का रूप धारण किये। उसी तरह रावण जैसे अधर्मी का जन्म हुआ, और अत्याचार बढा तो भगवान राम का रूप धारण करके रावण जैसे अधर्मी को मिटाकरके धर्म की स्थापना किये। इसलिए इस धरती पर जब जब रावण, कुम्भकर्ण, कंस, शिशुपाल जैसे अधर्मी का जन्म होता है तब तब राम जैसे महापुरुष की आवश्यकता अड़ती है।

2017

वाराणसी । शनिवार • 29 जुलाई • 2017 राष्ट्रीय सहारा

मुंशी प्रेमचंद की जयंती पर प्रतियोगिता कल

वाराणसी। राहुल सांकृत्यायन शोध एवं अध्ययनकेन्द्र नवापुरा व क्षेत्रीय सांस्कृतिक केन्द्र तथा संस्कृति विभाग उप्र के संयुक्त तत्वावधान में 30 जुलाई को कहानी सम्राट मुंशी प्रेमचंद की 137वीं जयंती के अवसर पर प्रेमचंद की कहानियों के विषय पर अन्तर विद्यालयीय व विश्वविद्यालयीय चित्रकला प्रतियोगिता एवं प्रदर्शनी का आयोजन वनिता पब्लिक स्कूल लहुराबीर में अपराह्न 2 बजे आयोजित किया गया है। उक्त जानकारी कार्यक्रम संयोजक बीएल प्रजापति व सचिव डॉ. संगीता श्रीवास्तव ने दी है।

काशीवार्ता

2 वाराणसी, 1 अगस्त 2017

बच्चों ने किया मुंशी प्रेमचंद की कहानियों को जीवंत

वाराणसी। महापंडित राहुल सांकृत्यान शोध एवं अध्ययन केन्द्र नवापुरा व क्षेत्रीय सांस्कृतिक केन्द्र संस्कृति विभाग के संयुक्त तत्वावधान में लहुराबीर स्थित वनिता पब्लिक स्कूल में चित्रकला प्रतियो।गेता आयोजित की गयी। विभिन्न विद्यालयों/ महाविद्यालयों के 200 छात्र-छात्राओं ने कल्पनाशिलता को रंगो का आकार दे मुंशी प्रेमचंद की कहानियों को जीवंत किया। निर्णायक मंडल में डा. सत्येन्द्र बाउनी राजघाट, डा. अशोक सिंह, नवगीत कार अनिल सिंह, तथा संस्था सचिव डा.संगीता श्रीवास्तव व उपाध्यक्ष बीएल प्रजापति शामिल थे। कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापन संस्था की सचिव डा. संगीता ने किया।

2017

जनवार्ता वाराणसी-वार्ता

3 वाराणसी, मंगलवार, 1 अगस्त, 2017

मुंशी प्रेमचंद की कृतियाँ सामयिक एवं अविस्मरणीय

लमही में कथा सम्राट की जयंती पर उपन्यासों का नाट्य मंचन, सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन

वाराणसी। सोमवार को कथा सम्राट मुंशी प्रेमचंद की जयन्ती पर आयोजित मुंशी प्रेमचंद लमही महोत्सव के दुसरे दिन उनकी जन्म स्थली लमही में उनकी कई रचनाओं का नाट्य मंचन किया गया। महोत्सव का उद्घाटन मुख्य अतिथि कमिश्नर नितिन रमेश गोकर्ण एवं मुंशी प्रेमचंद जी [illegible]चनाओं के पात्र मैकू की धर्मप[illegible]ीमती कलावति देवी ने सयुक्त [illegible] से दीप प्रज्ज्वलित एवं उनके प्रतिमा पर माल्यापर्ण कर किया गया। महोत्सव में कमिश्नर नितिन रमेश गोकर्ण ने साहित्यकारां का अंगवस्त्र प्रदान कर सम्मान किया। कमिश्नर ने मुंशी प्रेमचंद्र को एक युगदृष्टा बताते हुए कहा कि उन्होंने जो भी रचनाएं लिखी वह आज के परिवेश में सामयिक है। उन्होंने उनके नमक के दरोगा एवं कफ़न का उल्लेख करते हुए कहा कि वर्षों पूर्व मुंशी जी द्वारा लिखी बातें आज सच साबित हो रही हैं। निश्चित रूप से मुंशी जी की कृतियाँ अविस्मरणीय हैं।

महोत्सव में मुंशी प्रेमचंद की रचनाओं पर आधारित विभिन्न नाट्य प्रस्तुतियों का मंचन कलाकारों द्वारा किया गया। जिसमें 'पंच-परमेश्वर'-शैज खां की की प्रस्तुति, 'प्रेम-रंग'-नरेन्द्र आचार्य, 'गोदान'-विष्वज्योति जनसंचार समिति, 'बड़े भाई साहब'-डॉ. राजेन्द्र उपाध्याय, 'मंत्र'- मुंशी प्रेमचंद मार्गदर्शन केन्द्र आदि मुख्य रूप से रहें। इस अवसर पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम के अन्तर्गत गायन के क्रम में डॉ. रागिनी सरना द्वारा सरस्वती बन्दना से गायन का आरम्भ हुआ। इसके उपरान्त बधैया गीत की प्रस्तुति रही। स्वागत उद्बोधन केन्द्र प्रमुख क्षेत्रीय सांस्कृनिक केन्द्र डॉ. रत्नेश वर्मा द्वारा एवं धन्यवाद ज्ञापन क्षेत्रीय पुरातत्त्व अधिकारी डॉ. सुभाष चन्द्र यादव द्वारा किया गया। संचालन डॉ. प्रीतेश आचार्य ने किया। इस अवसर पर सुनील शुक्ला, डॉ. हरेन्द्र नारायण सिंह, अतुल सिंह, सुरेश चन्द्र दुबे, आनन्द राव, कैलाश वर्मन आदि बड़ी संख्या में कला एवं साहित्य प्रेमी तथा स्थानीयजन उपस्थित रहें।

मुंशी प्रेमचंद्र की कहानियों पर चित्रकला प्रतियोगिता, प्रदर्शनी

वाराणसी। महापंडित राहुल सांकृत्यायन शोध एवं अध्ययन केन्द्र नवापुरा एवं क्षेत्रीय सांस्कृतिक केन्द्र संस्कृति विभाग के संयुक्त तत्वाधान में कहानी सम्राट मुंशी प्रेमचन्द्र की 137वीं जयन्ती के अवसर पर उनके कहानियों को विषय बनाकर अर्न्तविद्यालय व विश्वविद्यालयीय चित्रकला प्रतियोगिता प्रदर्शनी का आयोजन वनीता पब्लिक स्कूल लहुराबीर के परिसर में सम्पन्न हुआ। प्रतियोगिता में विभिन्न विद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों के लगभग 200 छात्र-छात्राओं ने मुंशी जी की कहानियों नादान दोस्त, अनाथ लड़की व मंदिर-मस्जिद तथा उपन्यास सेवा सदन के विभिन्न विषयों को अपनी कूची से सजीव और जीवंत बनाया। कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापित करते हुए संस्था सचिव डा. संगीता श्रीवास्तव ने कहा कि विजयी छात्र-छात्राओं को प्रेमचन्द्र की जन्मस्थली लमहीं में आज पुरस्कृत किया जायेगा। कार्यक्रम का संचालन व संयोजन बीएल प्रजापति ने किया।

पांडेयपुर की निर्मला, लमही के बैल बन गए प्रेमचंद के अमर पात्र

वाराणसी। आधुनिक कहानी के जनक और उपन्यास सम्राट मुंशी प्रेमचंद की रचनाओं के ज्यादातर पात्र उनके गांव लमही या आसपास के स्थानों के ही थे। इसमें चाहे उपन्यास निर्मला की मुख्य पात्र निर्मला हो या फिर दो बैलों की कथा के हीरा-मोती। शायद यही वजह है कि मुंशी प्रेमचंद की रचनाएं आम आदमी को अपनी कहानी लगती हैं। मुंशी प्रेमचंद के पैतृक गांव लमही में रहने वाले 108 वर्षीय भाईराम बताते हैं, 'भइया(मुंशी जी) अपने मकान के पूरब वाली खिड़की से सामने कुएं के पास बंधे बैलों को देखा करते थे। मेरे बाऊजी ने उन बैलों का नाम हीरा-मोती रखा था। अक्सर हीरा-मोती पुरवट में नाथे जाते थे। पता नहीं कब,भइया ने हीरा-मोती के नाम पर कहानी दो बैलों की कथा रच डाली। ऐसी कहानी जो हर बार पढ़ने के बाद भी नई लगती है। आंखें भीग जातीं हैं।' भाई राम मुंशी जी के पड़ोसी रहे अंतू के बड़े बेटे हैं। अंतू के ही बैल थे हीरा और मोती। मुंशी प्रेमचंद को वह गांव के रिश्ते में चचा कहते थे जबकि उम्र में बड़े थे। वहीं भाईराम मुंशी जी को भइया कहा करते थे। इस उम्र में भी होशो-हवास में पूरी तरह दुरुस्त भाईराम ने यादों का पिटारा खोला-बाऊजी भइया को देख पूछते थे कि ए चाचा का तू का लिखल करला हर बखत तो भइया कहते 'अंतू तुम अपना काम करो और हम अपना काम करें।' भाई राम कहते हैं कि मुंशी प्रेमचंद को गुल्ली-डंडा खेलना बहुत पसंद था।

2018

राष्ट्रीय
सहारा
राष्ट्रीयता · कर्तव्य · समर्पण

वाराणसी । सोमवार • 29 जनवरी • 2018

महापंडित सांकृत्यायन ने साहित्य को जीया

वाराणसी। महापंडित राहुल सांकृत्यायन की स्मृति में रविवार को पराड़कर भवन में अंतरविद्यालीय सुलेख स्पर्धा पुरस्कार

वितरण समारोह आयोजित किया गया। महापंडित राहुल सांकृत्यायन शोध एवं अध्ययन केंद्र की ओर से आयोजित कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि महापंडित ने जीवन और साहित्य को एक ही तरह जीया। बोलियों व जनपदीय भाषाओं के प्रति उनके हृदय में विशेष अनुराग था।

मुख्य अतिथि महापौर मृदुला जायसवाल ने कहा कि हिन्दी भाषा हमारी पहचान है, जबकि अंग्रेजी जीविकोपार्जन के लिए इस्तेमाल होती है। साहित्यकार डा. जितेन्द्र नाथ मिश्र ने कहा कि भाषा और लिपि में अंतरसंबंध है। अच्छी लिपि हमारे संकल्प को व्यक्त करती है।

कार्यक्रम में विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों व अध्यापकों ने राहुल सांकृत्यायन की जीवनी साहित्य में योगदान विषय पर आशु भाषण दिया। तीन चरणों में विभाजित कर हिन्दी सुलेख प्रतियोगिता आयोजित की गयी। संचालन नेमा व कीर्ति प्रकाश पाण्डेय ने किया। इस दौरान डा. संगीता श्रीवास्तव, बीएल प्रजापति, कृष्ण मुरारी, संचिता पाण्डेय, प्रीति द्विवेदी, मयंक पाण्डेय, उत्कर्ष, अश्विनी, उर्मिला, सविता श्रीवास्तव आदि उपस्थित रहे।

2018

काशी Live

amarujala.com

अमर उजाला वाराणसी | बुधवार, 8 अगस्त 2018 6

कैनवास पर उकेरी कथा सम्राट की कहानियां

वाराणसी। कथा सम्राट मुंशी प्रेमचंद की 138वीं जयंती के उपलक्ष्य में मंगलवार को राहुल सांकृत्यायन शोध एवं अध्ययन केंद्र की ओर से चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। वनिता पब्लिक स्कूल लहुराबीर में आयोजित अंतर विद्यालयीय और विश्वविद्यालयीय प्रतियोगिता में 160 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। मुंशी प्रेमचंद की कहानी मैकू, आत्माराम, बड़े घर की बहू और निर्मला को प्रतिभागियों ने रंगों के जरिये कैनवास पर उतारा। बतौर मुख्य अतिथि साहित्यकार डॉ. मुक्ता रहीं। उन्होंने कहा कि प्रेमचंद आधुनिक हिंदी कहानी के पितामह और जनक हैं। जाति प्रथा, भेदभाव, सांप्रदायिकता, गरीबी और भ्रष्टाचार जैसे सामाजिक ताने-बाने को कहानी का हिस्सा बनाया। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में डॉ. अवधेश कुमार, डॉ. बृजबाला सिंह, डॉ. अनिल विश्वकर्मा और डॉ. अनिल सिंह रहे। संस्था सचिव डॉ. संगीता श्रीवास्तव ने सभी का स्वागत किया। संचालन बीएल प्रजापति ने किया। ब्यूरो

2019

पोस्टरों में दिखे मुंशी जी के पात्र

मुंशी प्रेमचंद की 139वीं जयंती पर चित्रकला प्रतियोगिता में भाग लेते छात्र-छात्राएं • जागरण

जासं, वाराणसी : मुंशी प्रेमचंद की जयंती के उपलक्ष्य में मंगलवार को वनिता पब्लिक स्कूल में अंतर विद्यालयीय व विश्वविद्यालयीय चित्रकला प्रतियोगिता में आयोजित की गई। चित्रों में मुंशी प्रेमचंद की कहानियों के पात्र दिखे। विद्यार्थियों ने 'क्षमादान', 'दो वृद्ध', 'राजपूत कैदी', सहित अन्य दृश्यों का संजीव व जीवंत चित्रण था।

महापंडित राहुल सांकृत्यायन शोध एवं अध्ययन केंद्र के तत्वावधान में आयोजित प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ. मुक्ता, विशिष्ट अतिथि प्रो. मंजुला चतुर्वेदी, प्रधानाचार्य डॉ. रेणुका नागर के दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। निर्णायक मंडल में प्रो. सत्येंद्र बाउनी, प्रो. सुरेश नायर, अनिल सिंह, प्रो. श्रद्धानंद, संगीता अग्रवाल शामिल थी। धन्यवाद ज्ञापन संस्था की सचिव डॉ. संगीता श्रीवास्तव ने किया।

विजयी प्रतिभागियों को किया पुरस्कृत : इस मौके पर अतिथियों ने विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया। प्रथम समूह (कक्षा चार से छह) में अनन्या सिंह, द्वितीय समूह (कक्षा सात से नौ) में धृति सिंह, तृतीय समूह (कक्षा 10 से 12) में शिवम चौरसिया, तथा चतुर्थ समूह (बीएफए व एमएफए) में चंदन सिंह अव्वल रहे।

गंगा सेवा अभियानम् के भारत प्रमुख बने राकेश चंद्र

जासं, वाराणसी : गंगा सेवा अभियानम् के पूर्व प्रदेश समन्वयक राकेश चंद्र पांडेय को सोमवार को अभियानम् का भारत प्रमुख नियुक्त किया गया है। अभियानम् के सार्वभौम संयोजक स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने प्रमाण पत्र जारी करते हुए कहा कि राकेश चंद्र की नियुक्ति होने से गंगा आंदोलन को बल मिलेगा। नियुक्ति पर राजेश चंद्र शर्मा, अनिल कुमार चौबे, राजेंद्र पांडेय, अनिल कुमार गुप्ता, धनंजय कुमार सोनकर, डॉ. एके द्विवेदी, घनश्याम आदि ने बधाई दी।

चित्रकला प्रतियोगिता संपन्न

वाराणसी। महापंडित राहुल सांकृत्यायन शोध एवं अध्ययन केन्द्र नवापुरा में कहानी सम्राट मुंशी प्रेमचंद की 139वीं जयंती पर उनकी कहानियों का विषय बना अंतर विद्यालयीय व विवि चित्रकला प्रतियोगिता वनिता पब्लिक स्कूल में हुई। मुख्य अतिथि डॉ. मुप्ता तथा विशिष्ट अतिथि प्रो. मंजुला चतुर्वेदी रहीं। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. संगीता श्रीवास्तव, संचालन कीर्ति प्रकाश पांडेय व संयोजन बीएल प्रजापति ने किया। कार्यक्रम में शुभ्रा श्रीवास्तव, मंजरी पांडेय,सुरेन्द्र प्रताप, डॉ. सुधा पांडेय आदि रहे।

महापंडित राहुल सांकृत्यायन...

7 1

Sangita Srivastava
Admin · 28 Jul 2020 ·

विशेष सूचना ******

31जुलाई 2020 पर प्रेमचंद जयंती पर आयोजित कहानी चित्रकला प्रतियोगिता में प्रथम वर्ग कक्षा 9 से 12तक के विद्यार्थियों को कल दिनांक 29 जुलाई 2020 को 11से 2 बजे के मध्य अपनी चित्रकला को पोस्ट करना होगा। दी गई ... more

9 3 1

Sangita Srivastava
Admin · 30 Jul 2020 ·

आमंत्रण ******

2019

4

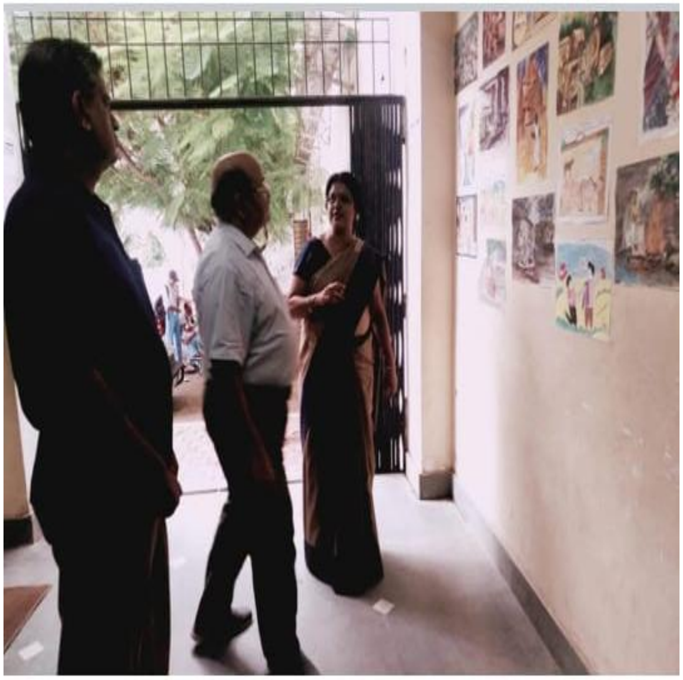

महापंडित राहुल सांकृत्यायन...

डा संगीता श्रीवास्तव

संयोजक
बी एल प्रजापति

25

Commenting is turned off for this...

Sangita Srivastava
Admin 17 Jul 2020 ·

संस्था द्वारा प्रेमचंद जयंती 31जुलाई 2019 को आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता की तस्वीरें ---

2020

महापंडित राहुल सांकृत्यायन...

3

Deepak Kumar · Follow

30 Jul 2020 ·

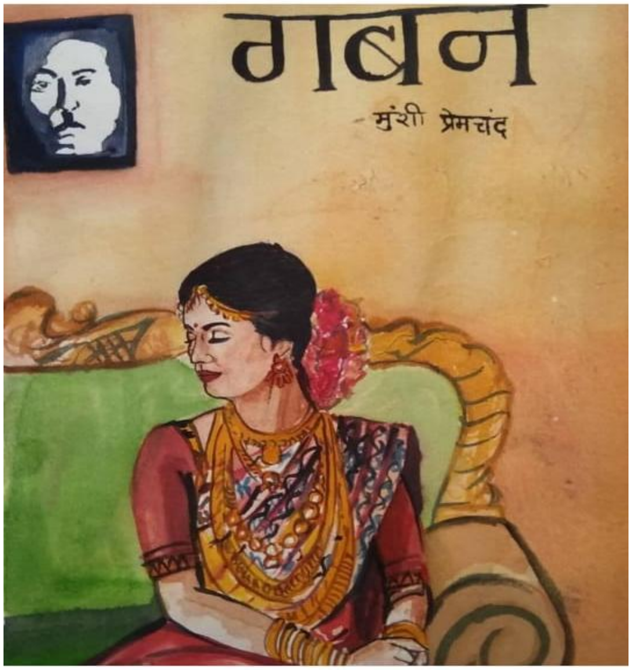

महापंडित राहुल सांकृत्यायन...

12 6 1

Sangita Srivastava

Admin Urmila Srivastava commented on this photo. · 31 Jul 2020 ·

Vinay Chauhan

New member · 21 h ·

Ramvinay chauhan..
..bhu.. varanansi
Watercolour on paper
Title...."Gaban"

महापंडित राहुल सांकृत्यायन...

7 1

Sangita Srivastava

Admin 28 Jul 2020 ·

विशेष सूचना ******

31 जुलाई 2020 पर प्रेमचंद जयंती पर आयोजित कहानी चित्रकला प्रतियोगिता में प्रथम वर्ग कक्षा 9 से 12तक के विद्यार्थियों को कल दिनांक 29 जुलाई 2020 को 11से 2 बजे के मध्य अपनी चित्रकला को पोस्ट करना होगा। दी गई ... more

9 3 1

Sangita Srivastava

Admin 30 Jul 2020 ·

आमंत्रण ******

महापंडित राहुल सांकृत्यायन शोध एवं अध्ययन केन्द्र (संस्था)
नवापुरा, वाराणसी
कहानीसम्राट मुंशी प्रेमचन्द
की 140वीं जयन्ती के अवसर पर Online
अन्तरविद्यालयीय व विश्वविद्यालयीय चित्रकला प्रतियोगिता
29, 30 एवं 31 जुलाई 2020

बी.एल. प्रजापति संयोजक	डॉ. मंजुला चतुर्वेदी डॉ. बाउनी डॉ. ए.के. सिंह डॉ. मुक्ता निर्णायक मण्डल	डॉ. संगीता श्रीवास्तव सचिव

प्रतियोगिता निर्णय समय - 31 जुलाई शाम 4 बजे

महापंडित राहुल सांकृत्यायन...

2 1

Sangita Srivastava

Admin 1 Aug 2020 ·

संस्था की ओर से मैं अमर उजाला, विजन खबर, डेली वलर्ड और इनोवेटिव चैनल के संपादक मंडल और मिडिया बंधुओं का हार्दिक आभार और धन्यवाद देती हूँ,जिन्होंने हमें अपने पत्रों में स्थान दे कर हम सभी का उत्साह वर्धन किया।
सादर धन्यवाद
संस्था परिवार

नलाइन चित्रकला प्रतियोगिता मे
बीएचयू के राम विनय प्रथम

ई रिपोर्टर/वाराणसी

सी। कहानी सम्राट मुंशी प्रेमचंद की जन्मतिथि के अवसर पर महापंडित सांकृत्यायन शोध एवं अध्ययन राणसी द्वारा उनके उपन्यास गबन योजित अंतरविद्यालयीय और द्यालयीय तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रतियोगिता का शुक्रवार को समापन र्णायक मंडल के सदस्यों में शामिल , डॉ मंजुला चतुर्वेदी, डॉ अजय कुमार था डॉ सत्येंद्र बाऊनी ने सम्मिलित रूप से इस प्रतियोगिता का परिणाम घो किया। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले स प्रतिभागियों को ई- प्रमाण पत्र दिया जाए ऑनलाइन चित्रकला प्रतियोगिता में बीए के राम विनय चौहान प्रथम, बीएचयू के प्रसन्न पटेल को द्वितीय और बसंत का राजघाट की श्रेया सिंह को तीसरा स्थान प्र हुआ। रितिका रॉय व दीपक को सांत पुरस्कार मिला। कार्यक्रम संयोजक बी प्रजापति और सचिव संगीता श्रीवास्तव निर्णायक मंडल एवं सफल प्रतिभागियों प्रति आभार व्यक्त किया गया।

मचंद की जयंती पर चित्रकला का आयोजन

(ख.वि.)। कहानी सम्राट मुंशी प्रेमचंद जी की 140वीं जन्मतिथि के अ हापंडित राहुल यन शोध एवं केंद्र, संस्था द्वारा न्यास 'गबन' पर न ऑनलाइन लयीय और लयीय त्रिदिवसीय प्रतियोगिता आज हुई। निर्णायक

डॉ. मुक्ता, डॉ. मंजुला चतुर्वेदी, डॉ. अजय कुमार सिंह तथा डॉ. स। सम्मिलित रूप से इस प्रतियोगिता का परिणाम घोषित किया ह।

से शांतिपूर्वक त्योहार मनाने की अपील

ब्यूरो। वैश्विक महामारी कोरोना वायरस संक्रमण की

र्ग में
म

महापंडित राहुल सांकृ
एवं अध्ययन केंद्र की
ऑनलाइन चित्रकला
गिता में प्रथम पुरस्कार बीएचयू
कार प्रसन्न पटेल और तृतीय स
पुरस्कार रितिका रॉय और दीपक

2021

महापंडित राहुल सांकृत्यायन...
Sangita Srivastava
Admin 2 Aug 2021
प्रेमचंद चित्र कला प्रतियोगिता
उपन्यास कर्मभूमि द्वितीय वर्ग - बी ए आनर्स, फाइन ... more
कर्मभूमि
15
12

महापंडित राहुल सांकृत्यायन...
Sangita Srivastava
Admin 7 Aug 2021
प्रेमचंद अंतरविद्यालयीय व विश्वविद्यालय चित्र कला प्रतियोगिता का परिणाम... more
प्रमाण पत्र
महापंडित राहुल सांकृत्यायन
शोध एवं अध्ययन केंद्र संस्था वाराणसी
मुंशी प्रेमचंद की 141वीं जयंती 2021
+11
4
1
Sangita Srivastava
Admin 7 Aug 2021
प्रेमचंद अंतरविद्यालयीय व विश्वविद्यालय चित्र कला प्रतियोगिता 2021 का परिणाम... more

Sangita Srivastava
Admin 7 Aug 2021
प्रेमचंद अंतरविद्यालयीय व विश्वविद्यालय चित्र कला प्रतियोगिता के परिणाम 2021
उपन्यास - कर्मभूमि
द्वितीय वर्ग - फाइन आर्ट्स, बीए आनर्स व अन्य।
सभी पुरस्कृत प्रतिभागियों को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं
प्रमाण पत्र
महापंडित राहुल सांकृत्यायन
शोध एवं अध्ययन केंद्र संस्था वाराणसी
मुंशी प्रेमचंद की 141वीं जयंती 2021

महापंडित राहुल सांकृत्यायन...
Sangita Srivastava
Admin 7 Aug 2021
प्रेमचंद अंतरविद्यालयीय व विश्वविद्यालय चित्र कला प्रतियोगिता 2021 का परिणाम... more
प्रमाण पत्र
महापंडित राहुल सांकृत्यायन
शोध एवं अध्ययन केंद्र संस्था वाराणसी
मुंशी प्रेमचंद की 141वीं जयंती 2021
+3

महापंडित राहुल सांकृत्यायन...
26 1 1
Sangita Srivastava
Admin 31 Jul 2021
आमंत्रण
महापंडित राहुल सांकृत्यायन
शोध एवं अध्ययन केंद्र संस्था वाराणसी
प्रेमचंद की 141 वीं जयंती
प्रेमचंद का परिवेश और चिंतन वेबीनार
तथा
चित्रकला प्रतियोगिता के परिणाम
1 अगस्त 2021 समय सायं 3 बजे
विशिष्ट वक्ता आन-लाइन
डा मुक्ता
डा राम सुधार सिंह
डा श्रद्धा नंद
डा इंदु झुनझुनवाला
डा मंजरी पांडेय
निर्णायक मंडल
डा मंजुला चतुर्वेदी
डा सत्येन्द्र बाऊनी
डा संगीता श्रीवास्तव
संचालक
बी एल प्रजापति

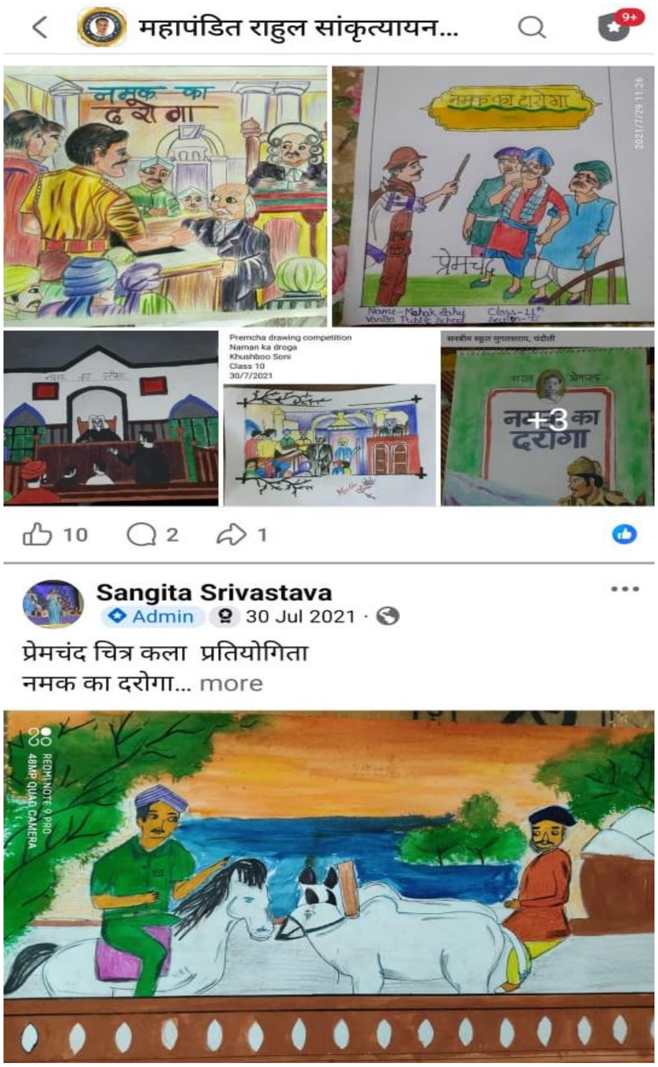

महापंडित राहुल सांकृत्यायन...
नमक का दरोगा
+3
10 2 1
Sangita Srivastava
Admin 30 Jul 2021
प्रेमचंद चित्र कला प्रतियोगिता
नमक का दरोगा... more

महापंडित राहुल सांकृत्यायन...
Shraddhanand
sangeeta srivastava
+4

2022

चित्रों में उकेरी मुंशी प्रेमचंद की स्मृतियां

भेलूपुर स्थित सीएम एंग्लो बंगाली इंटर कालेज में मुंशी प्रेमचंद पर चित्रकला प्रतियोगिता में पेंटिंग बनाते विद्यार्थी • जागरण

जागरण संवाददाता, वाराणसी: संस्कृति विभाग की ओर से मुंशी प्रेमचंद लमही महोत्सव के दूसरे दिन शनिवार को सीएम एंग्लो बंगाली इंटर कालेज में कथा सम्राट की कहानियों पर आधारित चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें स्कूल-कालेजों व विश्वविद्यालयों के 100 बच्चों ने प्रतिभाग किया। कैनवास पर उनकी कथाओं के पात्रों को जीवंत कर दिया। क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्र प्रभारी डा. सुभाषचंद्र यादव के निर्देशन में संयोजन प्रधानाचार्य डा. विश्वनाथ दुबे व महापंडित राहुल सांकृत्यायन शोध एवं अध्ययन केंद्र की सचिव डा. संगीता श्रीवास्तव ने किया।

प्रतियोगिता छह से नौ, 10 से 12वीं और स्नातक से स्नातकोत्तर के तीन वर्गों में आयोजित की गईं। इसमें पलक प्रजापति, प्रियम पांडेय व आर्यन यादव प्रथम, रिया मौर्या, नम्रता पाल व जय गुप्ता द्वितीय व अलशिफा रहमानी, मीनी गौंड व अन्नू चौहान तृतीय रहे। हर वर्ग में दो-दो सांत्वना पुरस्कार भी दिए गए।

RK School of NURSING & PARAMEDICAL
COLLEGE CODE: 1083
JOB OPPORTUNITY FOR BRIGHT FUTURE

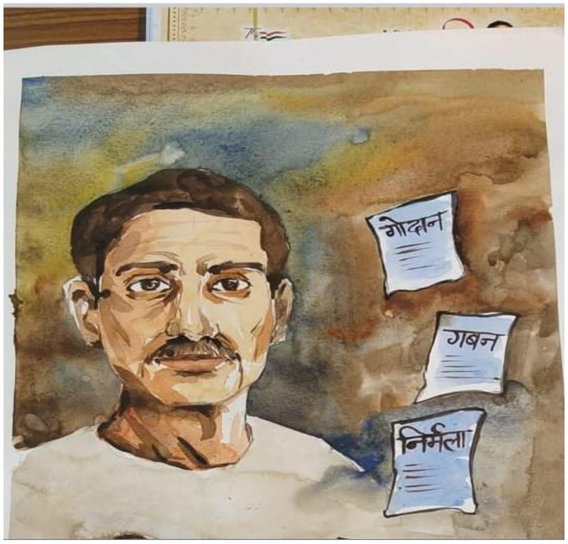

2023

हिन्दुस्तान
भरोसा नए हिन्दुस्तान का

www.livehindustan.com
हिन्दुस्तान
वाराणसी, मंगलवार, 1 अगस्त 2023
06

प्रेमचंद की दृष्टि यथार्थपरक : डॉ. मुक्ता

वाराणसी, प्रमुख संवाददाता। प्रेमचंद की दृष्टि यथार्थपरक है। अपनी रचनाओं के माध्यम से वह सामाजिक संपर्क का आह्वान करते हैं। ये बातें डॉ. मुक्ता ने प्रेमचंद जयंती पर सोमवार को आयोजित परिचर्चा में कही। कार्यक्रम का आयोजन महापंडित राहुल सांकृत्यायन शोध एवं अध्ययन केंद्र तथा आचार्य रामचंद्र शुक्ल साहित्य शोध संस्थान की ओर से किया गया था।

शोध संस्थान के सभागार में हुई परिचर्चा की अध्यक्षता करते हुए उन्होंने कहा कि दलित और स्त्री विमर्श का आरंभ प्रेमचंद के साहित्य से ही हुआ है। प्रेमचंद के विचारों के प्रसार के लिए चित्रकला और रंगमंच बहुत सार्थक और आवश्यक माध्यम हैं।

मुख्य अतिथि प्रो शांति स्वरूप सिन्हा ने कहा प्रेमचंद शब्दचित्र के चितेरे हैं। प्रेमचंद वस्तुतः लोक के अंतःमन की संवेदना और विपरीत परिस्थितियों में भी मानवीय मूल्यों से लबरेज कलम के सिपाही रहे। डॉ. श्रद्धानंद, डॉ. सुरेन्द्र प्रताप, डॉ. मंजुला चतुर्वेदी ने भी विचार व्यक्त किए।

रवींद्रपुरी स्थित रामचंद्र शुक्ल शोध संस्थान के सभागार में सोमवार को चित्रकला प्रतियोगिता के कनिष्ठ वर्ग में प्रथम स्थान पाने वाली संत अतुलानंद की राजनंदिनी को पुरस्कृत करतीं डॉ.मुक्ता, डॉ.श्रद्धानंद व अन्य विशिष्टजन।

इसके बाद प्रो. मंजीत चतुर्वेदी द्वारा नाट्य रूपांतरित तथा उमेश भाटिया द्वारा निर्देशित प्रेमचंद की कहानी 'बड़े भाई साहब' का मंचन हुआ। आगतों का स्वागत डॉ. संगीता श्रीवास्तव, संयोजन बीएल प्रजापति, संचालन डॉ. रचना शर्मा तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ मंजीत चतुर्वेदी ने किया। परिचर्चा से पूर्व प्रेमचंद्र की कहानियों पर आधारित अंतर विद्यालय एवं विश्वविद्यालय चित्रकला प्रतियोगिता हुई।

चार वर्गों में हुई प्रतियोगिता में संत अतुलानंद की राजनंदिनी, सीएचएस की अवंतिका, गोपीराधा बालिका इंटर कॉलेज की जान्हवी चक्रवाल और आईएफए इन्स्टीट्यूट की मुस्कान मौर्या ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

2023

अमर उजाला

वाराणसी सिटी

मंगलवार • 01.08.2023 3

amarujala.com / varanasi

स्त्री विमर्श का प्रतीक है साहित्य

कथाकार डॉ. मुक्ता ने कहा कि प्रेमचंद का साहित्य दलित और स्त्री विमर्श का प्रतीक है। वह महापंडित राहुल सांकृत्यायन शोध अध्ययन केंद्र व आचार्य रामचंद्र शुक्ल साहित्य शोध संस्थान रविंद्रपुरी में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रही थीं। प्रो. शांति स्वरूप सिन्हा और डॉ. श्रद्धानंद ने भी अपने विचार रखे। इस दौरान प्रेमचंद की कहानी बड़े भाई साहब का मंचन हुआ। चार वर्गों में हुई हुई अंतर विद्यालय व विश्वविद्यालय चित्रकला प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में संस्था सचिव डॉ. संगीता श्रीवास्तव, डॉ. सुरेंद्र प्रताप, डॉ. मंजुला चतुर्वेदी, डॉ. सुरेश के नायर आदि मौजूद रहे।

2023

राष्ट्रीय सहारा

वाराणसी। मंगलवार • 1 अगस्त • 2023

प्रेमचंद की जयंती पर नाटक मंचन से दिया संदेश

वाराणसी (एसएनबी)। प्रेमचंद्र की जयंती की अवसर पर महापंडित राहुल सांकृत्यायन शोध एवं अध्ययन केंद्र तथा आचार्य रामचंद्र शुक्ल साहित्य शोध संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार को प्रेमचंद्र की कहानियों पर आधारित अंतर विद्यालय एवं विश्वविद्यालय चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन रवींद्रपुरी स्थित आचार्य रामचंद्र शुक्ल साहित्य शोध संस्थान में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो शांति स्वरूप सिन्हा और कार्यक्रम अध्यक्ष डॉ मुक्ता, विशिष्ट वक्ता डा श्रद्धानंद एवं डॉ सुरेन्द्र प्रताप, डॉ मंजुला चतुर्वेदी तथा डॉ सुरेश के नायर ने मिल कर प्रेमचंद जी तथा आचार्य रामचंद्र शुक्ल जी के चित्र पर माल्यार्पण तथा दीप प्रज्ज्वलन किया। स्वागत संस्था सचिव डॉ संगीता श्रीवास्तव ने किया। इस प्रतियोगिता के द्वितीय भाग में प्रेमचंद्र और वर्तमान विषय के अंतर्गत परिचर्चा में अध्यक्ष पद से डॉ मुक्ता ने कहा प्रेमचंद की दृष्टि यथार्थपरक है। वरिष्ठ साहित्यकार डॉ सुरेन्द्र प्रताप ने कहा प्रेमचंद्र देश ही के नही दुनिया के महान साहित्यकारों में से एक है प्रेमचंद्र सेक्युलर विचारक थे स्वतंत्रता संग्राम में राष्ट्रीय एकता के लिए हिंदू मुस्लिम एकता के लिए लेखन पर काफी प्रयास किया। प्रतियोगिता में पुरस्कृत प्रतियोगी : चित्र कला प्रतियोगिता में पुरस्कृत विजेताओं में प्रथम. राजनंदिनी संत अतुलानंद, द्वितीय शिवांश श्रीवास्तव सीएचएस तृतीय अनुष्का प्रजापति आर्य महिला माडल स्कूल, सांत्वना आराधना चतुर्वेदी। इसके अलावा अन्य समूहों में प्रथम अवंतिका, द्वितीय श्रीवृद्धि, तृतीय रिद्धि चतुर्वेदी, सांत्वना अर्शिता प्रकाश गुप्ता, कक्षा 10-12 में प्रथम जान्हवी चक्रवाल, द्वितीय प्रीति प्रजापति, तृतीय जागृति सिंह, सांत्वना गुनगुन साहनी रहे। समूह में मुस्कान मौर्या,अंशिका राय, आंकाक्षा सिंह। इस अवसर पर प्रो मंजीत चतुर्वेदी द्वारा नाट्य रूपांतरित तथा उमेश भाटिया द्वारा निदेशक की टीम ने प्रेमचंद जी की कहानी बड़े भाई साहब का मंचन हुआ। डॉ रचना शर्मा ने संचालन किया और संयोजन बीएल प्रजापति तथा धन्यवाद डॉ मंजीत चतुर्वेदी ने दिया।

2023

महापंडित राहुल सांकृत्यायन...

Admin · 1 Aug 2023

महा पंडित राहुल सांकृत्यायन शोध एवं अध्ययन केंद्र तथा आचार्य रामचंद्र शुक्ल साहित्य शोध संस्थान के संयुक्त त... more

Drmukta Mukta

1 Aug 2023

राहुल सांकृत्यायन शोध एवं अध्ययन केंद्र एवं आचार्य रामचंद्र शुक्ल साहित्य शोध संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित प्रेमचंद जयंती का हिंदुस्तान , अमर उजाला एवं राष्ट्रीय सहारा समाचार पत्र में प्रकाशित समाचार। संपादकों के प्रति आभार.

2024

4

5

महापंडित राहुल सांकृत्यायन...

Admin · 9 Sept 2024 ·

महापंडित राहुल सांकृत्यायन शोध एवं अध्ययन केंद्र संस्था वाराणसी द्वारा आयोजित प्रेमचंद जी की कहानियों पर ... more

Sangita Srivastava
9 Sept 2024 ·

महापंडित राहुल सांकृत्यायन शोध एवं अध्ययन केंद्र संस्था वाराणसी के तत्वाधान में कहानी सम्राट मुंशी प्रेमचंद जी की कहानियों पर आधारित अंतरविद्यालयीय और विश्वविद्यालयीय स्तर पर चित्रकला प्रतियोगिता

https://youtu.be/GW0U6yMVbPs

● वीडियो देखने के लिए ऊपर👆👆दी हुई लिंक पर क्लिक करें

वॉइस इंडिया न्यूज़ को अच्छे और अनुभवी रिपोर्टर की तलाश, वॉइस इंडिया न्यूज़ से जुड़ने के लिए इस न. 9219824500 पर करें संपर्क

youtube.com

मुंशी प्रेमचंद की कहानियों पर आधारित अंतरविद्यालयीय और विश्वविद्यालयीय स्तर पर चित्रकला प्र

3

2025

हिन्दुस्तान वाराणसी, सोमवार, 28 जुलाई 2025 04

प्रेमचंद दलितों-स्त्रियों को केंद्र में लाए: डॉ. मुक्ता

वाराणसी, मुख्य संवाददाता। प्रेमचंद की लेखनी हाशिए पर रहने वाले दलित और स्त्री समाज को केंद्र में लेकर आई। बूढ़ी काकी कहानी में एक वृद्ध स्त्री के माध्यम से मानवीय मूल्यों के ह्रास को इंगित किया है। ये बातें वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. मुक्ता ने कहीं।

वह रविवार को नवरचना कान्वेंट स्कूल परिसर में महापंडित राहुल सांकृत्यायन केंद्र की ओर से प्रेमचंद की 145 जयंती के उपलक्ष्य में कहानी चित्रण चित्रकला प्रतियोगिता के समापन समारोह में मुख्य अतिथि थीं। उन्होंने कहा कि रंगभूमि उपन्यास टिश शासन काल में गरीबों के लिए उपजी त्रासदी को दर्शाता है। प्रेमचंद का साहित्य आज भी प्रासंगिक है।

राहुल सांकृत्यायन केंद्र की ओर से रविवार को नवरचना कॉन्वेंट स्कूल में आयोजित प्रेमचंद की कहानी चित्रण प्रतियोगिता में पुरस्कार वितरण करतीं साहित्यकार डॉ. मुक्ता।

अध्यक्षता कर रहे प्रो. सुरेंद्र प्रताप ने कहा कि प्रेमचंद का साहित्य राष्ट्रीयता की भावना से परिपूर्ण होने के साथ परतंत्र भारत की सामाजिक, राजनीतिक, धार्मिक और आर्थिक समस्याओं को उद्घाटित करता है। विशिष्ट अतिथि डॉ. श्रद्धानंद, डॉ. रामसुधार सिंह ने भी विचेर रखे। चित्रकार डॉ. महेश सिंह ने छात्र-छात्राओं को चित्रकला की बारीकियां बताईं। संस्थापिका सचिव डॉ. संगीता ने अतिथियों का स्वागत किया।

इन्हें मिले पुरस्कार

कक्षा चार से छह के प्रतिभागियों में वृद्धिका, सिद्धार्थ एवं सोनाक्षी ने पहले तीन स्थान प्राप्त किए। कक्षा सात से नौ के वर्ग में मोनिका, वीरेंद्र एवं अन्नया क्रमशः रहे। कक्षा 10 से 12 के वर्ग में लावण्या पांडेय, पलक प्रजापति और वर्तिका सिंह प्रथम तीन स्थान पर रहे। विवि एवं महाविद्यालय वर्ग में अनुराधा भारद्वाज, रितिक गुप्ता को पहला और दूसरा पुरस्कार मिला। निर्णायक मंडल में प्रो. मंजुला चतुर्वेदी, प्रो. के. सुरेश कुमार, प्रो. महेश सिंह रहे। संचालन अरुणिमा, संयोजन बीएल प्रजापति ने किया।

2025

महापंडित राहुल सांकृत्यायन शोध एवं अध्ययन केन्द्र संस्था
अंतर विद्यालयीय एवं विश्वविद्यालयीय
कहानी चित्रण चित्रकला प्रतियोगिता
31 जुलाई 2025
प्रेमचंद की 145वीं जयंती
27 जुलाई 2025, दिन रविवार
1

1
2

कहानी चित्रण चित्रकला प्रतियोगिता
31 जुलाई 2025
27 जुलाई 2025, दिन रविवार
1